{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 28 सितम्बर 2026
अश्विन कृष्ण 02 विक्रम सवत 2083
वर्ष 17, अंक 08
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

बिहार के डीजीपी ने लिया वीआरएस

पटना। सीनियर आईपीएस अफसर विनय कुमार जिनका बिहार के डीजीपी के तौर पर कार्यकाल दिसंबर में खत्म होने वाला था लेकिन उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली है और अब राज्य सरकार ने उन्हें बिहार का नया मुख्य सूचना आयुक्त नियुक्त किया है। शनिवार देर रात राज्य के गृह विभाग की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक 1991 बैच के आईपीएस अफसर विनय कुमार ने 25 सितंबर को वीआरएस के लिए आवेदन किया था, जिसे सरकार ने तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि विनय कुमार को आवेदक की ओर से तीन महीने का नोटिस देने के नियम में ढील देते हुए वीआरएस दिया गया।

दिवाली-दशहरा पर चलेंगी 102 स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली। दिवाली और दशहरा के दौरान ट्रेनों में होने वाली भीड़ को देखते हुए रेलवे 102 फेस्टिव स्पेशल ट्रेनें चलाएगी। रविवार से इन स्पेशल ट्रेनों के लिए टिकटों की बुकिंग शुरू हो गई है। इनमें सफर करने के लिए स्पेशल चार्जेस देना होगा। 10 अक्टूबर से 24 नवंबर के बीच चलने वाली ये स्पेशल ट्रेनें मुंबई, चेन्नई, लातूर, कोल्हापुर और कलबुर्गी जैसे शहरों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाएंगी। इन ट्रेनों में आईआरसीटीसी के एप और ऑफिशियल वेबसाइट, रेलवे के रिजर्वेशन सेंटर और रेलवन एप के जरिए टिकट बुक कर सकते हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई से चेन्नई के बीच वीकली स्पेशल ट्रेन चलेगी। यह 15 अक्टूबर से 19 नवंबर के बीच दोनों तरफ से 6-6 फेरे लगाएगी। चेन्नई बीच से छत्रपति मुंबई स्पेशल हर गुरुवार सुबह 4 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 4 बजे मुंबई पहुंचेगी।

झारखंड सीआईडी ने तीन और अभ्यर्थियों को किया गिरफ्तार

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा 2023 में अनियमितताओं के मामले में तीन अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया गया है। इन गिरफ्तारियों के साथ ही सीआईडी ने इस मामले में अब तक 19 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान कोडरमा जिले के निवासी अजय कुमार और गिरिडीह जिले के निवासी संजय कुमार और रामकृष्ण कुमार सिंह के रूप में हुई है। इन अभ्यर्थियों ने परीक्षा में अनुचित तरीके से लाभ हासिल किया था। नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थियों ने परीक्षाओं में हुए रद्द किए जाने और अनियमितताओं की सीबीआई से जांच कराए जाने की मांग को लेकर 25 जुलाई से प्रदर्शन किया था। इन प्रदर्शनों के बाद राज्य सरकार ने कई भर्ती परीक्षाएं रद्द करने की घोषणा की थी।

कॉपर-स्टील-एल्युमीनियम महंगे होने और रुपए में उतार-चढ़ाव का असर;

1 अक्टूबर से एसी-फ्रिज-टीवी खरीदना महंगा

8 प्रतिशत तक बढ़ेंगे दाम, साल में तीसरी बढ़ोतरी; दिवाली तक पुराने स्टॉक का फायदा

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में एसी, फ्रिज, टीवी और वॉशिंग मशीन खरीदने की तैयारी कर रहे ग्राहकों के लिए 1 अक्टूबर से झटका लग सकता है। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियां इन उत्पादों की कीमतों में 8 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने की तैयारी में हैं। सबसे ज्यादा असर एसी की कीमतों पर पड़ने की संभावना है, जबकि टीवी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन के दाम भी 3-4 प्रतिशत तक बढ़ सकते हैं। कंपनियां कीमत बढ़ाने के पीछे कॉपर, स्टील, एल्युमीनियम और क्रूड ऑयल से जुड़े कच्चे माल की बढ़ती लागत को वजह बता रही हैं। इसके अलावा करेंसी में उतार-चढ़ाव भी कंपनियों की लागत बढ़ा रहा है। खास बात यह है कि 2026 में यह कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री की तीसरी कीमत बढ़ोतरी होगी।

एसी सबसे ज्यादा महंगा होगा

इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के मुताबिक एसी की कीमतों में करीब 5 से 8 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन और एलईडी टीवी की कीमतें करीब 3 से 4 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है। कुछ कंपनियों ने कीमत बढ़ाने की तैयारी की पुष्टि भी कर दी है। हायर इंडिया ने 1 अक्टूबर से एसी की कीमत करीब 5 प्रतिशत बढ़ाने की बात कही है। कंपनी के मुताबिक कॉपर की कीमत में पिछले एक साल में बड़ा उछाल आया है। हायर इंडिया के प्रेसिडेंट एनएस सतीश के मुताबिक कॉपर करीब 8,000-9,000 डॉलर प्रति मीट्रिक टन से बढ़कर 14,500 डॉलर तक पहुंच गया है। एक एसी में करीब 3-4 किलो कॉपर का इस्तेमाल होता है। कंपनी का अनुमान है कि अक्टूबर से जनवरी के बीच अलग-अलग चरणों में कीमतों में कुल 15 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है।

किन कंपनियों पर असर

ब्लू स्टार, गोदरेज एप्लायंसेज, हायर, डाइकिन और सुपर प्लास्ट्रोनिक्स जैसी कंपनियों की ओर से भी कीमतों में बढ़ोतरी की जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक अलग-अलग प्रोडक्ट कैटेगरी में यह बढ़ोतरी 4 प्रतिशत से 10 प्रतिशत के बीच हो सकती है। एलजी और बॉश होम कम्फर्ट (हिताची) ने एसी की कीमतों में करीब 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। वहीं पानासोनिक अभी लागत और बाजार की स्थिति की समीक्षा कर रही है।

दिवाली तक पुरानी कीमत में खरीद का मौका

हालांकि ग्राहकों के लिए पूरी तरह खराब खबर नहीं है। कंपनियों और इंडस्ट्री के मुताबिक डीलर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स ने अगस्त-सितंबर में प्री-बाइंग के तहत पर्याप्त पुराना स्टॉक खरीद लिया था। सप्लाई चेन में करीब 1 से 1.5 महीने का पुराना स्टॉक मौजूद है। ऐसे में अक्टूबर में कीमत बढ़ने के बावजूद कुछ समय तक ग्राहक पुराने दाम पर सामान खरीद सकते हैं। इंडस्ट्री का अनुमान है कि दिवाली तक पुराने स्टॉक का फायदा मिल सकता है, जबकि इसके बाद नई कीमतों का असर ज्यादा स्पष्ट होगा।

इस साल तीसरी बार बढ़ रहे दाम

कच्चे माल की लागत बढ़ने के कारण 2026 में इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों की ओर से कीमतों में यह तीसरी बढ़ोतरी होगी। यानी साल की शुरुआत में जिस कीमत पर ग्राहक एसी, टीवी या फ्रिज खरीद रहा था, उसके मुकाबले साल के अंत तक उसे काफी ज्यादा भुगतान करना पड़ सकता है। त्योहारी सीजन में कंपनियां एक तरफ कीमत बढ़ा रही हैं, वहीं दूसरी तरफ डिस्काउंट, एक्सचेंज ऑफर और पुराने स्टॉक के जरिए बिक्री बनाए रखने की कोशिश करेंगी। ऐसे में ग्राहकों के लिए नई कीमत और वास्तविक ऑफर प्राइस में अंतर भी देखने को मिल सकता है।

ज्ञानेश के खिलाफ अगली रणनीति बनाने 30 सितंबर को जुटेगा इंडी गठबंधन

ममता बनर्जी की पहल पर हो रही ये बैठक

नई दिल्ली। मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग को लेकर विपक्षी इंडिया गठबंधन ने अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और एसआईआर को लेकर आगे की साझा रणनीति तय करने के लिए विपक्षी दल 30 सितंबर को दिल्ली में बैठक करने वाले हैं। यह बैठक पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी की पहल पर बुलाई गई है।

बैठक में देशभर में संयुक्त विरोध प्रदर्शन और संसद में नया प्रस्ताव लाने सहित कई मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। इससे एक दिन पहले, 29 सितंबर को कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक भी प्रस्तावित है, जिसमें पार्टी अपनी आगे की रणनीति पर विचार करेगी।

सीईसी के खिलाफ विपक्ष फिर लाएगा रिमूवल नोटिस?

विपक्षी दल मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार के खिलाफ लोकसभा और राज्यसभा में नया रिमूवल नोटिस लाने की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रस्ताव का मसौदा तैयार किया जा रहा है और कानूनी विशेषज्ञों से सलाह के बाद संसद में प्रस्ताव पेश किया जा सकता है। यह चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष की ओर से ऐसा तीसरा प्रयास होगा।

टीएमसी के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव और सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा है कि कुमार का पद छोड़ना विपक्ष की प्रमुख मांगों में शामिल है। उन्होंने सीईसी की नियुक्ति प्रक्रिया और एसआईआर को भी विपक्ष के एजेंडे का हिस्सा बताया है।

टीएमसी और वाम दल भी साथ

पश्चिम बंगाल में आमतौर पर एक-दूसरे के राजनीतिक विरोधी टीएमसी और वाम दल इस मुद्दे पर साथ नजर आ रहे हैं। ममता बनर्जी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सीपीआई(एम) के वरिष्ठ नेता एमए बेबी से बातचीत की है। सीपीआई(एमआई)-लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने भी 30 सितंबर की बैठक का समर्थन किया है और एसआईआर पर सवाल उठाए हैं।

चुनाव आयोग ने दी सफाई

विपक्ष के आरोपों के बीच चुनाव आयोग ने कहा है कि एसआईआर से जुड़े आदेश तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से जारी किए गए हैं। आयोग के मुताबिक, किसी संवैधानिक संस्था में अलग-अलग टिप्पणियां होना सामान्य प्रक्रिया है।

करोड़ों किसानों को अक्टूबर में मिल सकती है 24वीं किस्त

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का इंतजार कर रहे करोड़ों किसानों के लिए अच्छी खबर आ सकती है। केंद्र सरकार अक्टूबर महीने में योजना की 24वीं किस्त लाभार्थियों के खातों में ट्रांसफर कर सकती है। हालांकि, कृषि मंत्रालय की तरफ से अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन उम्मीद है कि जल्द ही किसानों के अकाउंट में पैसा आ सकता है। इस योजना के तहत केंद्र सरकार साल भर में तीन किस्तों में किसानों को आर्थिक सहायता देती है। इससे पहले, पीएम किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त का पैसा जून में जारी किया गया था, जिसमें 18,880 करोड़ रुपये सीधे करोड़ों किसानों के खातों में भेजे गए थे। अब तक इस योजना के माध्यम से कुल 4.46 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। सरकार आमतौर पर अप्रैल से जुलाई, अगस्त से नवंबर और दिसंबर से मार्च के बीच पैसा ट्रांसफर करती है। इसलिए अगस्त से नवंबर की अवधि में 24वीं किस्त आने की प्रबल संभावना है। इस योजना का लाभ लेने के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य है। जिन किसानों ने अभी तक ई-केवाईसी नहीं करवाई है, उन्हें यह प्रक्रिया जल्द पूरी करनी होगी।

आईपीएस मोहिबुल्लाह को अमेरिका में मिलेगा एशियन हीरो का अवार्ड

नई दिल्ली। आईपीएस अफसर मोहिबुल्लाह अंसारी का सफर 10वीं और 12वीं कक्षा की प्री-बोर्ड परीक्षाओं में फेल होने से लेकर जेईई पास करने, आईआईटी दिल्ली में एडमिशन लेने और यूपीएससी पास करके आईपीएस अफसर बनने तक दृढ़ता और संकल्प की एक शानदार मिसाल है। उनकी यह सफलता का सफर दिखाता है कि कैसे लक्ष्य, फोकस और समर्पण मुश्किलों से उबरने में मदद करते हैं। अब मोहिबुल्लाह अंसारी को अमेरिका में एशियन हीरो अवार्ड 2026 से सम्मानित किया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिहार कैडर के 2021-बैच के आईपीएस अफसर मोहिबुल्लाह अंसारी अभी बिहार के मुजफ्फरपुर में सिटी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस के पद पर हैं। उन्हें 13 दिसंबर 2026 को फ्लोरिडा, अमेरिका में होने वाले सातवें वर्ल्ड फेयर एंड फेस्टिवल के दौरान एशियन हीरो अवार्ड 2026 से नवाजा जाएगा। यह अवार्ड एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड फेयर एंड फेस्ट, यूएसए की तरफ से दिया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मोहिबुल्लाह अंसारी को उनके पुलिसिंग के काम, जनसेवा और समाज कल्याण में योगदान के लिए इस सम्मान के लिए चुना गया है। रिपोर्ट में उनकी ईमानदार और साफ-सुथरी छवि को भी उनके चयन की एक वजह बताया है। अंसारी को स्कूल के दिनों में मुश्किलों का सामना करना पड़ा, जब वे 10वीं और 12वीं कक्षा की प्री-बोर्ड परीक्षाओं में फेल हो गए थे। इन मुश्किलों से निराश होने के बजाय उन्होंने अपनी कमियों को पहचानने और उन्हें सुधारने के लिए इनका इस्तेमाल किया। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की और बाद में जेईई मेन और जेईई एडवांस्ड परीक्षाएं पास कीं। 2011 में उन्हें आईआईटी दिल्ली में एडमिशन मिला, जहां उन्होंने बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी की डिग्री हासिल की।

आज से तीन दिवसीय बैंक हड़ताल से पहले रविवार को खुली बैंक शाखाएं, ग्राहकों ने निपटाए जरूरी काम

मुंबई। आज सोमवार से प्रस्तावित तीन दिवसीय देशव्यापी बैंक हड़ताल को देखते हुए रविवार को अधिकांश बैंक शाखाएं खुली रहीं। रविवार को बैंक शाखाएं खोलने का मुख्य उद्देश्य हड़ताल के संभावित प्रभाव से पहले ग्राहकों को जरूरी बैंकिंग कार्य पूरा करने का अवसर देना रहा। इससे खासतौर पर उन लोगों को राहत मिली, जिन्हें तत्काल बैंक शाखा जाकर काम निपटाना था। दरअसल लगातार तीन दिनों तक बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होने की आशंका के बीच ग्राहकों की सुविधा और संभावित परेशानी को कम करने के लिए रविवार को बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। मालूम हो कि, सोमवार 28 सितंबर से लेकर बुधवार 30 सितंबर तक बैंक यूनियन ने हड़ताल की घोषणा की है। ये 3 दिनों की हड़ताल है। शनिवार, 26 सितंबर (शनिवार) को तो पहले से ही बैंक की छुट्टी थी, ऐसे में लोगों का काम लगातार 5 दिनों के लिए ना रुके इसलिए रविवार को बैंक खोलना जरूरी था। बैंक खुले रहने की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में ग्राहक शाखाओं में पहुंचे और अपने जरूरी वित्तीय कार्य निपटाए। आपको बता दें कि बैंक कर्मचारी संगठनों की ओर से 5-दिन का कार्य-सप्ताह यानी सप्ताह में पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करने समेत कई लंबित मांगों को लेकर आंदोलन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार, मंगलवार और बुधवार को देशभर में बैंक कर्मचारियों की हड़ताल प्रस्तावित है। हड़ताल के दौरान बैंक शाखाओं में सामान्य कामकाज प्रभावित रहने की संभावना है। ऐसे में रविवार को शाखाएं खुलने से उन ग्राहकों को राहत मिली, जिन्हें बैंक से जुड़े जरूरी काम पूरे करने थे।

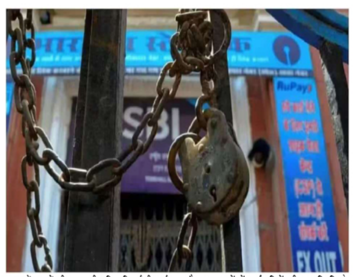

हड़ताल से पहले ग्राहकों ने निपटाए जरूरी काम

रविवार को बैंक शाखाओं में सामान्य दिनों की तुलना में ग्राहकों की आवाजाही अधिक दिखाई दी। कई ग्राहक नकद लेन-देन, चेक से जुड़े कार्य, बैंक खाते से संबंधित जरूरी प्रक्रिया और अन्य बैंकिंग सेवाओं के लिए शाखाओं में पहुंचे। ग्राहकों का कहना था कि लगातार तीन दिन बैंक बंद रहने की स्थिति में उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ सकता था। रविवार को बैंक खुले रहने से उन्हें पहले ही अपने जरूरी काम पूरे करने का मौका मिल गया। कुछ ग्राहकों ने बैंक कर्मचारियों की पांच दिवसीय कार्यप्रणाली की मांग का समर्थन भी किया। उनका कहना था कि यदि सप्ताह में पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू होती है तो बैंक कर्मचारियों और ग्राहकों, दोनों के लिए कामकाज की बेहतर व्यवस्था विकसित की जा सकती है। हालांकि, इस संबंध में अंतिम निर्णय संबंधित पक्षों के बीच बातचीत और नीतिगत प्रक्रिया के आधार पर होना है।

तीन दिन प्रभावित रह सकता है बैंकिंग कामकाज

सोमवार से बुधवार तक प्रस्तावित हड़ताल के कारण देशभर में बैंक शाखाओं का नियमित कामकाज प्रभावित होने की संभावना है। हड़ताल के दौरान शाखाओं में कर्मचारियों की अनुपस्थिति के कारण जमा, निकासी, चेक से जुड़े कार्य, बैंकिंग दस्तावेजों की प्रक्रिया और अन्य शाखा आधारित सेवाओं पर असर पड़ सकता है। हालांकि, बैंकिंग सेवाओं का पूरा प्रभाव संबंधित बैंक की व्यवस्था और कर्मचारियों की भागीदारी पर निर्भर करेगा। ग्राहकों को सलाह दी जा रही है कि वे हड़ताल के दौरान जरूरी बैंकिंग कार्यों के लिए उपलब्ध डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल करें।

डिजिटल बैंकिंग से मिल सकती है राहत

बैंक शाखाओं के कामकाज पर असर पड़ने के बावजूद डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के माध्यम से कई सामान्य लेन-देन किए जा सकते हैं। ऑनलाइन बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई और अन्य डिजिटल माध्यमों से होने वाले लेन-देन की उपलब्धता संबंधित बैंक की तकनीकी व्यवस्था पर निर्भर करेगी। इसी तरह एटीएम सेवाएं भी संबंधित बैंक की परिचालन व्यवस्था के अनुसार उपलब्ध रह सकती हैं।

ओडिशा में 9.24 करोड़ सरकारी फंड की हेराफेरी

भुवनेश्वर। ओडिशा विजिलेंस ने सरकारी फंड की कथित हेराफेरी के मामले में सेक्शन ऑफिसर बनलता मोहंती और जूनियर असिस्टेंट बिभुदत्त नायक को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों ने 2022-23 से 2025-26 के बीच फर्जी मंजूरी आदेश और बिल बनाकर 9.24 करोड़ रुपए की रकम निजी बैंक खातों में भेजी। जांच में सामने आया कि फर्जी बिलों में अधिकृत लाभार्थियों की जगह आरोपियों के रिश्तेदारों और सहयोगियों के बैंक खाते दर्ज किए गए थे। कथित तौर पर 48 लोगों के 77 खातों में रकम भेजी गई। इनमें मोहंती के बेटे, ड्राइवर और सहयोगियों के अलावा नायक के भाई और रिश्तेदारों के खाते भी शामिल थे। बाद में इन खातों से कुछ रकम आरोपियों को ट्रांसफर की गई या कैश निकालकर दी गई। हेराफेरी का पता चलने के बाद प्रशासन ने कथित तौर पर 3.96 करोड़ रुपए की रकम बरामद कर ली। दोनों अधिकारियों समेत अन्य लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 और बीएनएस की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है। मामले की आगे जांच जारी है।

कुछ ना कहना

देश की पहली एलएनजी ट्रेन शुरू

गृह मंत्री अमित शाह ने दिखाई हरी झंडी, गुजरात को 15 सौ करोड़ के रेलवे प्रोजेक्ट्स की सौगात

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद के साबरमती रेलवे स्टेशन से देश की पहली एलएनजी से चलने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस कार्यक्रम के दौरान, साबरमती डिवीजन के लिए कई रेलवे प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया गया और कुछ अन्य प्रोजेक्ट्स की आधारशिला भी रखी गई। गुजरात को 1,542 करोड़ रुपए से ज्यादा के रेलवे प्रोजेक्ट्स की सौगात दी गई।

करीब 411 करोड़ रुपए की लागत से 404 किलोमीटर लंबे रेल सेक्शन पर 'कवच' सिस्टम लागू किया गया। 122.57 किलोमीटर लंबे रेल सेक्शन पर ऑटोमैटिक

ब्लॉक सिग्नलिंग शुरू की गई। 700 करोड़ रुपए की लागत से बने डबल्यूएजी-12 लोकोमोटिव मेंटेनेंस शेड का उद्घाटन किया गया। 313.27 करोड़ रुपए की लागत से 21 किलोमीटर लंबे साबरमती-सरखेज रेल सेक्शन को डबल करने का काम किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि लगभग 1,542 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से किए गए ये विकास कार्य यात्रियों और इस इलाके के रेलवे नेटवर्क, दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित होंगे। इन प्रोजेक्ट्स में लोकोमोटिव मेंटेनेंस हब, 'कवच' सुरक्षा प्रणाली और ट्रैक को दोगुना करने का काम शामिल है।

साबरमती स्टेशन के नए रूप में देखना खास

अमित शाह ने बताया कि दिल्ली से यात्रा करते समय वे कई बार साबरमती रेलवे स्टेशन पर उतरे हैं। स्टेशन में पिछले कुछ सालों में आए बदलाव को देखते हुए उन्होंने रेलवे अधिकारियों और पूरी टीम को बधाई दी। शाह ने कहा, साबरमती रेलवे डिवीजन से लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तक, पूरी टीम को मेरी हार्दिक बधाई। इतने लंबे समय बाद साबरमती स्टेशन को इस नए रूप में देखना वाकई बहुत खास है।

बिहार में बढ़ते अपराध पर भड़के चिराग... सम्राट सरकार का हिस्सा होने पर शर्म

पटना। बिहार में बीते कुछ दिनों से महिलाओं के खिलाफ अपराध की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। राज्य के विभिन्न जिलों से सामने आई हृदयविदारक तस्वीरों ने महिला सुरक्षा के दावों की पोल खोल दी है और राज्य एवं एनडीए सरकार की छवि को नुकसान पहुंचा है। इन लगातार हो रही घटनाओं से केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान बेहद आक्रोशित हैं। चिराग की पार्टी, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), राज्य की एनडीए सरकार की एक सहयोगी है, लेकिन अपराध के ग्राफ से दुखी होकर उन्होंने कहा है कि उन्हें इस सरकार का सहयोगी होने पर शर्म आती है। एलजेपी (आर) सुप्रीमो ने साफ किया कि आज राज्य में कोई भी सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है।

एक इंटरव्यू में बिहार में बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर अपनी चिंता जताकर चिराग पासवान ने कहा, आज की तारीख में कोई भी सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है। यह हमारी सरकार के लिए गंभीर चिंता का विषय है, और सरकार में एक सहयोगी या हिस्सा होने के नाते मैं खुद इस सवाल से बच नहीं सकता। उन्होंने कहा, मुझे खुद शर्मिंदगी महसूस होती है कि मैं ऐसी सरकार का हिस्सा हूं जहां ऐसी वीभत्स घटनाएं हो रही हैं। इन घटनाओं को हम कतई हल्के में नहीं ले सकते हैं। जब चिराग से पूछा गया कि क्या वह कोई कड़ा फैसला ले सकते हैं, इस पर उन्होंने अपने आक्रोश को दिखाकर कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर उनके बिहार की छवि कैसी जा रही है, यह चिंता का विषय है। हमारी बेटियों के मन में डर और असुरक्षा का भाव उत्पन्न हुआ है। कोई बच्ची मुझे बता दीजिए जो शाम को घर से निकलने से पहले नहीं सोचती होगी।

समस्या समाधान शिविर बना सवालों का शिविर

शिक्षकों के संगठनों ने विभाग की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल, प्रचार-प्रसार के अभाव का आरोप, शिक्षक बोले अंतिम छोर तक सूचना पहुंचती तो सामने आती वास्तविक तस्वीर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शिक्षकों और शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की लंबित समस्याओं के तत्काल निराकरण के लिए शासन के निर्देश पर 27 सितंबर को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में आयोजित समस्या समाधान शिविर को लेकर कई सवाल उठे । शासन के आदेश में पेंशन, पदोन्नति, समयमान वेतनमान, अवकाश, विभागीय जांच और निलंबन सहित लंबित प्रकरणों का जिला स्तर पर तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन जिले में आयोजित शिविर की जानकारी ही शिक्षकों और कर्मचारियों के अंतिम छोर तक नहीं पहुंच पाने का आरोप शिक्षक संगठनों ने लगाया है।

शासन के पत्र में स्पष्ट निर्देश था कि 27 सितंबर को जिला स्तर पर शिविर आयोजित कर लंबित प्रकरणों का तत्काल निराकरण किया जाए तथा निराकृत और लंबित मामलों की जानकारी निर्धारित प्रपत्र में तैयार की जाए। संचालनालय स्तर पर लंबित प्रकरणों की जानकारी भी तैयार कर 29 सितंबर को संचालनालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। ऐसे में इस शिविर को लेकर शिक्षकों और कर्मचारियों को उम्मीद थी कि वर्षों से लंबित मामलों को लेकर उन्हें एक ही स्थान पर समाधान मिल सकेगा। इसी बीच स्कूल शिक्षा विभाग के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह की सोशल मीडिया पोस्ट में कर्मचारी कल्याण शिविर के माध्यम से शिक्षकों, कर्मचारियों और उनके परिवारों से जुड़े मामलों के तत्काल निराकरण की बात सामने आई। इसके बाद कई शिक्षक भी अपनी समस्याएं लेकर शिविर में पहुंचने की तैयारी में थे। लेकिन जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम को लेकर ही स्पष्टता का अभाव दिखाई दिया। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जिस स्थान पर शिविर आयोजित किया गया, वहां दिनभर बैठक जैसा माहौल नजर आने की बात सामने आई। कुछ शिक्षक और कर्मचारी इस बात को लेकर असमंजस में रहे कि शिविर में वे सीधे अपनी समस्याएं रख सकते हैं या आयोजन केवल संकुल प्राचार्य और विकासखंड शिक्षा अधिकारी स्तर के अधिकारियों के लिए है। यही भ्रम पूरे दिन बना रहा और शाम तक भी आयोजन के स्वरूप को लेकर स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आ सकी। सूत्रों के अनुसार इस दौरान करीब 45 प्रकरण सामने आए। कुछ प्रकरणों को स्थानीय स्तर पर देखने की प्रक्रिया की गई, जबकि कुछ मामलों को भोपाल स्तर पर भेजे जाने की जानकारी सामने आई है। हालांकि इन प्रकरणों में कितनों का वास्तव में मौके पर निराकरण हुआ और कितने केवल आगे भेजने की प्रक्रिया तक सीमित रहे, इसे लेकर भी स्पष्ट आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। इधर, पूरे मामले में जिला शिक्षा अधिकारी धनश्री जैन से दूरभाष पर संपर्क कर शिविर की स्थिति और प्राप्त प्रकरणों की जानकारी लेने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। इसके चलते विभाग की ओर से यह स्पष्ट नहीं हो सका कि शासन के निर्देशों के अनुसार शिविर में कितने शिक्षक और कर्मचारी पहुंचे और कितने मामलों का जिला स्तर पर तत्काल निराकरण किया गया। अब सवाल सिर्फ 27 सितंबर को आयोजित शिविर की औपचारिकता का नहीं, बल्कि शासन के उस उद्देश्य का है जिसके तहत लंबित मामलों के त्वरित समाधान के लिए जिला स्तर पर शिविर लगाने के निर्देश दिए गए थे। यदि शिक्षकों को शिविर की जानकारी ही समय पर नहीं मिलेगी, तो लंबित समस्याओं का समाधान किस स्तर पर और किसके माध्यम से होगा, यह सवाल अपनी जगह कायम रहेगा। शिक्षक संगठनों की मांग है कि विभाग शिविर की पूरी जानकारी सार्वजनिक करे और यह स्पष्ट करे कि 45 प्रकरणों में कितने मामलों का तत्काल समाधान हुआ। क्योंकि कागज पर शिविर लगाना अलग बात है और वास्तव में शिक्षकों की समस्याओं का समाधान करना अलग। अब 27 सितंबर के इस आयोजन की सफलता का पैमाना यही होगा कि कितने शिक्षकों को वास्तविक राहत मिली और कितने प्रकरण फिर से भोपाल की फाइलों में पहुंचकर अगले समाधान शिविर का इंतजार करते रह गए।

पर्याप्त प्रचार-प्रसार नहीं किया गया - रितेश गेडाम

इसी मुद्दे को लेकर अब शिक्षक संगठनों ने विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। शासकीय शिक्षक संघ के पदाधिकारी रितेश गेडाम ने दूरभाष पर चर्चा में आरोप लगाया कि समस्या समाधान शिविर को लेकर पर्याप्त प्रचार-प्रसार नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि जिले के बड़ी संख्या में शिक्षकों को शिविर की जानकारी समय पर नहीं मिल सकी। इसके अलावा 28 सितंबर को भोपाल स्तर पर पात्रता परीक्षा से जुड़े आंदोलन के कारण भी कई शिक्षक जिले से बाहर रहने वाले हैं, जिसके चलते वे अपनी समस्याएं लेकर शिविर में उपस्थित नहीं हो सके।

समस्या के समाधान का शिविर महज औपचारिकता - आशीष बिसेन

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के पदाधिकारी आशीष बिसेन ने भी शिविर के आयोजन को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि विभाग वास्तव में शिक्षकों और कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करना चाहता था तो सबसे पहले शिविर की व्यापक जानकारी अंतिम छोर तक कार्यरत शिक्षक और शिक्षा विभाग के कर्मचारियों तक पहुंचाई जानी चाहिए थी। उनका कहना है कि जिले में शिक्षक वर्ग की हजारों समस्याएं लंबित हैं, ऐसे में सीमित जानकारी के बीच आयोजित शिविर से कितने लोगों को वास्तविक लाभ मिला, यह भी सामने आना चाहिए। आशीष बिसेन ने मांग उठाई कि शिविर में आए सभी प्रकरणों की संख्या और उनकी स्थिति सार्वजनिक की जाए। उनका कहना है कि यदि विभाग यह जानकारी सार्वजनिक कर दे कि कितने प्रकरण प्राप्त हुए, कितने मामलों का मौके पर निराकरण किया गया और कितने प्रकरण भोपाल भेजे गए, तो शिविर की वास्तविक स्थिति खुद सामने आ जाएगी।

खुरसोड़ी में महिलाओं ने खोला अवैध शराब के खिलाफ मोर्चा, गांव में निकाली रैली

नारी शक्ति नशा मुक्ति संगठन का अभियान जारी, शराब विक्रेताओं पर कार्रवाई और नियमित पुलिस गश्त की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय से करीब 10 किलोमीटर दूर ग्रामीण थाना क्षेत्र के ग्राम खुरसोड़ी में अवैध शराब की बिक्री और नशे के खिलाफ महिलाओं ने मोर्चा खोल दिया है। ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती रजवंती बलराम लिल्हारे के

नेतृत्व में महिलाओं ने नारी शक्ति नशा मुक्ति संगठन का गठन कर गांव को नशामुक्त बनाने का अभियान शुरू किया है। महिलाओं का कहना है कि गांव में लंबे समय से कच्ची और अवैध शराब की बिक्री होने से वातावरण प्रभावित हो रहा था और इसका असर गांव के युवाओं और बच्चों पर भी पड़ रहा था। महिलाओं के संगठन द्वारा प्रतिदिन अलग-अलग समूहों में गांव का निरीक्षण किया जा रहा है। इस दौरान जहां भी अवैध शराब की बिक्री या सेवन की जानकारी मिलती है, वहां पहुंचकर शराब को नष्ट किया जा रहा है और लोगों को नशे से दूर रहने की समझाइश दी जा रही है। महिलाओं ने बताया कि अभियान में ग्रामीण थाना पुलिस का भी सहयोग मिल रहा है, जिसके चलते गांव में नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ी है। महिलाओं का कहना है कि अभियान के कारण कई लोग शराब छोड़ने के लिए भी आगे आ रहे हैं। हालांकि नशामुक्ति अभियान चला रही महिलाओं का आरोप है कि कुछ शराब विक्रेताओं और असामाजिक तत्वों द्वारा उन्हें अभद्र टिप्पणियां करने के साथ गाली-गलौज कर अपमानित किया जा रहा है। महिलाओं ने कहा कि गांव को नशामुक्त करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान में उन्हें विरोध और धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में महिलाओं ने पुलिस से संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने और गांव में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है, ताकि अभियान में जुटी महिलाओं को सुरक्षा मिल सके और गांव का माहौल शांतिपूर्ण बना रहे। इसी मांग को लेकर नारी शक्ति नशा मुक्ति संगठन से जुड़ी महिलाओं ने गांव में रैली निकालकर प्रदर्शन किया और ग्रामीणों को नशे से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया। महिलाओं ने स्पष्ट किया कि उनका अभियान किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि गांव में अवैध शराब की बिक्री और नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के खिलाफ है। महिलाओं ने पुलिस और प्रशासन से अभियान में सहयोग करते हुए अवैध शराब की बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई करने तथा नियमित निगरानी सुनिश्चित करने की मांग की है।

ईडीएल में निर्धारित मात्रा से कम औषधियां मिलने पर स्टोर कीपर को कारण बताओ नोटिस जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर कुमार सत्यम द्वारा स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान सीएमएचओ स्टोर बालाघाट में आवश्यक औषधियों की उपलब्धता निर्धारित मानक से कम पाए जाने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया ने स्टोर कीपर विनोद कामड़े को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। स्टोर कीपर विनोद कामड़े को जारी नोटिस में उल्लेख किया गया है कि सीएमएचओ स्टोर में शासन द्वारा निर्धारित EDL (Essential Drug List) Count 448 के विरुद्ध मात्र 378 औषधियां उपलब्ध पाई गई हैं। इस स्थिति को शासन के निर्देशों के अनुरूप नहीं मानते हुए श्वष्ठरु की निरंतर उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। सीएमएचओ डॉ. दाहिया ने स्टोर कीपर को निर्देशित किया है कि नोटिस प्राप्त होने के 07 दिवस के भीतर अपना लिखित स्पष्टीकरण उपलब्ध अभिलेखों एवं साक्ष्यों सहित प्रस्तुत करें। नोटिस में यह भी स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित अवधि में स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं होने अथवा प्रस्तुत स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाए जाने की स्थिति में एकपक्षीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

किरनाई मंदिर में चलाया गया स्वच्छता अभियान

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर के मां किरनाई मंदिर परिसर के आसपास मे स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से सीआरपीएफ 7वीं बटालियन के जवानों ने परिवार सहित स्वच्छता अभियान चलाया । सीआरपीएफ 7वीं वाहिनी बटालियन के कमांडेंट श्री हजारी लाल ने स्वच्छता के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि 17 सितम्बर से लेकर 2 अक्टूबर तक स्वच्छता अभियान कार्यक्रम चलाया जा रहा है। और स्वच्छ वातावरण ,स्वस्थ समाज की पहचान है। उन्होंने

लोगों से स्वच्छता अभियान को केवल एक दिन तक सीमित न रखकर इसे अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की। तथा आसपास गंदगी एवं कचरा जमा रहने पर मच्छर, मक्खी और उनसे फैलने वाले रोगों की जानकारियां साझा की। वही सहायक कमांडेंट दीपक कुमार ने सीआरपीएफ जवानों को देश सेवा के साथ साथ आम जनता की बीच सामंजस्य स्थापित कर किस तरह कार्य किया जाना चाहिए यह समझाया।अभियान के दौरान सीआरपीएफ 7 वी वाहिनी बटालियन के जवानों के साथ स्थानीय नागरिक एवं बच्चे भी स्वच्छता कार्य में सहभागी बनकर अपना योगदान दिया।

अभियान के दौरान जवानों एवं ने अपने परिवार की महिलाओं तथा स्थानीय लोगों के साथ मिलकर 27 सितम्बर को माता किरनाई मंदिर परिसर के आसपास के स्थान की साफ-सफाई की तथा झाड़ू लगाकर कचरा एकत्रित किया। इस दौरान लोगों को स्वच्छता बनाए रखने और कचरा निर्धारित स्थान पर डालने के लिए जागरूक किया गया। अभियान में

कलेक्टर और एसपी ने बिठली स्वास्थ्य केंद्र का किया औचक निरीक्षण

मरीजों से चर्चा कर स्वास्थ्य सुविधाओं की ली जानकारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर कुमार सत्यम एवं पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने 26 सितंबर की रात्रि में जनजातीय बहुल क्षेत्र स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिठली का औचक निरीक्षण किया। देर रात अधिकारियों के अचानक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने पर उन्होंने वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, मरीजों के उपचार तथा अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए भर्ती मरीजों से सीधे चर्चा की और उनसे अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं, उपचार एवं दवाओं की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली। अधिकारियों ने मरीजों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में भी चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मियों से जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर सत्यम ने ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मियों से चर्चा करते हुए निर्देश दिए कि स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले प्रत्येक मरीज के उपचार एवं स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए। मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार आवश्यक दवाएं स्वास्थ्य केंद्र से ही उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उन्हें उपचार के लिए अनावश्यक परेशानी न हो। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं को लगातार सजग एवं मुस्तैद रखने के निर्देश देते हुए कहा कि विशेष रूप से रात्रिकालीन ड्यूटी के दौरान स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से उपलब्ध रहनी चाहिए। ड्यूटी के समय चिकित्सक एवं सभी संबंधित स्टाफ की अस्पताल में उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, ताकि जरूरतमंद मरीजों को तत्काल उपचार मिल सके। उन्होंने बिठली स्वास्थ्य केंद्र के परिसर में स्वच्छता और साफ सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने तथा मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।

मलाजखंड में चलाया गया विशेष स्वच्छता अभियान

पर्यटन स्थलों को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने का लिया संकल्प

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद मलाजखंड द्वारा शनिवार 26 सितंबर को नगर के प्रमुख सार्वजनिक एवं पर्यटन स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य पर्यटन स्थलों को स्वच्छ, सुंदर एवं प्लास्टिक-मुक्त बनाने के साथ स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। अभियान का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान नगर पालिका के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, स्वच्छता मित्रों तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए श्रमदान किया।

स्वच्छता अभियान के दौरान नगर के प्रमुख दर्शनीय स्थलों, पार्कों, मार्गों एवं सार्वजनिक परिसरों में विशेष साफ-सफाई की गई। अभियान में कचरे के उचित प्रबंधन पर भी विशेष जोर दिया गया। एकत्रित कचरे को गीले एवं सूखे कचरे के रूप में अलग-अलग संग्रहित कर उसके त्वरित निस्तारण की व्यवस्था की गई। साथ ही पर्यटन स्थलों को प्लास्टिक-मुक्त रखने के लिए नागरिकों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। स्वच्छ और सुंदर पर्यटन स्थल किसी भी नगर की पहचान एवं सम्मान का प्रतीक होते हैं। 'सेवा संकल्प अभियान 2026' के माध्यम से नगर को स्वच्छ, कचरा-मुक्त एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जा रहे हैं। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर आयोजित इस विशेष स्वच्छता अभियान ने नागरिक सहभागिता के माध्यम से स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। नगर पालिका ने नागरिकों से भी अपील की कि वे पर्यटन एवं सार्वजनिक स्थलों पर कचरा न फैलाएं तथा गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग निर्धारित स्थानों पर ही डालें।

डोंगरिया पंचायत क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री पर रोक की मांग

कलेक्टर और एसपी से शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होने का आरोप
शिक्षण संस्थानों व छात्रावासों के आसपास शराब बिक्री से ग्रामीण चिंतित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत डोंगरिया क्षेत्र में कथित तौर पर हाथ भट्टी की कच्ची शराब के साथ देसी एवं विदेशी शराब की अवैध बिक्री का मामला सामने आया है। ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों का आरोप है कि लंबे समय से क्षेत्र में शराब की बिक्री की शिकायतें सामने आने के बावजूद इस पर प्रभावी रोक नहीं लग पाई है।बताया गया है कि ग्राम पंचायत डोंगरिया के प्रतिनिधियों ने बीते दिनों इस संबंध में कलेक्टर बालाघाट एवं पुलिस अधीक्षक को शिकायत सौंपकर पंचायत क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री पर पूर्ण रूप से रोक लगाने की मांग की थी। हालांकी शिकायत के बाद भी अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि कार्रवाई के अभाव में कथित शराब विक्रेताओं के हौसले बढ़ रहे हैं और इसका प्रतिकूल असर विशेषकर युवा पीढ़ी पर पड़ रहा है।

बरबसपुर में लंबे समय से बिक्री का आरोप

ग्राम पंचायत डोंगरिया के बरबसपुर क्षेत्र में लंबे समय से देसी विदेशी शराब के साथ हाथ भट्टी से तैयार कच्ची शराब की बिक्री किए जाने की शिकायत ग्रामीणों द्वारा की जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र में शराब की उपलब्धता से सामाजिक वातावरण प्रभावित हो रहा है तथा युवाओं में नशे की प्रवृत्ति बढ़ने की आशंका बनी हुई है।

शिक्षण संस्थानों और छात्रावास के समीप बिक्री से चिंता

ग्रामीणों ने इस मामले को इसलिए भी गंभीर बताया है क्योंकि डोंगरिया पंचायत क्षेत्र के आसपास कई शिक्षण संस्थाएं संचालित हो रही हैं और छात्रावास भी स्थित हैं। ऐसे में शिक्षण संस्थानों एवं विद्यार्थियों की आवाजाही वाले क्षेत्र के आसपास शराब की कथित बिक्री को लेकर अभिभावकों और ग्रामीणों में चिंता है।

प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग

ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन से मांग की है कि शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराकर यदि अवैध शराब बिक्री की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही पंचायत क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाई जाए ताकि युवाओं और विद्यार्थियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।ग्रामीणों का कहना है कि केवल शिकायत दर्ज होने से समस्या का समाधान नहीं होगा बल्कि नियमित निगरानी और प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है। अब ग्रामीणों की नजर प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई है।

आवश्यकता है

लड़कों की आवश्यकता है

10वीं पास नो डी फार्मा

नो बी फार्मा

मो. 9340308019

जमीन बेचना है

52 डिसमील

बस स्टैण्ड के पास

भिलाई रोड गायत्री

मंदिर के सामने लांजी

मो. 7611166768

बारबेड वायर (कांटेदार तार)

एवं चेन लिंक जाली

उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग की बदहाली पर बरसी विधायक अनुभा मुंजारे

सड़क की दुर्दशा पर अधिकारियों को लगाई फटकार, 2 अक्टूबर तक सड़क का मरम्मत कार्य नही होने पर 3 अक्टूबर को होगा जन आंदोलन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर के प्रमुख बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग की बदहाली और कंजई से गर्रा तक गड्डों से पटी सड़क एवं खस्ताहाल होने से आवागमन में हो रही परेशानी। वहीं इन जानलेवा गड्डों के कारण रोजाना हो रहे हादसों एवं सड़क की बदहाली को लेकर बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में रविवार को प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया गया था कि सड़क में बने गड्डों का मरम्मत कार्य नही होने पर क्षेत्रीय जनता आंदोलन करेगी। वहीं समाचार प्रकाशित होते ही प्रशासन और जनप्रतिनिधियों में हड़कंप मच गया। वहीं सड़क की बदहाली से आवागमन में हो रही परेशानियों की जनहित के इस गंभीर मुद्दे को बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में प्रमुखता से उठाये जाने के बाद क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने तत्काल संज्ञान लेते हुए रविवार को लालबर्रा विश्राम गृह से लेकर मजार सहित अन्य स्थानों पर पहुंचकर सड़क का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान सड़क की खस्ताहाल स्थिति और जानलेवा गड्डों को देखकर विधायक ने गहरा आक्रोश जताया और मौके से ही फोन पर संबंधित सड़क विभाग के अधिकारियों से सीधे बात फटकार लगाई। साथ ही अधिकारियों को अल्टीमेटम देते हुए 2 अक्टूबर तक सड़क में बने जानलेवा गड्डों का मरम्मत कार्य करवाने की बात कही हैं, नही तो 3 अक्टूबर को जन आंदोलन की चेतावनी दी है। वहीं अधिकारियों ने विधायक को आश्वास्त किया है कि सड़क का मरम्मत कार्य करवा दिया जायेगा। अब देखना है कि विधायक श्रीमती मुंजारे के निरीक्षण के बाद सड़क विभाग के अधिकारी सड़क का मरम्मत कार्य करवाते है या नही। नही होने पर धरना प्रदर्शन एवं जन आंदोलन 3 अक्टूबर को होना तय है बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग की बदहाली सड़क को लेकर।

प्रशासन की उदासीनता के प्रति रोष व्याप्त

आपकों बता दे कि बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग पूरी तरह खराब हो गई है, जगह-जगह बड़े-बड़े गड्डे बन गये है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा उक्त गड्डों का मरम्मत कार्य नही करवाया जा रहा है। जिस कारण से इस मार्ग से आवागमन करने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही आये दिन दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है, जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। रविवार को क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने हाईवे मार्ग सड़क का निरीक्षण क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ की है। इस दौरान राहगीरों और स्थानीय निवासियों ने विधायक श्रीमती मुंजारे को सड़क की बदहाली से हो रही परेशानियों से अवगत करवाये और विधायक ने भी सड़क की दुर्दशा को स्वयं देखी। जिस पर उन्होने स्पष्ट शब्दों में प्रशासन को अल्टीमेटम दिया है। यदि 2 अक्टूबर तक कंजई से गर्रा मार्ग सहित पूरे हाईवे के गड्डों की मरम्मत और सुधार कार्य प्रारंभ नहीं किया गया, तो वे स्वयं 3 अक्टूबर से सड़क पर बैठकर जनहित में उग्र धरना-प्रदर्शन करेंगी।

अधिकारियों की लापरवाही बर्दाश्त नहीं

सड़क निरीक्षण के दौरान विधायक ने कहा कि बालाघाट-सिवनी मार्ग जिले की मुख्य जीवनरेखा है, जो भोपाल, इंदौर, जबलपुर और नागपुर जैसे बड़े शहरों को जोड़ता है। इसके बावजूद लंबे समय से इसकी उपेक्षा की जा रही है, जिससे रोजाना हादसे हो रहे हैं। खबर प्रकाशन के बाद जनता का आक्रोश पूरी तरह जायज है और अब कागजी आश्वासनों का वक्त खत्म हो चुका है। साथ ही सड़क विभाग के अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि तय समय-सीमा के भीतर सड़क को आवागमन योग्य बनाया जाये, अन्यथा आंदोलन का सामना करने के लिए प्रशासन तैयार रहे।

फोरलेन सड़क निर्माण को शुरू होने पर लगेगा समय

वहीं बालाघाट से सिवनी राष्ट्रीय मार्ग का फोरलेन की स्वीकृति मिल चुकी है लेकिन धरातल पर काम शुरू होने को सड़क विभाग के अधिकारियों के अनुसार एक वर्ष लग सकता है। यानि यह समझ कर चले की फोरलेन सड़क का निर्माण कार्य वर्ष 2027 की दीपावली पर्व के बाद प्रारंभ हो सकता है। जिससे एक वर्ष विलंब है, ऐसी स्थिति में यह सड़क पुरी तरह से गड्डों में तब्दील हो जायेगी, इसलिए सड़क निर्माण कार्य शुरू होते तक सड़क का मरम्मत कार्य अति आवश्यक है ताकि आवागमन सुचारू रूप से हो सके। अगर सड़क का मरम्मत कार्य जल्द नही किया गया तो हर समय बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी रहेगी। वहीं विधायक ने अधिकारियों को याद दिलाया कि पूर्व में भी इस जर्जर मार्ग की मरम्मत को लेकर चर्चा हुई थी और आश्वासन दिया गया था कि जल्द कार्य शुरू कराया जायेगा। हालांकि, लंबा समय बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है और सड़कों पर तीन से चार फीट गहरे गड्डे हादसों को न्योता दे रहे हैं। इसलिए प्रशासन अपना कार्य जिम्मेदारी के साथ करे। इस दौरान विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के साथ जिला कांग्रेस कमेटी सचिव भाऊराम गाड़ेश्वर, ब्लाक अध्यक्ष मनीराम भोयर, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, विधायक प्रतिनिधि सुमित स्वामी, शैलेष केकती सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सड़क का मरम्मत कार्य नही होने पर करेगें जन आंदोलन 3 को - अनुभा

विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने बताया कि बालाघाट-सिवनी मार्ग पर विशेषकर लालबर्रा क्षेत्र में हालत बेहद जर्जर और खस्ताहाल है। ऐसी सड़क की दुर्दशा किसी ग्रामीण क्षेत्र की सड़क की भी नहीं होगी, जो हालात इस रा'य मार्ग की है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्डे हो चुके हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। सड़क के खराब होने के कारण भारी वाहनों के साथ-साथ छोटे वाहन चालकों, पैदल यात्रियों और स्कूल, कालेज जाने वाले ब'चों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और हर समय बडी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। श्रीमती मुंजारे ने बताया कि सड़क विभाग और जिला प्रशासन पर उदासीनता के चलते सड़क की यह दुर्दशा हुई है, कई बार शिकायत करने के बाद भी केवल आश्वासन ही मिलते आये है, लेकिन धरातल पर कुछ काम नही किया है। जिला प्रशासन अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़े हुए हैं। 2 अक्टूबर तक गड्डों का मरम्मत और सड़क सुधार कार्य नही किया गया तो 3 अक्टूबर को जनता के साथ मिलकर सड़क पर उतरकर जन आंदोलन करेगें। जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन और सड़क विभाग के अधिकारियों की होगी। आगे बताया कि फोर-लेन सड़क की स्वीकृति मिलना हमारे क्षेत्र के लिए खुशी की बात है, लेकिन उसकी टेंडर प्रक्रिया और निर्माण कार्य शुरू होने में समय लगेगा सड़क विभाग के अधिकारियों के अनुसार। लेकिन तब तक हमारी मांग है कि सड़क की मरम्मत और सुचारू आवागमन की व्यवस्था करना अत्यंत आवश्यक है।

टीईटी, सेवा गणना और ई-अटेंडेंस को लेकर शिक्षकों की भोपाल में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन

बालाघाट से 500 से 600 शिक्षक हुये रवाना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। टीईटी, सेवा गणना और ई-अटेंडेंस सहित अपनी प्रमुख लंबित मांगों को लेकर अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। राजधानी भोपाल के नीलम पार्क में मोर्चे द्वारा अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया गया है। आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से प्रदेश के अलग-अलग संभागों और जिलों के शिक्षकों की भागीदारी के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। मोर्चे का कहना है कि मांगों के निराकरण तक आंदोलन जारी रखा जाएगा। मोर्चा के जिला पदाधिकारी गिरधारी ठाकरे और योगेश बिसेन ने बताया कि शिक्षकों की पात्रता परीक्षा, ई-अटेंडेंस, सेवा गणना सहित कई महत्वपूर्ण समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं। इन मांगों को लेकर संगठन द्वारा पूर्व में भी शासन और विभाग के समक्ष कई बार ज्ञापन एवं अन्य माध्यमों से अपनी बात रखी गई, लेकिन अपेक्षित निराकरण नहीं होने के कारण अब प्रदेश स्तर पर अनिश्चितकालीन आंदोलन का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि आंदोलन के दौरान बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इस बात को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के अलग-अलग संभाग और जिलों से शिक्षकों को अलग-अलग चरणों में भोपाल बुलाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को जबलपुर संभाग के विभिन्न जिलों के शिक्षक अनिश्चितकालीन आंदोलन में शामिल होंगे। इसके लिए 27 सितंबर की रात करीब 8 बजे बालाघाट जिले से शिक्षक संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी और शिक्षक बड़ी संख्या में भोपाल के लिए रवाना हुए। मोर्चा पदाधिकारियों के अनुसार बालाघाट से करीब 500 से 600 शिक्षक इस आंदोलन में भाग लेने के लिए रवाना हुए हैं। शिक्षकों का कहना है कि आंदोलन केवल सांकेतिक प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इस बार मांगों के अंतिम निराकरण को लेकर प्रदेश स्तर पर निर्णायक संघर्ष किया जा रहा है। पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि लंबे समय से अपनी समस्याओं को शासन के सामने रखने के बावजूद समाधान नहीं होने के कारण शिक्षकों में नाराजगी बनी हुई है।

गिरधारी ठाकरे ने कहा कि शिक्षकों की प्रमुख मांगों को लेकर पूर्व में कई बार शासन को ज्ञापन सौंपे गए और अपनी समस्याओं से अवगत कराया गया, लेकिन समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सका। ऐसे में अब प्रदेश स्तर पर अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि इस बार आंदोलन आर-पार की लड़ाई के उद्देश्य से किया जा रहा है और जब तक शिक्षकों की लंबित मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। मोर्चा ने विशेष रूप से शिक्षकों को पात्रता परीक्षा से मुक्त किए जाने, ई-अटेंडेंस से जुड़ी समस्याओं के निराकरण और सेवा गणना सहित अन्य लंबित मांगों पर शासन से तत्काल निर्णय लेने की मांग की है। पदाधिकारियों का कहना है कि शिक्षक लगातार अपनी मांगों को लेकर आवाज उठा रहे हैं, लेकिन अब केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा। मांगों के संबंध में स्पष्ट और ठोस निर्णय होने तक प्रदेश स्तर पर आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी गई है।

रविवार को खुले रहे बैंक, 28 से 30 तक बैंक कर्मचारियों की हड़ताल

पांच दिन वर्किंग डे समेत लंबित मांगों को लेकर आंदोलन, आज एसबीआई के सामने होगा प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सप्ताह में पांच दिन कार्य दिवस लागू करने सहित अन्य लंबित मांगों को लेकर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स के आह्वान पर बैंक अधिकारी-कर्मचारियों ने 28 से 30 सितंबर तक तीन दिवसीय कामबंद हड़ताल का ऐलान किया है। हड़ताल से पहले शनिवार और रविवार को अवकाश होने के कारण बैंकिंग सेवाओं पर लगातार असर पड़ने की संभावना को देखते हुए शासन के निर्देश पर 27 सितंबर रविवार को जिले के बैंक खुले रहे। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बैंकिंग कामकाज संचालित हुआ, हालांकि रविवार होने के कारण अधिकांश बैंकों में ग्राहकों की संख्या अपेक्षाकृत कम रही।

सामान्य दिनों में रविवार को बैंक बंद रहने के कारण बैंकिंग कामकाज के लिए कम ही ग्राहक पहुंचे। बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों ने निर्धारित समय तक काम किया, लेकिन सोमवार से शुरू होने वाली तीन दिवसीय हड़ताल को लेकर बैंककर्मियों में आक्रोश भी दिखाई दिया। कर्मचारियों का कहना है कि ग्राहकों की परेशानी को देखते हुए रविवार को बैंक खोलने का निर्णय लिया जा सकता है, लेकिन कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांगों पर सरकार गंभीरता नहीं दिखा रही है। मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव एल.बी. सुलाखे ने बताया कि यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स के आह्वान पर बैंकिंग क्षेत्र के सात कर्मचारी-अधिकारी संगठनों द्वारा पांच दिन वर्किंग डे लागू करने, बैंकिंग क्षेत्र के निजीकरण पर रोक लगाने सहित अन्य मांगों को लेकर आंदोलन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मांगों को लेकर 11 सितंबर को भी एक दिवसीय हड़ताल की गई थी, लेकिन इसके बाद भी सरकार की ओर से मांगों के समाधान की दिशा में अपेक्षित कदम नहीं उठाए गए। सुलाखे ने कहा कि वर्ष 2015 और 2024 में हुए वेतन समझौतों के दौरान बैंक कर्मचारियों के लिए पांच दिन कार्य दिवस लागू करने को लेकर लिखित आश्वासन दिए गए थे। इसके बावजूद अब तक पांच दिन वर्किंग डे लागू नहीं किया गया है। इसी मुद्दे सहित अन्य मांगों को लेकर बैंककर्मियों में नाराजगी है और मजबूरी में तीन दिवसीय हड़ताल का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि 28 से 30 सितंबर तक जिला सहित प्रदेश के बैंक अधिकारी-कर्मचारी कामबंद हड़ताल पर रहेंगे। इस दौरान बैंकिंग सेवाओं से जुड़े कई काम प्रभावित होने की संभावना है। ग्राहकों को चालान जमा करने, बैंकिंग लेन-देन, ड्राफ्ट बनवाने सहित अन्य बैंकिंग कार्यों के लिए परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि डिजिटल बैंकिंग और एटीएम जैसी सेवाओं की स्थिति संबंधित बैंक और सेवा पर निर्भर करेगी।

27 सितंबर रविवार को बैंक खोले जाने को लेकर एल.बी. सुलाखे ने कहा कि सरकार द्वारा शनिवार और रविवार को बैंकिंग कामकाज संचालित कराया जाना इस बात का संकेत है कि बैंक कर्मचारियों की प्रस्तावित हड़ताल को लेकर सरकार गंभीर है। उन्होंने आरोप लगाया कि हड़ताल से पहले लगातार बैंक खोलकर काम करवाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन इससे कर्मचारियों के आंदोलन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बैंककर्मी अपने हक और अधिकारों की मांग को लेकर हड़ताल कर रहे हैं। रविवार को भी बैंककर्मियों ने सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक काम किया, लेकिन 28 सितंबर से घोषित हड़ताल अपने तय कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेगी। सुलाखे ने बताया कि 28 सितंबर को सुबह 11 बजे स्थानीय स्टेट बैंक के सामने बैंक अधिकारी-कर्मचारी एकत्रित होंगे और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की मांगों का जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। संगठन की ओर से 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी भी दी गई है। ऐसे में तीन दिनों तक बैंक अधिकारी-कर्मचारियों के कामबंद रहने से जिले में बैंकिंग व्यवस्था प्रभावित होना तय माना जा रहा है। अब देखना होगा कि तीन दिवसीय हड़ताल के बाद सरकार और बैंक कर्मचारी संगठनों के बीच मांगों को लेकर कोई समाधान निकलता है या आंदोलन को आगे बढ़ाने की नौबत आती है।

संक्रामक बीमारी प्रभावित बैगा गांवों में हनुमान मंदिर समिति ने पहुंचाई राहत सामग्री

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हनुमान चौक स्थित हनुमान मंदिर समिति बालाघाट द्वारा 27 सितंबर को बिरसा विकासखंड के अज्ञात संक्रामक बीमारी से प्रभावित बैगा बाहुल्य ग्राम गंजेसरा, कुंडेकसा, बोनदारी एवं कोरका में राहत एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान समिति की ओर से ग्रामीणों को आवश्यक सामग्री वितरित कर बीमारी से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया गया।समिति द्वारा प्रभावित परिवारों को कंबल, मच्छरदानी, फिटकरी, मच्छर अगरबत्ती, माचिस, दलिया, टोस्ट तथा बच्चों के लिए बिस्किट वितरित किए गए।

राहत सामग्री मिलने से ग्रामीणों को तत्काल आवश्यक वस्तुओं की मदद मिली।इस अवसर पर ग्रामीणों को संक्रामक बीमारी से बचाव के लिए स्वच्छता एवं व्यक्तिगत साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी गई। विशेष रूप से बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर सावधानी बरतने, बच्चों को नियमित रूप से स्नान कराने तथा उनका विशेष ध्यान रखने की अपील की गई। साथ ही सभी पात्र बच्चों एवं परिवार के सदस्यों का टीकाकरण समय पर एवं अनिवार्य रूप से कराने के लिए भी जागरूक किया गया।समिति के सदस्यों ने ग्रामीणों से बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर लापरवाही न बरतने तथा स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करने की अपील भी की। अभियान का उद्देश्य प्रभावित क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों तक आवश्यक सामग्री पहुंचाने के साथ-साथ स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।इस अवसर पर हनुमान मंदिर समिति के अध्यक्ष निर्मल सोनी, उपाध्यक्ष गणेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष भोजराज शुक्ला, सचिव राजेंद्र प्रसाद बनवाले, सदस्य राजेश शुक्ला, मधु भाई टाक, प्रकाश मोटवानी, प्रयाग जेठवा, मुरली वाधवानी, सूर्यकांत नगपुरे, संतोष गुप्ता, केशव शुक्ला एवं राकेश बंगारे सहित समाजसेवी रूपेंद्र गायकवाड़ उपस्थित रहे। अभियान को उचित दिशा एवं मार्गदर्शन देने में रूपेंद्र गायकवाड़ का विशेष योगदान रहा।

बैहर कॉलेज की घटना के विरोध में आज छात्र आक्रोश यात्रा

अभाविप ने छात्राओं की सुरक्षा और सीसीटीवी लगाने समेत लंबित मांगों को लेकर होंगा प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर कॉलेज में छात्रा के साथ हुई घटना को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कड़ा रुख अपनाते हुए 28 सितंबर को छात्र आक्रोश यात्रा निकालने का निर्णय लिया है। अभाविप पदाधिकारियों का कहना है कि घटना को लेकर निष्पक्ष और कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए तथा कॉलेज में छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल की जानी चाहिए। इसी मांग को लेकर विद्यार्थी परिषद द्वारा कॉलेज परिसर से बैहर बस स्टैंड तक आक्रोश यात्रा निकाली जाएगी। अभाविप पदाधिकारी आदित्य अग्रवाल ने बताया कि बैहर कॉलेज में छात्रा के साथ हुई घटना अत्यंत गंभीर है और इस मामले में विद्यार्थी परिषद चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने कहा कि 28 सितंबर को सुबह 10.30 बजे कॉलेज परिसर से छात्र आक्रोश यात्रा शुरू होगी, जो बैहर बस स्टैंड पहुंचकर समाप्त होगी। इसके बाद एसडीएम बैहर को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले में कार्रवाई की मांग की जाएगी। उन्होंने बताया कि ज्ञापन के माध्यम से छात्राओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी तय करने, कॉलेज के अलग-अलग स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की जाएगी। अभाविप का कहना है कि मामले में अन्य छात्राओं के नाम सामने आने की बात भी कही जा रही है, इसलिए पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जानी चाहिए। आदित्य अग्रवाल ने कहा कि छात्राओं की सुरक्षा से जुड़े विषय को गंभीरता से लिया जाना आवश्यक है। विद्यार्थी परिषद की मांग है कि संबंधित मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जाए और कॉलेज में ऐसा वातावरण बनाया जाए, जहां छात्राएं बिना किसी भय के अपनी पढ़ाई कर सकें। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक संख्या में छात्र आक्रोश यात्रा में शामिल होने का आह्वान किया है।

आस-पास की खबरें

बेहरई के आंगनवाड़ी केन्द्र में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेहरई स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक

1 में शनिवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम समूह संयोजिका ललीता निन्हावे एवं श्रीमती शारदा दिलीप टेम्भरे सरपंच बेहरई की मुख्य अतिथि में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं एवं ग्रामीणजनों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई। चर्चा में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता यशोमती काटेकर ने बताया कि आंगन मिलन सेवा अभियान में सेवा, समर्पण और सामाजिक सरोकार का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी समाज के हर क्षेत्र में लगातार बढ़ रही है। इससे महिला शक्ति को नये अवसर मिल रहें है। आगे बताया कि शनिवार को आंगनवाड़ी केन्द्र में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के योगदान को सम्मान मिला है। साथ ही आंगनवाड़ी केन्द्र ब'चों के विकास, पोषण और संस्कार के महत्वपूर्ण केन्द्र है। इस अवसर पर विभिन्न जानकारियां प्रदान की गई है। इस अवसर पर पूर्व सरपंच दिलीप टेम्भरे, प्रभा भौतेकर, सहायिका गौतमा चौधरी, महिलाएं एवं ब'चे उपस्थित रहे।

बम्हनी के पहाड़ी पर तेंदुए ने बकरी का किया शिकार, ग्रामीणों में दहशत

वन विभाग से मुआवजा देने और बाघ को पकड़ने की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम बम्हनी के आगे मध्यप्रदेश रा'य वन विकास निगम लामता परियोजना परिक्षेत्र लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले पहाड़ी क्षेत्र में तेंदुए की दस्तक से हड़कंप मच गया है। बम्हनी पंचायत भवन के पीछे वैनगंगा नदी पोटियापाट धाम के समीप पहाड़ी क्षेत्र में शनिवार को दोपहर के समय तेंदुए ने पहाड़ी क्षेत्र में चर रही एक बकरी को अपना शिकार बना लिया। बताया जा रहा है कि इसके पूर्व में भी मवेशियों पर वह हमला किया था और जून माह में एक बकरे का शिकार किया था, साथ ही अन्य मवेशियों का भी शिकार कर चुका है। शनिवार को तेंदुए के हमले में बकरी की मौत होने से पशुपालक शोभाराम मर्सकोले को करीब 10 हजार रूपये का नुकसान हुआ है। ग्रामीणजनों ने वन विभाग से गश्त कर वन्यप्राणी तेंदुए को पकड़कर घने जंगल में सुरक्षित छोड़ने की मांग की है।

कृषि कार्य प्रभावित, अकेले जाने से डर रहे लोग

बम्हनी के पंचायत भवन के पीछे स्थित पहाड़ी वाले एरिया वैनगंगा नदी के किनारे जंगल से लगा हुआ है। वहीं बम्हनी, डोरली, आवासटोला के ग्रामीणजनों सहित आस-पास के अन्य ग्रामों में पिछले कुछ दिनों से लगातार तेंदुआ देखा जा रहा है। वह लगातार मवेशियों को अपना निशाना बना रहा है, जिससे ग्रामीणों में यह डर बन गया है कि तेंदुआ किसी इंसान पर भी हमला कर सकता है। तेंदुआ दिखाई देने के बाद से ग्रामीणों ने अकेले खेत और नदी की ओर जाना बंद कर दिये है, जिससे वे अपने खेतों की ओर जाने से डर रहे है। ग्रामीणजनों ने पीड़ित मवेशी मालिक शोभाराम मर्सकोले को उचित मुआवजा दिलवाने, रात्रि गश्त करने, आतंक का पर्याय बने तेंदुए को जल्द से जल्द पिंजरा लगाकर पकड़कर सुरक्षित घने जंगल में छोड़ने की मांग वन विभाग से की है।

तेंदुए को पकड़कर सुरक्षित जंगल में छोड़े वन विभाग - ढबाले

दूरभाष पर चर्चा में बम्हनी सरपंच बीआर ढबाले ने बताया कि बम्हनी पंचायत भवन के पीछे पहाड़ी वाले क्षेत्र जो जंगल से लगा हुआ है और गत दिवस से तेंदुआ उस क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। शनिवार को दोपहर के समय एक बकरी का शिकार कर दिया है। इस घटना के बाद से ग्रामीणजन दहशत में है, जिसकी जानकारी वन विभाग को दे दी गई है। श्री ढबाले ने बताया कि बम्हनी, आवासटोला, डोरली सहित जंगल से लगे ग्रामों में तेंदुआ दिखाई दे रहा है जिससे ग्रामीणजन परेशान है और वहां मवेशियों का शिकार कर रहा है, किसी भी समय इंसानों पर भी हमला कर सकता हैं। वर्तमान में खेतों में धान की फसल लगी हुई है और ग्रामीणजन अपने मवेशियों को चराने के लिए जंगल की ओर लेकर जाते है। अब लोग अकेले जाने से डर रहे है, वन विभाग से मांग है कि गश्त कर वन्यप्राणी तेंदुए को पकड़कर सुरक्षित घने जंगल में छोड़े एवं पशुपालक को मुआवजा दिलवाये।

गायत्री परिजनों की कार्यशाला और विचार गोष्ठी,बैठक हुई

बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर की गई चर्चा, भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 3 अक्टूबर को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर स्थित गायत्री प्रज्ञापीठ मंदिर में रविवार को गायत्री परिजनों की कार्यशाला एवं विचार गोष्ठी बैठक संपन्न। यह बैठक गायत्री प्रज्ञापीठ के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा छात्रों और युवाओं को सद्विचारों की प्रेरणा एवं राष्ट्र गौरव के भावों को जाग्रत करने के उद्देश्य से आगामी 3 अक्टूबर को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा आयोजित करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही यह परीक्षा लालबर्रा विकासखण्ड के आधा सैकड़ा से अधिक परीक्षा केन्द्र में संपन्न होगी और इस परीक्षा में कक्षा 5 वीं से महाविद्यालय स्तर के छात्र-छात्राएं शामिल होगे। जिसके प्रचार-प्रसार करने सहित अन्य बिन्दुओं पर जोर दिया गया ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हो सके। चर्चा में गायत्री परिवार के तहसील

समन्वयक वीरेन्द्र बिसेन ने बताया कि रविवार को मानपुर स्थित गायत्री प्रज्ञापीठ मंदिर में एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई। बैठक में आगामी 3 अक्टूबर को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा आयोजित होना है, जिसकी तैयारी के संबंध में चर्चा की गई है। साथ ही यह भी बताया कि छात्रों में मानवीय गरिमा का बोध, सकारात्मक दृष्टिकोण, परिष्कृत अभिरूचियों, कर्तव्य निष्ठा का जागरण, प्रखर विचार, तनाव-अवसाद से मुक्ति, दुर्व्यसनों से छुटकारा, राष्ट्र गौरव का सम्मान, व्यक्तित्व का निर्माण, उत्कृष्ट भाव संवेदनाएं, नैतिकता का अभिवर्ध्दन, सुसंस्कारिता का जागरण, अभिवर्ध्दन की दिशा में प्रेरित करने एवं उनमें भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रीय गौरव को बढ़ाने हेतु यह परीक्षा एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इस अवसर पर ढालसिंह बिसेन, हेमंत पारधी, जेके नीलवंशी, डॉ. ठानुराम ठाकरे, अरूण शुक्ला, अरूण गोयल सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

महाविद्यालय ने गोद ग्राम मानपुर में ''ऑगन मिलन सेवा'' कार्यक्रम का किया आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय के द्वारा सेवा संकल्प अभियान एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में शनिवार को ''ऑगन मिलन सेवा'' कार्यक्रम का आयोजन गोद ग्राम मानपुर की ऑगनबाड़ी केंद्र में संपन्न हुआ। ''ऑगन मिलन सेवा'' कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँसरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने सेवा संकल्प अभियान को देशव्यापी जनसेवा और जागरूकता एवं जनसहभागिता का अभियान बताते हुए कहा कि ''ऑगन मिलन सेवा'' कार्यक्रम सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित एक विशेष कार्यक्रम है। जो ऑगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से शिशु पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए चलाया जा रहा है। गोद ग्राम मानपुर की ऑगनबाड़ी क्रमांक 1 और ऑगनबाड़ी क्रमांक 3 को संयुक्त रूप से पोषण युक्त स्वल्पाहार एवं लेखन सामग्री का वितरण किया गया जिससे ऑगनबाड़ी केंद्र में उपस्थित नन्हें ब'चों में उत्साह देखा गया। वहीं सेवा संकल्प अभियान के संयोजक नरेश सौलखे ने संतुलित आहार और पोषण संबंधी जानकारी प्रदान की। श्रीमती सुखमारी सानेकर ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता ने बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास के संर्वधन की प्रक्रिया को सरल रूप में बतलाया। श्रीमती लता यादव ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता केंद्र क्रमांक 3 ने अपने व्याख्यान में प्रधानमंत्री पोषण योजना व ब'चों के विकास के लिए प्रोटीन विटामिन और खनिज तत्वों के महत्व के बारे जानकारी प्रदान की। ''ऑगन मिलन सेवा'' कार्यक्रम का मंच संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. कामाक्षा बिसेन द्वारा किया गया। ''ऑगन मिलन सेवा'' कार्यक्रम में यादोराव राजुरकर, प्रशिक हुमनेकर, निशांत तलवरे, श्रीमती ज्ञानबती नागेश्वर ऑगनबाड़ी सहायिका, श्रीमती गंगा डोंगरे ऑगनबाड़ी सहायिका, आसिया अली, अनिता सोनवाने, संध्या रजक, सीमा चन्द्रबेल और गणेश कारे एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

राष्ट्रव्यापी बैंक महाहड़ताल 28-30 सितंबर 2026-क्या थमेगी देश की वित्तीय धड़कन ?

गोंदिया । वैश्विक स्तरपर भारत का मामला गूंज उठा है कि बैंकिंग क्षेत्र 28 से 30 सितंबर 2026 के बीच एक बड़े औद्योगिक टकराव की दहलीज पर खड़ा है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है और मांगों का समाधान नहीं होने पर 26 अक्टूबर 2026 से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी भी दी है।यूएफबीयू सात बैंक यूनियनों का साझा मंच है औरउसके अनुसार लगभग आठ लाख कर्मचारी-अधिकारी तथा बैंकिंग कार्यबल का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा उसके दायरे में आता है।यह आंदोलन इसलिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि 30 सितंबर बैंकों की छमाही लेखा- बंदी का दिन है। ऐसे समय में लगातार तीन कार्यदिवस शाखा-स्तरीय गतिविधियों में व्यवधान का असर केवल बैंक कर्मचारियों और ग्राहकों तक सीमित न रहकर व्यापार, चेक निपटान, नकदी प्रबंधन,ऋण संबंधी प्रक्रियाओं और व्यापक वित्तीय गतिविधियों तक पहुंच सकता है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मीडिया में आई खबरों के अनुसार बताना चाहूंगा कि,हड़ताल के केंद्र में सबसे बड़ी मांग पांच-दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की है। वर्तमान व्यवस्था में बैंक दूसरे और चौथे शनिवार को बंद रहते हैं, जबकि पहले, तीसरे और जहां लागू हो पांचवें शनिवार को शाखाएं खुलती हैं।यूनियनें सभी शनिवारों को अवकाश घोषित करने की मांग कर रही हैं।उनका तर्क है कि सोमवार से शुक्रवार तक दैनिक कार्य-अवधि बढ़ाकर इसकी भरपाई की जा सकती है,जिससे ग्राहकों के लिए कुल बैंकिंग समय में उल्लेखनीय कमी आवश्यक नहीं होगी। मार्च 2024 के वेतन संशोधन समझौते के दौरान भारतीय बैंक संघ और यूनियनों के बीच पांच-दिवसीय बैंकिंग पर सहमति बनी और प्रस्ताव सरकारी स्वीकृति के लिए भेजा गया था; लेकिन अंतिम सरकारी मंजूरी और आवश्यक अधिसूचना अभी लंबित है। यही वह बिंदु है जहां दोनों पक्षों की व्याख्या अलग हो जाती है,यूनियनें इसे सहमत मांग के क्रियान्वयन में दो वर्ष से अधिक की देरी मानती हैं,जबकि सरकार का कहना है कि प्रस्ताव विचाराधीन है और अंतिम निर्णय के लिए विभिन्न हितधारकों के पहलुओं को देखना आवश्यक है। साथियों, विवाद का दूसरा बड़ा मुद्दा प्रदर्शन- आधारित प्रोत्साहन योजना यानी पीएलआई रहा है।वर्ष 2020 के वेतन समझौते से जुड़ी प्रोत्साहन व्यवस्था के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के लिए संशोधित योजना को लेकर अधिकारी संगठनों ने आपत्ति जताई। विवाद बढ़ने के बाद सरकार ने पीएलआई योजना को फिलहाल स्थगित रखने का निर्णय लिया है। वित्त मंत्रालय ने 21 सितंबर को स्पष्ट किया कि यूनियनों की दो प्रमुख मांगों पांच- दिवसीय बैंकिंग और पीएलआई वापस लेने,में से पीएलआई को स्थगित करके एक प्रमुख मुद्दे कासमाधान किया जा चुका है;अब मुख्य विवाद पांच- दिवसीय कार्य सप्ताह पर केंद्रित है। सरकार ने यूनियनों से आंदोलन स्थगित कर बातचीत जारी रखने की अपील भी की है। पेंशन संशोधन, समान पेंशन व्यवस्था तथा कर्मचारियों की कुछ अन्य सेवा-शर्तें भी व्यापक श्रमिक असंतोष का हिस्सा रही हैं। साथियों,इस आंदोलन के पीछे कार्यबल और बढ़ते काम के बोझ का प्रश्न भी गंभीर है।सरकारी आँकड़ों के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में कर्मचारियों की संख्या 2020- 21 में लगभग 7.90 लाख थी,जो 2024- 25 में घटकर करीब 7.58 लाख रह गई, अर्थात लगभग 32 हजार अथवा करीब 4 प्रतिशत की कमी।जून 2025 तक इन बैंकों में 32,567 पद रिक्त थे,जिनमें 17,500 अधिकारी 12,861 लिपिक और 2,206 अधीनस्थ कर्मचारी पद शामिल थे।हालांकि सरकार का पक्ष है कि आवश्यक कार्यबल का लगभग 96 प्रतिशत उपलब्ध था, पिछले पांच वर्षों में 1,48,687 कर्मचारियों की भर्ती की गई और 2025-26 के लिए 48,570 कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया भी शुरू की गई थी। इसलिए कर्मचारियों की कमी के प्रश्न पर भी दो दृष्टिकोण हैं,यूनियनें बढ़ते कारोबार और लक्ष्य के मुकाबले अपर्याप्त मानव संसाधन का मुद्दा उठाती हैं,जबकि सरकार उपलब्ध कार्यबल और जारी भर्तियों की ओर संकेत करती है। साथियों,बैंक कर्मचारियों के मानसिक दबाव का मुद्दा फरवरी 2026 में राज्यसभा तक पहुंचा था। केरल से सीपीआई (एम) सांसद ने सदन में दावा किया कि पिछले एक दशक में काम के दबाव,उत्पीड़न और अत्यधिक लक्ष्यों जैसी परिस्थितियों से जुड़े मामलों में करीब 500 बैंक कर्मचारियों ने आत्महत्या की।उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में हजारों रिक्त पदों और कर्मचारियों पर बढ़ते दबाव का भी उल्लेख किया तथा गुजरात, तमिलनाडु और केरल के कुछ मामलों का उदाहरण दिया।यहां सावधानी आवश्यक है,करीब 500 आत्महत्याओं की संख्या को आरबीआई अथवा सरकार द्वारा जारी प्रमाणित राष्ट्रीय आधिकारिक आँकड़े के रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा; यह संसद में सांसद द्वारा उठाया गया दावा है,जिसकी पृष्ठभूमि में बैंक कर्मचारियों की कार्यस्थितियों पर पहले प्रकाशित रिपोर्टें भी रही हैं। साथियों,तीन दिवसीय हड़ताल का सर्वाधिक प्रत्यक्ष प्रभाव सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की शाखाओं में दिखाई देने की संभावना है।नकद जमा-निकासी,चेक समाशोधन खाते से संबंधित दस्तावेजी कार्य,ऋण प्रक्रियाएं और शाखा-आधारित सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।30 सितंबर छमाही समापन का दिन होने के कारण लेखा-मिलान,प्रावधान तथा कोष और बाजार संबंधी गतिविधियों पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। हालांकि इसका अर्थ पूरे भारतीय बैंकिंग तंत्र का ठप हो जाना नहीं है। यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और एटीएम जैसी डिजिटल सेवाओं के सामान्य रूप से उपलब्ध रहने की अपेक्षा है।निजी बैंकों पर प्रभाव अपेक्षाकृत सीमित रहने की संभावना है, हालांकि जिन निजी बैंकों में संबंधित यूनियनों के सदस्य हैं वहां कुछ स्थानीय व्यवधान संभव है। सहकारी बैंकों पर प्रभाव भी उनकी यूनियन-संबद्धता और स्थानीय भागीदारी पर निर्भर करेगा;अत: सभी निजी और सहकारी बैंक स्वत: तीन दिन बंद रहेंगे, ऐसा कहना सही नहीं होगा। साथियों सरकार ने संभावित परेशानी कम करने के लिए एक असाधारण कदम उठाते हुए रविवार 27 सितंबर 2026 को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को सामान्य रूप से खोलने का निर्णय लिया रविवार को बैंक के खुली रही। रिजर्व बैंक ने शाखाओं, कार्यालयों, एटीएम से संबद्ध शाखाओं और मुद्रा-कोषों को पूर्ण संचालन की अनुमति दी थीं।सरकार का तर्क था कि 26 सितंबर के सप्ताहांत अवकाश और 28-30 सितंबर की प्रस्तावित हड़ताल के बीच रविवार भी बंद रहने पर जनता को लंबी अवधि तक शाखा सेवाओं में व्यवधान झेलना पड़ सकता था। लेकिन इस निर्णय का कर्मचारी संगठनों के एक हिस्से ने विरोध किया था।

रेलवे स्टेशन के पास मृत मिली युवती की मौत का आरोपी नरेंद्र बारेकर गिरफ्तार, अदालत ने भेजा जेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक २ के समीप बीती १० सितंबर को एक २७ वर्षीय युवती का शव मिलने की गुत्थी को वारासिवनी पुलिस ने सुलझा लिया है। तकनीकी साक्ष्यों, कॉल डिटेल और घटना स्थल से मिले अहम सुरागों के आधार पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने आरोपी नरेंद्र बारेकर पिता धनेंद्र बारेकर निवासी ग्राम भेंडारा थाना रामपायली को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहां से अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

प्लेटफॉर्म नंबर २ के पास झाड़ियों में मिला था शव

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना की शुरुआत १० सितंबर को हुई जब वारासिवनी रेलवे स्टेशन पर तैनात असिस्टेंट ट्रैफि क कर्मचारी ने पुलिस को सूचना दी कि प्लेटफॉर्म नंबर २ के पास झाड़ियों के बीच एक युवती का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही वारासिवनी पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा और जांच शुरू की। शुरुआती तौर पर मृतिका की उम्र लगभग १७ से १८ वर्ष आंकी गई थी। हालांकि गहन जांच के बाद मृतिका की पहचान काजल बिसेन पिता खुपचंद बिसेन उम्र २७ वर्ष निवासी ग्राम डोके थाना रामपायली के रूप में हुई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया और तत्पश्चात परिजनों को सौंप दिया।

सुसाइड नोट और कॉल डिटेल से खुला राज

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया परिजनों के बयान दर्ज किए और साक्ष्य जुटाए। जांच के दौरान पुलिस को मृतिका के पास से एक नोट दस्तावेज बरामद हुआ जिसमें आरोपी नरेंद्र के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए थे। इसके साथ ही पुलिस ने मृतिका और आरोपी के मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल का परीक्षण किया । जिससे दोनों के बीच पूर्व परिचय और लगातार बातचीत होने की पुष्टि हुई।

गंभीर धाराओं में मामला हुआ दर्ज

तकनीकी साक्ष्यों सुसाइड नोट और मोबाइल रिकॉर्ड की गहन जांच के बाद वारासिवनी पुलिस ने आरोपी नरेंद्र बारेकर के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा ६९ एवं १०८ के तहत अपराध पंजीकृत किया। मामला दर्ज होते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को उसके निवास स्थान से गिरफ्तार कर लिया। न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए जाने पर विद्वान न्यायाधीश ने आरोपी को जेल भेज दिया।

लड़की शादी करना चाहती थी लड़का टालमटोल कर रहा था लड़की ने आत्महत्या की-अनूप कुमार उइके

थाना प्रभारी अनूप कुमार उइके ने बताया कि १० सितंबर को रेलवे स्टेशन में शव मिला था। उसकी पहचान काजल बिसेन के रूप में हुई थी जिसमें मर्ग जांच की जा रही थी। इसमें परिजनों के बयान शव के पास जो बैग मिला था उसमें एक सुसाइड नोट मिला था। उसमें उल्लेख था कि नरेंद्र बारेकर भेंडारा निवासी से उसका प्रेम प्रसंग था शादी करना चाहती थी वह टालमटोल कर रहा था इस बात को लेकर आत्महत्या लड़की ने की है। जांच के आधार पर अपराध दर्ज कर गिरफ्तार कर न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया है। लड़का हैदराबाद में काम करता था फोन पर उनकी चर्चा होती थी वह अभी आया था तो मना कर दिया था।

आंगनवाडी में मनाया गया आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी। संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग म.प्र.शासन भोपाल के आदेश के परिपालन में जिला कलेक्टर कुमार सत्यम् एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग देवेन्द्र सुंदरीयाल के निर्देशन में खैरलांजी परियोजना अधिकारी लकेश उके एवं सेक्टर पर्यवेक्षक प्रीति पटले के मार्गदर्शन में खैरलांजी आगनवांडी केन्द्र क्रमांक १४८ में सेवा संकल्प अभियान २०२६ के तहत आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ग्राम सरपंच श्रीमती ज्योति भगत सिंह नगपुरे एवं जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुनिता मानसिंह बहेटवार उपस्थित रहे । कार्यक्रम के प्रांरभ में माता सरस्वती की छायाप्रति पर माल्यार्पण एवं पुजा अर्चना के साथ हुई। तथा अभियान के तहत आंगनवाडी केन्द्र स्तर पर वृक्षारोपन करते हुये मुनगा और सुरजना के पौधे रोपित किये गये । इसके पश्चात् सेक्टर सुपरवाइजर प्रीति पटले के द्वारा आंगन मिलन सेवा के संबंध में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुये स्वच्छता अभियान व स्वच्छता जागरूकता ३ से ६ वर्ष के बच्चों की गतिविधियां, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के संदेश पत्र का वाचन,६ माह से ६ वर्ष के बच्चों की माताएं गर्भवती, धात्री माताये एवं महिला लाभार्थियों से संवाद कर मातृ स्वास्थ्य व पोषण आहार तथा गर्भावस्था एवं प्रसवोत्तर अवधि में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराये जाने के लिये प्रेरणास्पद जानकरी प्रदान की गई । कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित खैरलांजी सरपंच, श्रीमती ज्योति भगत सिंह नगपुरे, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुनीता मानसिंह बहेटवार ने भी मातृ सुरक्षा तथा शिशुओं के स्वास्थ्य के प्रति अपने विचार साझा किये। इस अवसर पर आंगनवाडी कार्यकर्ता बुध्दमा शेन्डे,सहायिका अनिता डोंगरे एवं बच्चों सहित गर्भवती, धात्री लाभार्थी महिलायें उपस्थित रही।

गणेश विसर्जन के दौरान हुआ विवाद, मुरझडवासी पहुंचे थाने

पुलिस ने किया मारपीट और जान से मारने की धमकी का मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र के ग्राम मुरझड़ में गणेश विसर्जन के दौरान हुए विवाद के मामले में पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के अनुसार प्रकरण में विशाल नंदागोली, कपिल नंदागोली , अमन पटले सभी निवासी मुरझड़ के नाम सामने आए हैं। उक्त मामले को लेकर रविवार की सुबह बड़ी संख्या में ग्रामीण जन पुलिस थाने पहुंचे जहां उन्होंने थाना प्रभारी से मामले में कठोर कार्यवाही की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह अचानक ९ बजे ग्राम मुरझड़ के ग्रामीण बड़ी संख्या में पुलिस थाना पहुंचे । जहां उनके द्वारा थाना प्रभारी से मुलाकात कर रात्रि में की गई है फिर ग्राम के विवाद के बारे में चर्चा कर कठोर कार्यवाही करने की मांग की गई। पुलिस को शिकायतकर्ता मनोज बिसेन ने बताया कि वह २६ सितंबर की रात करीब ९.३० बजे अपनी गाड़ी से गांव के लोगों के साथ गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए टोडियानाला गया था। रास्ते में विशाल नंदागोली के द्वारा उसे कथित तौर पर गाली गलौज की गई । गाली देने से मना करने पर हाथ मुक्कों से मारपीट कर उसे घर से बाहर नहीं निकलने और जान से खत्म करने की धमकी दी गई। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया इसके बाद आरोपी पक्ष के लोग वहां से चले गए कुछ समय बाद वह सचिन रहाँगडाले के घर के आंगन में विशाल नंदागोली, कपिल नंदागोली और अमन पटले के पहुंचने तथा गाली गलौज एवं जान से मारने की धमकी देने लगे ,कपिल के पास तलवार तथा विशाल व अमन के पास लकड़ी के डंडे थे। मामले में वारासिवनी पुलिस ने एफ आईआर क्रमांक ०४८०/२०२६ भारतीय न्याय संहिता की धारा २९६ बी,११५,२,३५१,३ एवं ३,५ के तहत प्रकरण दर्ज कर पुलिस ने प्रकरण को विवेचना में लिया है। पूर्व सरपंच मुकेश पारधी ने बताया की गणेश विसर्जन के समय ग्राम के तीन से चार लड़के जो ग्राम में मारपीट करना चमकाना जैसे काम करते रहते हैं उनके संबंध में हम शिकायत करने ग्रामीण लोग आए हैं। रात में विवाद को लेकर रिपोर्ट तो दर्ज हो गई पर पूरे ग्राम वासियों ने आज सुबह बैठक की और यहां थाने में आए हुए हैं। क्योंकि जो आगे वाले युवक है उनके द्वारा गांव वालों को और समाज को गाली दी गई है जिन पर कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए। इस संबंध में हमने थाना प्रभारी से मुलाकात की तो उन्होंने कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है।

सार्वजनिक पंडाल से विसर्जन के लिए नहर पहुंचे बप्पा

विघ्नहर्ता को दी विदाई, ढोल बाजे और डीजे की धुन पर निकली शोभायात्रा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर सहित ग्रामीण अंचल में दस दिवसीय गणेशोत्सव पर्व का समापन भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ हुआ। प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश की विदाई के लिए दूसरे एवं तीसरे दिन भी नगर में विसर्जन का सिलसिला जारी रहा। सार्वजनिक गणेश उत्सव समितियों में स्थापित की गई गणेश प्रतिमाओं को श्रद्धालु गाजे बाजे के साथ विसर्जन स्थलों तक लेकर पहुंचे। इस दौरान पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में नजर आया। गत १४ सितंबर से प्रारंभ हुए दस दिवसीय गणेशोत्सव के दौरान नगर एवं क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर भगवान श्री गणेश की प्रतिमाएं स्थापित कर विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। दस दिनों तक प्रतिदिन सुबह.शाम आरती,पूजन एवं धार्मिक आयोजनों का दौर चलता रहा। गणेशोत्सव के अंतिम चरण में २३ से २५ सितंबर तक अनेक सार्वजनिक समितियों के द्वारा हवन पूजन के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसके बाद समितियों के द्वारा भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। विसर्जन के लिए निकाली गई शोभायात्राओं में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। ढोल, नगाड़े, बैंड एवं डीजे की धुन पर युवक.युवतियां सहित श्रद्धालु उत्साह के साथ झूमते नजर आए। शोभायात्रा के दौरान जगह जगह श्रद्धालुओं ने भगवान श्री गणेश की पूजा अर्चना की। वहीं पूरे मार्ग में गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष गूंजते रहे। श्रद्धालु भगवान श्री गणेश की प्रतिमा को लेकर नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए विसर्जन स्थलों तक पहुंचे। इस दौरान कई स्थानों पर भक्तों ने पुष्पवर्षा कर बप्पा को विदाई दी। भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु बड़ी नहर पर पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने प्रतिमाओं की विधि विधान से पूजा अर्चना की और भगवान श्री गणेश से सुख समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना की। इसके बाद श्रद्धालुओं ने भावपूर्ण वातावरण में बप्पा को जल में विसर्जित किया। विसर्जन का यह क्रम देर रात तक चलता रहा।

जवाहर नवोदय विद्यालय में फिलाटेली परीक्षा हुई

१८६ विद्यार्थियों ने लिया भाग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में दीनदयाल स्पर्श योजना सत्र २०२६-२७ के अंतर्गत फिलाटेली डाक टिकट संग्रह परीक्षा सफलता पूर्वक आयोजित की गई। यह परीक्षा भारतीय डाक विभाग के द्वारा आयोजित की जाती है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में डाक टिकटों के प्रति रुचि, ज्ञान एवं रचनात्मकता को बढ़ावा देना है। परीक्षा का संचालन एसडीआई बालाघाट जितेंद्र टेंभरे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सहायक पर्यवेक्षक दुरेंद्र बनोटे , के के बिसेन मलाजखंड ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। परीक्षा की सुव्यवस्थित व्यवस्था हेतु लगभग २२ कक्ष निरीक्षक सहित अन्य स्टाफ की सक्रिय सहभागिता रही। फि लाटेली परीक्षा में कुल १९० विद्यार्थियों ने आवेदन किया था, जिनमें से १८६ विद्यार्थी उपस्थित रहे तथा ४ विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को डाक टिकटों के इतिहास, महत्व एवं संग्रहण की कला से परिचित कराना है। साथ ही चयनित अभ्यर्थियों को छात्रवृत्ति के रूप में प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है। विद्यालय के फिलाटेली प्रभारी मोहम्मद अयाज अंसारी ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। कार्यक्रम के अंत में एसडीआई जितेंद्र टेंभरे ने परीक्षा के सफल आयोजन हेतु विद्यालय के प्राचार्य संदीप जैन, उप प्राचार्य रणवीर सिंह, बी सिंह, अशोक चौबे सीनियर फिलाटेली समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त किया। इस सफ ल आयोजन से विद्यार्थियों में फि लाटेली के प्रति उत्साह एवं जागरूकता का सकारात्मक वातावरण देखने को मिला।

संभाग स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में महाविद्यालय के चार खिलाड़ियों का हुआ चयन

जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर मिली जगह, २८ सितंबर से परासिया में होगा संभाग स्तरीय आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय एसएसपी महाविद्यालय के तीन छात्र एवं एक छात्रा का चयन संभाग स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिये हुआ है। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा जारी खेल कैलेंडर २०२६-२७ के अनुसार संभाग स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय महाविद्यालय परासिया छिंदवाड़ा में २८ सितंबर २०२६ से किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों के चयन से महाविद्यालय में हर्ष का माहौल है। छात्र वर्ग में पराग पांचे एमएससी द्वितीय वर्ष, प्रतीक डहाटे बीएससी द्वितीय वर्ष तथा अनिकेत बावने बीए तृतीय वर्ष का चयन हुआ है। वहीं महिला वर्ग में रिशिका टेटे बीएससी प्रथम वर्ष ने अपनी जगह बनाई है। जानकारी के अनुसार इन सभी खिलाडियों का चयन वारासिवनी में आयोजित जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शासकीय एसएसपी महाविद्यालय वारासिवनी की पुरुष टीम ने विजेता का स्थान प्राप्त किया था। इसी शानदार प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों का संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया है। वहीं प्रतीक डहाटे और रिशिका टेटे वारासिवनी इंडोर स्टेडियम में संचालित बैडमिंटन अकादमी में नियमित रूप से अभ्यासरत हैं। दोनों खिलाड़ी लगातार अभ्यास करते हुए बैडमिंटन के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को निखार रहे हैं और वारासिवनी में बैडमिंटन के उज्ज्वल भविष्य के रूप में देखे जा रहे हैं। महाविद्यालय के चार खिलाडियों के संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन पर प्राचार्य एस एस गेड़ाम, क्रीड़ा अधिकारी विकास साहू, क्रीड़ा समिति के समस्त सदस्य, प्राध्यापक , सहायक प्राध्यापक महाविद्यालय स्टॉफ ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की हैं।

भगत सिंह-शहादत की मिट्टी से महकता रहेगा वतन

भारत को ब्रिटिश शासन की बे?ियों से मुक्त कराने के लिए स्वतंत्रता संग्राम में अनेक क्रांतिकारियों ने अपना जीवन बलिदान कर दिया था। भारत के ऐसे ही सबसे महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक हैं शहीद-ए-आजम भगत सिंह, जो केवल 23 वर्ष की अल्पायु में ही भारत को आजाद कराने के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए थे। भगत सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे महान क्रांतिकारी थे, जिन्होंने अपने अदम्य साहस और विचारधारा से देश की आजादी के आंदोलन को नई दिशा दी। उन्होंने न केवल अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया बल्कि लोगों में स्वतंत्रता और समानता का संदेश भी फैलाया। बहुत कम उम्र में देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले भगत सिंह युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गए। उनके बलिदान और साहस ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरित किया। उन्होंने एक ओर जहां अपनी देशभक्ति से विदेशी हुकूमत को घुटनों पर लाने का काम किया, वहीं दूसरी ओर अपने क्रांतिकारी विचारों से स्वतंत्रता संघर्ष में अलग-अलग बंटे भारत को एक करने का महत्वपूर्ण कार्य भी किया। उनके प्रेरणादायी विचारों से पूरे भारत में स्वाधीनता की लहर और तेज हो गई थी। 28 सितंबर को शहीद भगत सिंह की 119वीं जयंती मनाई जा रही है। 28 सितंबर 1907 को पंजाब के लायपुर जिले में जन्मे भगत सिंह ने महज 11 वर्ष की आयु में ही स्वतंत्रता संग्राम में कूदने का निश्चय कर लिया था। दरअसल 13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग में सभा के दौरान जो नरसंहार हुआ था, उसका भगत सिंह के दिलोदिमाग पर इतना गहरा असर प ?ा था कि उन्होंने तभी ठान लिया था कि वे अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आजादी की ल ?ाई ल ?ेंगे। उसके बाद उन्होंने अपनी प ?ाई छो ? दी और 'नौजवान भारत सभा' की स्थापना की और देश को आजादी दिलाने के लिए अंग्रेजों के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल दिया। फांसी के फंदे पर च ?ने से पहले भगत सिंह ने नारा लगाया था 'इंकलाब जिंदाबाद', जो आज भी भारत में स्वतंत्रता और न्याय के लिए संघर्ष का प्रतीक है। इस नारे ने उनकी शहादत के बाद लोगों में क्रांतिकारी भावनाओं को जगाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई। अपने अंतिम क्षणों में भगत सिंह ने अपने साथियों को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह अपने देश के लिए मरने के लिए तैयार हैं और उन्हें कोई पछतावा नहीं है। वह प्राय: एक शेर गुनगुनाया करते थे। भगत सिंह जब पांच साल के थे, तब एक दिन अपने पिता के साथ खेत में गए और वहां कुछ तिनके चुनकर जमीन में गाढ़ने लगे। पिता ने उनसे पूछा कि यह क्या कर रहे हो तो मासूमियत से भगत सिंह ने जवाब दिया कि मैं खेत में बंदूकें बो रहा हूं। जब ये उगकर बहुत सारी बंदूकें बन जाएंगी, तब इनका उपयोग अंग्रेजों के खिलाफ करेंगे। भगत सिंह ने स्वतंत्रता सेनानी चन्द्रशेखर आजाद से अपनी पहली मुलाकात के समय ही जलती मोमबती की लौ पर हाथ रखकर कसम खाई थी कि उनका समस्त जीवन वतन पर ही कुर्बान होगा। भगत सिंह ने राजगुरु और सुखदेव के साथ मिलकर काकोरी कांड को अंजाम दिया। उसके बाद उन्होंने 17 दिसंबर 1928 को राजगुरु के साथ मिलकर चंद्रशेखर आजाद की मदद से लाहौर में सहायक पुलिस अधीक्षक रहे जेपी सांडर्स को मार डाला। 8 अप्रैल 1929 को भगत सिंह ने बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर अलीपुर रोड में मौजूद ब्रिटिश इंडिया की इमरजेंसी सेंट्रल असेंबली के सभागार में अंग्रेजी हुकूमत को जगाने के लिए बम और पर्चे फैंके और इसके जरिये आजादी की मांग की आवाज को हर देशवासी के कानों तक पहुंचा दिया।

तेल की धार पर दुनियाँ की अर्थव्यवस्था के लिए अगले 7 दिन निर्णायक!

होर्मुज़ खुला तो राहत,टकराव बढ़ा तो महंगा तेल ! अगले 7 दिनों पर टिकी वैश्विक अर्थव्यवस्था, भारत के बाजार- रुपये-महंगाई की भी अग्निपरीक्षा ?

वैश्विक अर्थव्यवस्था सितंबर 2026 के अंतिम सप्ताह में ऐसे मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है,जहां युद्ध, कूटनीति,ऊर्जा सुरक्षा,व्यापार शुल्क,महत्वपूर्ण खनिज, समुद्री मार्ग और शेयर बाजार एक-दूसरे से गहराई से जुड़ गए हैं।एक ओर ईरान ने अमेरिका के सामने होर्मुज़ जलडमरूमध्य में सामान्य समुद्री आवागमन बहाल करने के लिए सात-दिवसीय प्रस्ताव रखा है,तो दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति और चीनी राष्ट्रपति की वाशिंगटन वार्ता ने दुनियाँ की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के व्यापारिक रिश्तों में नए समीकरण खड़े किए हैं।इसी बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने भारत जैसे बड़े तेल आयातक देशों की चिंता बढ़ा दी है और 24 सितंबर को भारतीय शेयर बाजार में भारी बिकवाली देखने कोमिली। इसलिए आने वाले कुछ दिन केवल पश्चिम एशिया की राजनीति के लिए नहीं,बल्कि तेल की कीमत, समुद्री व्यापार, महंगाई, मुद्रा बाजार और वैश्विक निवेश धारणा के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकते हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि विश्व अर्थव्यवस्था की धड़कन इस समय फारस की खाड़ी के उस संकरे समुद्री द्वार पर टिकी है, जिसे होर्मुज़ जलडमरूमध्य कहा जाता है।अमेरिका- ईरान टकराव के बीच तेहरान ने ऐसा सात-दिवसीय प्रस्ताव सामने रखा है,जिसके अंतर्गत अमेरिकी सैन्य एवं आर्थिक दबाव में राहत सहित निर्धारित शर्तें पूरी होने पर होर्मुज़ में सामान्य समुद्री आवागमन बहाल किया जा सकता है। अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधियों के बीच चरणबद्ध समाधान पर बातचीत की खबरें भी सामने आई हैं, लेकिन अंतिम समझौता अभी अनिश्चित है। यही अनिश्चितता वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए सबसे बड़ा जोखिम बन गई है।होर्मुज़ का संकट केवल तेल उत्पादक देशों की समस्या नहीं है। यहां व्यवधान का अर्थ है,ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव, जहाजरानी और बीमा लागत में वृद्धि, महंगा कच्चा तेल और अंतत: दुनिया भर में महंगाई का खतरा। 26 सितंबर को कूटनीतिक समाधान की उम्मीदों से ब्रेंट कच्चा तेल करीब दो प्रतिशत फिसलकर लगभग 104.30 डॉलर प्रति बैरल तक आया,लेकिन कीमत अभी भी ऊंचे स्तर पर है।खाड़ी-ए-ओमान में जहाज से जहाज तेल हस्तांतरण क्षमता भी अपनी सीमा तक पहुंचने की खबर है,जो आपूर्ति व्यवस्था पर दबाव की गंभीरता दर्शाती है।भारत के लिए यह संकट विशेष महत्व रखता है। महंगा तेल आयात बिल बढ़ा सकता है, रुपये पर दबाव डाल सकता है तथा परिवहन और उत्पादन लागत के रास्ते महंगाई को प्रभावित कर सकता है। तेल कीमतों की अस्थिरता के बीच रुपया 22 सितंबर को 95.59 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था; वहीं भारतीय शेयर बाजार लगातार सातवें सप्ताह नुकसान में रहा।

साथियों, सबसे पहले होर्मुज़ जलडमरूमध्य की बात करें तो 25 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र में ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि तेहरान ने अमेरिका को इस रणनीतिक समुद्री मार्ग को खोलने के लिए एक ठोस सात-दिवसीय योजना दी है। उनके अनुसार आवश्यक परिस्थितियां पूरी होने पर सात दिनों के भीतर सामान्य समुद्री आवागमन बहाल किया जा सकता है और अब निर्णय अमेरिका के हाथ में है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी पक्ष से अपेक्षित कदम नए नहीं हैं,बल्कि जून में अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन से जुड़े हैं।हालांकि 26 सितंबर तक स्थिति अनिश्चित बनी हुई है।अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा प्रस्ताव को अस्वीकार किए जाने की मीडिया रिपोर्ट सामने आई है,लेकिन ईरान आधिकारिक अमेरिकी प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा कर रहा है।इसलिए इस समय यह कहना जल्दबाजी होगी कि सात दिनों के भीतर संकट समाप्त हो जाएगा;इतना जरूर है कि प्रस्ताव ने कूटनीतिक समाधान की एक नई खिड़की खोली है।होर्मुज़ का सवाल इतना महत्वपूर्ण इसलिए है क्योंकि यह केवल ईरान और अमेरिका के बीच शक्ति-संघर्ष का विषय नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा अर्थव्यवस्था की संवेदनशील नस है।तनाव बढ़ने पर जहाजरानी,बीमा ऊर्जा आपूर्ति और परिवहन लागत प्रभावित होने का जोखिम बढ़ता है, जबकि तनाव घटने और सामान्य आवागमन बहाल होने की संभावना तेल बाजार को राहत दे सकती है। इसी अनिश्चितता का असर कच्चे तेल की कीमतों में साफ दिखाई दिया है।22 सितंबर को संभावित अमेरिका-ईरान वार्ता की उम्मीदों के बीच ब्रेंट कच्चा तेल 98.9 डॉलर प्रति बैरल तक आया था,लेकिन 24 सितंबर को यह 2.4 प्रतिशत बढ़कर लगभग 105.6 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया।अर्थात बाजार केवल वास्तविक आपूर्ति नहीं,बल्कि होर्मुज़ से निकलने वाले प्रत्येक राजनीतिक और कूटनीतिक संकेत पर प्रतिक्रिया दे रहा है। साथियों इस तेल संकट की तपिश भारत के शेयर बाजार तक पहुंच चुकी है।गुरुवार 24 सितंबर 2026 को भारतीय शेयर बाजार ने लगभग दस सप्ताह का सबसे खराब कारोबारी दिन देखा।बीएसई सेंसेक्स 1.67 प्रतिशत अर्थात लगभग 1,248 अंक गिरकर 73,580.54 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी-50 1.64 प्रतिशत गिरकर 23,063.10 पर आ गया। वित्तीय शेयरों पर बीमा कमीशन सीमा संबंधी प्रस्ताव की चिंता का अतिरिक्त दबाव रहा, लेकिन तेजी से महंगा होता कच्चा तेल भी बाजार की बेचैनी का प्रमुख कारण था। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर काफी निर्भर है, इसलिए महंगा कच्चा तेल आयात बिल,कंपनियों की लागत, परिवहन खर्च और महंगाई पर दबाव बढ़ा सकता है।इसीलिए होर्मुज़ में होने वाली घटना को मुंबई के दलाल पथ से अलग करके नहीं देखाजा सकताइस वैश्विक आर्थिक तस्वीर का दूसरा बड़ा अध्याय ट्रंप-शी मुलाकात है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अमेरिका यात्रा के दौरान दोनों देशों ने व्यापार और निवेश से जुड़े कई महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाए। व्हाइट हाउस के अनुसार दोनों देशों ने एक-दूसरे की दिशा में लगभग 30 अरब डॉलर मूल्य की गैर-संवेदनशील वस्तुओं को अधिक अनुकूल शुल्क व्यवहार देने संबंधी सिफारिशों पर सहमति बनाई। अमेरिकी निर्यात की ओर कृषि उत्पाद, मछली एवं समुद्री खाद्य, लकड़ी उत्पाद, सौंदर्य प्रसाधन और चिकित्सा उपकरण जैसे क्षेत्र शामिल हैं, जबकि अमेरिका में चीन से आने वाले छोटे घरेलू उपकरण खिलौने और कुछ उपभोक्ता वस्तुएं इसमें शामिल हैं। कृषि बाजार तक पहुंच की बाधाओं पर कार्यदल बनाने और निवेश संबंधी मुद्दों के लिए संरचित व्यवस्था को भी आगे बढ़ाया गया है। साथियों,ऊर्जा के मोर्चे पर भी ट्रंप-शी वार्ता उल्लेखनीय रही।चीन ने 2027 और 2028 में अमेरिका से प्रत्येक वर्ष कम-से-कम एक करोड़ मीट्रिक टन कोयला आयात करने की प्रतिबद्धता जताई।दोनों देश दुर्लभ पृथ्वी तत्वों और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति से जुड़ी अमेरिकी चिंताओं पर भी बातचीत जारी रखेंगे। ट्रंप ने शी से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर करने के उद्देश्य से परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने का आग्रह किया। दोनों नेताओं की बातचीत में ईरान भी आया और व्हाइट हाउस के अनुसार दोनों इस बात पर सहमत हुए कि ईरान परमाणु हथियार हासिल नहीं करे तथा कोई देश या संस्था अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर शुल्क न लगाए। उभरती प्रौद्योगिकियों को लेकर अमेरिका-चीन संवाद का नया तंत्र स्थापित करने की घोषणा भी हुई। इसलिए इस मुलाकात को केवल अमेरिका-चीन द्विपक्षीय व्यापार समझौते के रूप में देखना अधूरा होगा; इसके तार ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, आपूर्ति शृंखला और नई प्रौद्योगिकी से भी सटीकता से जुड़े हैं। साथियों,इसी समय न्यूयॉर्क में चल रही 81वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा विश्व की राजनीतिक बेचैनी का मंच बनी हुई है। 24 सितंबर को इजराइल के प्रधानमंत्री जैसे ही महासभा को संबोधित करने पहुंचे,77 से अधिक याने दर्जनों प्रतिनिधि सदन से बाहर निकल गए।उन्होंने अपने संबोधन में इजराइल की क्षेत्रीय सैन्य कार्रवाइयों का बचाव किया और ईरान सहित क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर अपना पक्ष रखा।यह घटनाक्रम बताता है कि पश्चिम एशिया का संकट अब संयुक्त राष्ट्र के कूटनीतिक मंच से लेकर ऊर्जा बाजार तक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर दबाव बना रहा है।भारत के लिए चुनौती दोहरी है। एक ओर भारत दुनियाँ की प्रमुख तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में बना हुआ है और विशाल घरेलू बाजार उसे बाहरी झटकों के विरुद्ध कुछ सहारा देता है,लेकिन दूसरी ओर तेल की ऊंची कीमतें महंगाई और मौद्रिक नीति के समीकरण को कठिन बना सकती हैं।अगस्त में भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति के सदस्यों ने आगे ब्याज दर बढ़ाने की संभावना के संकेत दिए थे और आपूर्ति-जनित महंगाई के व्यापक अर्थव्यवस्था में फैलने के जोखिम पर नजर रखने की बात कही थी। यदि ऊर्जा लागत लंबे समय तक ऊंची रहती है, तो सरकार, रिजर्व बैंक, उद्योग और निवेशकों सभी के लिए महंगाई बनाम विकास का संतुलन सटिका से अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है। साथियों सितंबर 2026 का अंतिम सप्ताह विश्व अर्थव्यवस्था के लिए कई परस्पर जुड़ी घटनाओं का संगम बन गया है।एक तरफ अमेरिका और चीन व्यापार, निवेश,ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों पर संवाद बढ़ाकर आर्थिक तनाव कम करने का संकेत दे रहे हैं,तो दूसरी तरफ अमेरिका-ईरान तनाव और होर्मुज़ की अनिश्चितता उसी वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा जोखिम खड़ा कर रही है। भारतीय शेयर बाजार की 24 सितंबर की तेज गिरावट इस बात का उदाहरण है कि हजारों किलोमीटर दूर समुद्री मार्ग पर पैदा हुआ भू- राजनीतिक तनाव कितनी तेजी से निवेशकों की संपत्ति और बाजार मनोविज्ञान को प्रभावित कर सकता है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

व्यसन जीवन की खुशियों को निगलने वाला मौन संकट

-कांतिलाल मांडोत

-नशे से व्यक्ति नहीं, परिवार और समाज भी होता है प्रभावित

व्यसन मानव जीवन के लिए ऐसी बुराई है, जो धीरे-धीरे व्यक्ति की सोच, स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक प्रतिष्ठा को अपने घेरे में ले लेती है। शुरुआत अक्सर शौक, मित्रों के आग्रह या आधुनिक जीवनशैली के आकर्षण के रूप में होती है, लेकिन समय के साथ यही आदत व्यक्ति को अपने नियंत्रण में ले लेती है। जिस नशे को मनुष्य अपनी स्वतंत्रता समझता है, वही बाद में उसकी निर्भरता बन जाता है। व्यसन व्यक्ति की इच्छाशक्ति को कमजोर करता है और उसे विवेकपूर्ण निर्णय लेने की क्षमता से दूर कर देता है।

शराब और अन्य नशे केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं रहते। इनका असर व्यक्ति के व्यवहार पर पड़ता है और परिवार की शांति भी प्रभावित होती है। घर की आय का एक हिस्सा यदि नशे में खर्च होने लगे तो बच्चों की शिक्षा, परिवार की आवश्यकताओं और भविष्य की योजनाओं पर सीधा असर पड़ता है। धीरे-धीरे आर्थिक परेशानी बढ़ती है और कई परिवार कर्ज तथा तनाव के चक्र में फंस जाते हैं। नशे की आदत व्यक्ति को अपने दायित्वों से विमुख कर सकती है और परिवार के सदस्यों के बीच विश्वास तथा अपनापन कमजोर पड़ सकता है।

आज शराब का सेवन केवल किसी एक सामाजिक वर्ग तक सीमित नहीं माना जा सकता। आधुनिकता और दिखावे की प्रवृत्ति ने इसे कई स्थानों पर सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ दिया है। कुछ लोग खुशी के अवसर पर शराब को उत्सव का हिस्सा मानते हैं तो कुछ तनाव और परेशानी से बचने के लिए इसका सहारा लेते हैं। लेकिन किसी भी परिस्थिति में नशा समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। खुशी मनाने के लिए शराब आवश्यक नहीं है और तनाव दूर करने के लिए भी इसका सहारा अंतत: नई परेशानियां पैदा कर सकता है।

नशे का सबसे गंभीर प्रभाव व्यक्ति की विवेक शक्ति पर पड़ता है। नशे की स्थिति में सही और गलत के बीच अंतर करना कठिन हो सकता है। क्रोध, आवेश और असंयम बढ़ सकता है तथा ऐसे निर्णय लिए जा सकते हैं जिनका नुकसान बाद में लंबे समय तक भुगतना पड़ता है। कई बार व्यक्ति नशे की हालत में अपने परिवार, मित्रों और समाज के प्रति ऐसा व्यवहार कर बैठता है, जिसका उसे सामान्य स्थिति में पछतावा होता है। इसलिए व्यसन को केवल व्यक्तिगत आदत मानना पर्याप्त नहीं है। इसका प्रभाव सामाजिक जीवन तक पहुंचता है।

भारतीय चिंतन परंपरा में संयम को सदैव जीवन का महत्वपूर्ण आधार माना गया है। जैन दर्शन में आत्मसंयम, अहिंसा और त्याग को विशेष महत्व दिया गया है। संयम का अर्थ केवल किसी एक बुराई से दूर रहना नहीं, बल्कि अपनी इच्छाओं और प्रवृत्तियों पर नियंत्रण रखना भी है। जब मनुष्य अपनी इच्छाओं का स्वामी रहता है तो जीवन संतुलित रहता है, लेकिन जब इच्छाएं ही मनुष्य को नियंत्रित करने लगती हैं तो पतन की शुरुआत हो जाती है। व्यसन इसी मानसिक गुलामी का एक रूप है।

नशे की आदत का असर स्वास्थ्य पर भी गंभीर रूप से पड़ सकता है। लंबे समय तक शराब का सेवन शरीर के विभिन्न अंगों को प्रभावित कर सकता है और अनेक स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। व्यक्ति की कार्यक्षमता घटती है, मानसिक एकाग्रता प्रभावित हो सकती है और जीवनशैली असंतुलित होने लगती है। युवावस्था में नशे की शुरुआत विशेष चिंता का विषय है, क्योंकि यही समय शिक्षा, कौशल निर्माण और भविष्य की दिशा तय करने का होता है। यदि इस दौर में युवा नशे की गिरफ्त में आ जाएं तो उनकी ऊर्जा और प्रतिभा का सकारात्मक उपयोग बाधित हो सकता है।

व्यसन से मुक्ति केवल कानून या सरकारी व्यवस्था के भरोसे संभव नहीं है। समाज को भी इसमें अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। परिवार बच्चों और युवाओं से खुलकर संवाद करें तथा उन्हें नशे के नुकसान के बारे में समझाएं। विद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं को भी जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना चाहिए। धार्मिक और सामाजिक संगठनों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे लोगों में आत्मसंयम, सदाचार और जिम्मेदारी की भावना विकसित कर सकते हैं।

समाज यदि सामूहिक रूप से नशे के विरुद्ध संकल्प ले तो परिवर्तन अधिक प्रभावी हो सकता है। अनेक स्थानों पर सामाजिक संगठनों और समुदायों ने लोगों को शराब छोड़ने के लिए प्रेरित किया है। ऐसे प्रयास तभी सफल होते हैं जब उनका आधार भय नहीं बल्कि जागरूकता, आत्मसम्मान और सामूहिक जिम्मेदारी हो। व्यक्ति को यह समझना होगा कि नशा छोड़ना कमजोरी नहीं, बल्कि अपने जीवन पर दोबारा नियंत्रण स्थापित करने का साहस है।

युवाओं को विशेष रूप से विज्ञापन, दिखावे और साथियों के दबाव से सावधान रहने की जरूरत है। आधुनिक जीवन में मनोरंजन के अनेक स्वस्थ विकल्प उपलब्ध हैं। खेल, योग, साहित्य, संगीत, सामाजिक सेवा और रचनात्मक गतिविधियां तनाव कम करने और व्यक्तित्व विकास में उपयोगी हो सकती हैं। युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा मिले तो वही शक्ति परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

नशामुक्ति का अभियान केवल शराब के खिलाफ अभियान नहीं है, बल्कि स्वस्थ परिवार, मजबूत समाज और जिम्मेदार नागरिक बनाने का प्रयास है। किसी भी देश की वास्तविक शक्ति उसके नागरिकों की स्वस्थ सोच और कर्मठता में होती है। यदि व्यक्ति अपनी कमाई को व्यसन में नष्ट करने के बजाय परिवार की शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य पर खर्च करे तो उसका लाभ आने वाली पीढ़ियों तक पहुंच सकता है।

व्यसन चाहे शराब का हो या किसी अन्य हानिकारक पदार्थ का, अंतत: वह मनुष्य की स्वतंत्रता को कमजोर करता है। इसलिए जीवन में आनंद पाने के लिए नशे का सहारा नहीं, बल्कि स्वस्थ संबंधों, अच्छे संस्कारों और सकारात्मक कर्मों का मार्ग अपनाना चाहिए। समाज में जागरूकता बढ़े, परिवार संस्कारों का केंद्र बने और युवा अपने भविष्य के प्रति सजग हों तो व्यसन की समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। व्यसन से मुक्ति केवल एक व्यक्ति का सुधार नहीं है, बल्कि पूरे परिवार और समाज के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है।

भारत चल पड़ा है नई औद्योगिक क्रांति के पथ पर

भारत में आज एक नई औद्योगिक क्रांति प्रारम्भ हो चुकी है, यह विचार अमेरिका की एक जानी मानी निवेश बैंक - जेफ्रीज ने व्यक्त किये हैं। भारत में, विशेष रूप से डाटा केंद्र स्थापित करने के उद्देश्य से करोड़ों अमेरिकी डॉलर का निवेश होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने पर केंद्र सरकार की ओर से टैक्स में भारी भरकम छूट भी प्रदान की जा रही है। अत: भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने की तो जैसे होड़ सी मच गई है। पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत में डाटा केंद्रों की क्षमता दोगुनी हो चुकी है एवं आगे आने वाले 5 वर्षों के दौरान यह क्षमता बढ़कर 10 हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। वैश्विक स्तर पर डाटा केंद्र अब एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। साथ ही, भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाईयों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जा रहा है, इसके लिए 1,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निर्धारित की गई है। इसका परिणाम यह है कि सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हेतु भारत में 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जा चुका है, और यह आगे भी जारी हैं। भारत आज उन चुनिंदा देशों में से एक है, जिनके पास स्पेस क्षेत्र से सम्बंधित नवीनतम तकनीकी उपलब्ध है। भारत में स्पेस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 5 गुना तक बढ़ सकती है। वैश्विक स्तर पर एयरो स्पेस के क्षेत्र में मांग एवं आपूर्ति में असंतुलन के चलते भारत लाभ की स्थिति में पहुंच गया है क्योंकि कम लागत और कुशल इंजीनीयरिंग टैलेंट आज भारत में ही सम्भव है। इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत आज केवल पुर्जों को इकट्ठा कर उत्पाद बनाने का कार्य करने तक सीमित नहीं है बल्कि इस क्षेत्र में उच्चस्तरीय उत्पादों का निर्माण भी करने लगा है। 6 वर्षों में मोबाइल कम्पोनेंट में घरेलू वैल्यू एडीशन लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। सोलर के क्षेत्र में भारत आज वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा सोलर पीवी का उत्पादक देश बन गया है। इसका परिणाम यह है कि वर्तमान में भारत की 35 तड्ढ की सोलर क्षमता चालू है एवं 100 तड्ढ की क्षमता पर निर्माण कार्य चालू है। एशिया की सबसे बड़ी 100 कम्पनियों की सूची में आज भारत की 34 कम्पनियां शामिल हो चुकी हैं। कुल मिलाकर, पूर्व में भारत केवल फार्मा, टेक्स्टायल, चमड़ा उत्पाद, कृषि उत्पाद (मसाला, आदि) स्टील, ऑटोमोबील एवं सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में ही वैश्विक स्तर पर उक्त उत्पादों का निर्यात करने में सफल हो रहा था परंतु आज स्थितियां बदल गई हैं एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे डाटा केंद्र, सेमीकंडक्टर उत्पादन, स्पेस क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र, सोलर क्षेत्र, सुरक्षा क्षेत्र में भी वैश्विक स्तर पर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत में उपलब्ध टैलेंट एवं श्रम के भरोसे विश्व की कई बड़ी कम्पनियों के बीच आज भारत में विशाल वैश्विक योग्यता केंद्रों (जीसीसी) की स्थापना करने की होड़ सी लग गई है। ब्रिटेन में फार्मा के क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनी - एस्ट्रा जेनेका ने चेन्नई में एक विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है। बैंक ओफ अमेरिका ने अपना सबसे बड़ा बैक ऑफिस कार्यालय पुणे में स्थापित किया है, इस बैंक के पूरे विश्व में बैक ऑफिस में कार्य कर रहे 11,000 कर्मचारी इस केंद्र का ब्रेन बन गए हैं। अमेरिका के सबसे पुराने वित्तीय संस्थानों में से एक बैंक ओफ न्यूयॉर्क, मेलोन ने पुणे एवं चेन्नई में वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना की है। आरटीफिशीयल इंटेलिजेन्स के क्षेत्र में कार्य करने वाली बोस्टन की एक कम्पनी ने फरवरी 2026 में हैदराबाद में विशाल स्तर पर अपने एक अंतरराष्ट्रीय कार्यालय की स्थापना की है।

बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई एवं पुणे में आज 1,700 से अधिक वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, इन केंद्रों में 19 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। भारत आज आउटसोर्सिंग हब से आगे बढ़कर उच्च स्तरीय टैलेंट केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। भारत में स्थापित किए गए कुल वैश्विक योग्यता केंद्रों में से लगभग 65 प्रतिशत केंद्र अमेरिकी कम्पनियों द्वारा स्थापित किए गए हैं। इन कम्पनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में की जा रही रीसर्च का कार्य इन केंद्रों पर सम्पन्न हो रहा है एवं टेक्नॉलजी के क्षेत्र में नए नए उत्पादों का निर्माण भी इन्हीं केंद्रों में किया जा रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही अमेरिका की ही एक कम्पनी ट्रूब्रिज ने भी फरवरी 2026 में मुंबई में वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है, इस केंद्र को आगे आने वाले समय में और अधिक विस्तार दिया जाने वाला है। इसी प्रकार, बीमा, बैंकिंग, स्वास्थ्य, साइबर सिक्युरिटी, फार्मा एवं सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्यरत अनेक कंपनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं। पूर्व में, अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों को भारत से ब्रेन ड्रेन हो रहा था, परंतु अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं एवं अब विशेष रूप से अमेरिका से भारत को रिवर्स ब्रैन ड्रेन होने लगा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन की नीतियों के चलते अन्य देशों से अमेरिका में जाने वाले टैलेंट का अमेरिका में रहना अब मुश्किल हो रहा है। अमेरिका एवं अन्य यूरोपीयन देशों में पूंजीवाद एवं साम्यवाद की नीतियों के चलते इन देशों में जन्म दर भी लगातार कम हो रही है। इन देशों में समाज में प्रत्येक व्यक्ति केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित किए हुए है। विवाह जैसी अति पवित्र संस्था को पश्चिमी देशों ने केवल मौज मस्ती का माध्यम बना दिया गया है। केवल कामुकता के लिए विवाह नहीं किया जाता है जबकि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी है। भारतीय दर्शन में अपने कुल को आगे बढ़ाने के लिए विवाह को एक पवित्र संस्था माना गया है। जबकि, पश्चिमी देशों में आज विवाह को आवश्यक ही नहीं माना जा रहा है बल्कि वहां के नागरिक लिव इन रिलेशनशिप में भी रहने लगे हैं। इन देशों में तलाक की दर में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हो रही है। इन देशों में सामान्य जीवन यापन की लागत बहुत अधिक महंगी हो रही है। साथ ही, पश्चिमी दर्शन में पुनर्जन्म में विश्वास नहीं किया जाता है, जो कुछ भी भोगना है केवल इसी जन्म में सम्पन्न करना है। अत: इन देशों में अपनी पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए बच्चे पैदा करना आवश्यक नहीं समझा जा रहा है। इन देशों में समाज की जीवन शैली ही इस प्रकार की बन गई है कि केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित करें एवं अपनी काया को किसी प्रकार का कष्ट नहीं होना चाहिए, परिवार पर एवं समाज पर किसी नागरिक का ध्यान बहुत कम है। पश्चिमी देशों में नागरिक, मैं और केवल मैं किस प्रकार अधिक से अधिक सुखी रह सकता हूं, इस विषय पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए हैं।

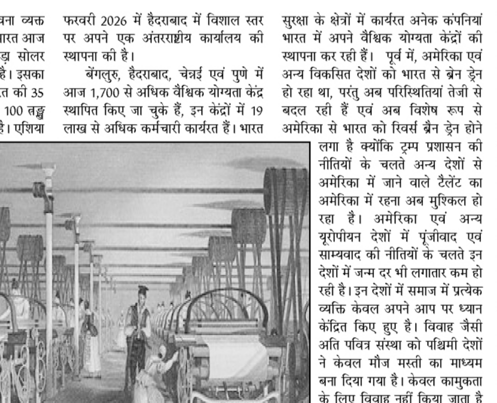

यह विशेषताएं पूंजीवाद एवं साम्यवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं में बहुत मुखर रूप से उभर का सामने आती है। बच्चे पैदा करने का निर्णय भी बचत एवं खर्च की दृष्टि को सामने रखकर लिया जा रहा है। चूंकि मैं अपने बच्चे पर होने वाले खर्च को वहन नहीं कर सकता हूं अत: मुझे बच्चे पैदा ही नहीं करना है। पश्चिमी देशों में सामान्य परिवार चलाने की लागतें बढ़ती जा रही है अत: परिवार में डबल इनकम नो किड्ज़ (डिंक) का विचार भी जोर पकड़ता जा रहा है। इन देशों में पूंजीवाद एवं साम्यवाद पर आधारित आर्थिक नीतियों ने नागरिकों को दिमागी तौर पर दिवालिया बना दिया है। इन देशों में नागरिकों का पूरा ध्यान केवल भौतिकवादी विकास पर ही केंद्रित हो गया है। परिवार एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास समाप्त सा हो गया है। आज पश्चिमी देशों के नागरिक, विशेष रूप से प्रौढ़ नागरिक, जीवन के अपने अंतिम पलों को सहज बनाने के उद्देश्य से भारत में शिफ्ट हो रहे हैं। भारत की अध्यात्म नगरी ऋषिकेश, हरिद्वार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड आदि स्थानों पर विकसित देशों के नागरिकों की जैसे बाढ़ सी आ गई है। कुछ देशों के नागरिक गोवा जैसे राज्यों में भी आकर बस रहे हैं। क्योंकि, भारत के इन स्थलों पर उन्हें मानसिक शांति प्राप्त हो रही है। पहिले तो ये विदेशी नागरिक योगा एवं आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने के उद्देश्य से भारत आते हैं परंतु यहां आने के उपरांत उन्हें जो आत्मिक शांति प्राप्त होती है, उसके चलते ये लोग भारत में ही बस जाते हैं।

-प्रहलाद सबनानी

खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में कटौती का बड़ा असर, दाम में गिरावट

नई दिल्ली। एजेंसी। आगामी त्योहारों से पहले उपभोक्ताओं को राहत देते हुए बीते सप्ताह सरकार ने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क घटाने का बड़ा फैसला लिया। इस कदम का व्यापक असर बाजार पर दिखा, जिससे अधिकांश प्रमुख तेल-तिलहनों की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। सरकार के शुल्क कटौती के बाद मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, पाम-पामोलीन और बिनौला की कीमतों में गिरावट देखी गई। हालांकि, सरसों तेल-तिलहन इस प्रवृत्ति से अछूता रहा। इसकी सीमित आवक और निरंतर मांग के चलते बीते सप्ताह इसके दामों में सुधार दर्ज हुआ, क्योंकि इसका कोई सीधा विकल्प बाजार में उपलब्ध नहीं है। सोयाबीन डीगम तेल में एक दिलचस्प स्थिति दिखी; गिरावट के बावजूद इसमें सुधार का आभास हुआ। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि शुल्क घटने के बाद आयातकों को इसे पहले के मुकाबले कम घाटे पर (लागत से 3-4 रुपये नीचे) बेचना पड़ रहा है, जबकि पूर्व में यह लागत से 10-11 रुपये नीचे बिक रहा था। इस स्थिति से संकेत मिलता है कि बैंकों का धन अभी भी नुकसान में है। उपलब्धता सुधारने और कीमतों पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार ने सूरजमुखी तेल पर आयात शुल्क 16.5 फीसदी से घटाकर 5.5 फीसदी किया, जिससे प्रति किलो 14.80 रुपये की कमी आई। सोयाबीन डीगम और कच्चे पाम तेल (सीपीओ) पर भी शुल्क 16.5 फीसदी से घटाकर 11 फीसदी किया गया, जिससे क्रमश: 6.75 रुपये और 6.50 रुपये प्रति किलो की राहत मिली। सूरजमुखी पर भारी कमी के चलते मूंगफली तेल में भी गिरावट आई, जबकि बिनौला तेल नई फसल की आवक और शुल्क कटौती के दोहरे असर से नरम हुआ। बीते सप्ताह सरसों दाना 100 रुपये के सुधार के साथ 8,250-8,300 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल दादरी 250 रुपये के सुधार के साथ 16,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल क्रमश- 40-40 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 2,725-2,825 रुपये और 2,725-2,875 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 100-200 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 5,950-6,000 रुपये और 5,700-5,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,150 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 14,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सोयाबीन डीगम तेल 450 रुपये सुधार के साथ 12,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 175 रुपये की गिरावट के साथ 7,550-8,000 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 500 रुपये की गिरावट के साथ 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 525 रुपये की गिरावट के साथ 13,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 200 रुपये की गिरावट के साथ 15,500 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 300 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। नई फसल की आवक शुरू होने के कारण बीते सप्ताह बिनौला तेल का दाम 700 रुपये की गिरावट के साथ 15,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

त्योहारी सीजन से पहले महंगा होगा इलेक्ट्रॉनिक्स, 8 फीसदी तक बढ़ेंगे दाम

नई दिल्ली। एजेंसी। त्योहारी सीजन शुरू होने से ठीक पहले उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और झटका लगने वाला है। एयर कंडीशनर (एसी), एलईडी टीवी, वॉशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामानों के दाम 3 से 8 फीसदी तक बढ़ेंगे। कंपनियों ने कच्चे माल और माल ढुलाई की बढ़ती लागत को इसकी मुख्य वजह बताया है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार यह इस साल तीसरी बार होगा जब कई कंपनियां अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ाएंगी। एसी की कीमतों में 5 से 8 फीसदी की वृद्धि संभव है, जबकि वॉशिंग मशीन, फ्रिज और एलईडी टीवी 3 से 4 फीसदी तक महंगे हो सकते हैं। कुछ कंपनियां पहले ही दाम बढ़ा चुकी हैं। कंपनियों के मुताबिक, तांबा, एल्युमिनियम, स्टील, प्लास्टिक और कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों की कीमतों में भारी उछाल आया है। इसके साथ ही वैश्विक स्तर पर माल ढुलाई महंगी होने तथा विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव ने भी उत्पादन लागत बढ़ाई है। हायर इंडिया 1 अक्टूबर से एसी की कीमत में 5 फीसदी की वृद्धि कर सकता है। वही डाइकिन 16 सितंबर से ही 8-10 फीसदी की बढ़ोतरी कर चुका है। सुपर प्लास्ट्रॉनिक्स भी अक्टूबर के बाद टीवी की कीमतें 7 फीसदी तक बढ़ाएगा। त्योहारी सीजन, नवरात्रि से दिवाली तक, इलेक्ट्रॉनिक्स की सालाना बिक्री का 30-40 फीसदी हिस्सा होता है। ऐसे में कंपनियों के सामने कीमतों में बढ़ोतरी और उपभोक्ता मांग बनाए रखने की चुनौती है। हालांकि, बाजार में कुछ समय तक पुराने दाम पर खरीदा गया स्टॉक उपलब्ध रह सकता है, जिससे कुछ उत्पादों पर दिवाली तक राहत मिलने की उम्मीद है।

पेट्रोनेट के निदेशकों को पांच साल और मिलेगा मुनाफे में एक फीसदी कमीशन

नई दिल्ली। एजेंसी। देश की सबसे बड़ी गैस आयातक कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड ने अपने निदेशकों को मुनाफे के आधार पर कमीशन देने की मौजूदा व्यवस्था को वित्त वर्ष 2026-27 से अगले पांच साल (2030-31 तक) जारी रखने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगी है। कंपनी के आगामी आम बैठक के नोटिस के अनुसार यह प्रस्ताव 2026-27 से 2030-31 तक प्रभावी रहेगा। इसके तहत निदेशकों को सालाना मुनाफे का अधिकतम एक प्रतिशत कमीशन दिया जा सकेगा, जिसका वितरण निदेशक मंडल तय करेगा। यह व्यवस्था सितंबर 2021 में मंजूर हुई पिछली योजना का विस्तार है, जिसे 2007 से ही कई बार मंजूरी मिलती रही है। कंपनी ने अपनी मजबूत वित्तीय स्थिति को इस व्यवस्था को जारी रखने का आधार बताया है। उसने स्पष्ट किया कि वास्तविक रूप से दिया गया कमीशन वैधानिक सीमा से काफी कम रहा है और कंपनी अधिनियम 2013 में निर्धारित कुल सीमा के भीतर है। वित्त वर्ष 2025-26 में प्रबंध निदेशक को 26.5 लाख रुपये और स्वतंत्र निदेशकों को 10 लाख रुपये का कमीशन मिला था। वित्त वर्ष 2025-26 में पेट्रोनेट एलएनजी का मुनाफा 3,843 करोड़ रुपये था। उल्लेखनीय है कि इंडियन ऑयल, गेल, ओएनजीसी और बीपीसीएल जैसे सार्वजनिक उपक्रमों की बड़ी हिस्सेदारी होने के बावजूद, पेट्रोनेट एक निजी कंपनी के रूप में पंजीकृत है।

भू-राजनीतिक घटनाक्रम, कच्चे तेल के दाम तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

नई दिल्ली। एजेंसी। आगामी सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए कम कारोबारी सत्रों वाला रहेगा, लेकिन निवेशकों की नजर वैश्विक और घरेलू दोनों मोर्चों पर महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर टिकी रहेगी। भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल बाजार की चाल को प्रभावित कर सकते हैं, जबकि घरेलू मोर्चे पर आर्थिक आंकड़े अहम रहेंगे। शुक्रवार, 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर शेयर बाजार में अवकाश रहेगा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका-ईरान के बीच संभावित राजनयिक वार्ता और होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों पर सीधा असर डालेगी। ऊर्जा कीमतों में गिरावट भारत के आयात बिल को कम कर सकती है और रुपये को सहारा दे सकती है, जबकि तनाव बढ़ने से बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है। बाजार के विशेषज्ञों के

अनुसार, ब्रेंट कच्चे तेल का 105-106 डॉलर प्रति बैरल पर बने रहना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी भी चिंता का विषय है, इसलिए इस मोर्चे पर कोई भी राहत बाजार के लिए सकारात्मक होगी। वैश्विक स्तर पर, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के हालिया नीतिगत फैसलों के बाद वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल की चाल भी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होगी। प्रतिफल में वृद्धि और डॉलर की मजबूती उभरते बाजारों से पूंजी निकासी का कारण बन सकती है, जिससे भारतीय बाजार पर भी दबाव बढ़ेगा। विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां और रुपये की डॉलर के मुकाबले चाल पर भी पैनी नजर रहेगी, क्योंकि कच्चे तेल के आयात के लिए डॉलर की मांग रुपये पर दबाव बना सकती है। घरेलू मोर्चे पर, अगस्त के औद्योगिक उत्पादनके आंकड़े और एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई बाजार को नई दिशा देंगे। इसके अतिरिक्त, मासिक वाहन बिक्री के आंकड़े और केंद्र सरकार के राजकोषीय घाटे पर भी निवेशकों की निगाहें रहेंगी। अंतरराष्टीय स्तर पर अमेरिकी उपभोक्ता भरोसा और यूरो क्षेत्र की सितंबर मुद्रास्फीति के आंकड़े भी ब्याज दर को लेकर वैश्विक धारणा को प्रभावित कर सकते हैं।

सरकार ने तंबाकू मुक्त निकोटीन पाउच पर लगाया पूर्ण प्रतिबंध

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत सरकार ने युवाओं में तेजी से लोकप्रिय हो रहे तंबाकू मुक्त निकोटीन पाउच की बिक्री, विज्ञापन और वितरण पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। इन उत्पादों को जब्त करने का भी आदेश दिया गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इन सिंथेटिक निकोटीन पाउच को युवाओं के लिए अत्यधिक नशीला और दिल व दिमाग के लिए बेहद खतरनाक बताया है, जिसके बाद सरकार ने यह सख्त कदम उठाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को ई-सिगरेट प्रतिबंध कानून (पीईसीए 2019) और खाद्य सुरक्षा मानकों (एफएसएसएआई) के तहत इनके ऑनलाइन व ऑफलाइन बाजारों पर तुरंत छापेमारी के निर्देश दिए हैं! सरकार का लक्ष्य पान की दुकानों, ई-कॉमर्स साइटों और सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को लक्षित कर फैल रहे इस नए तरह के नशे के प्रसार पर पूरी तरह रोक लगाना है! ये पाउच, जिनमें निकोटीन होता है पर तंबाकू नहीं, भारत में बेचने के लिए अधिकृत नहीं हैं और पूरी तरह अवैध हैं! बावजूद इसके, ज़िन और व्हाइट फॉक्स जैसे विदेशी ब्रांड्स की तस्करी कर 18 से 40 साल के युवाओं के बीच इन्हें बेचा जा रहा है। बड़ी तंबाकू कंपनियां सिगरेट के विकल्प के तौर पर इन्हें बढ़ावा दे रही थीं, क्योंकि इन पर अभी कड़े नियम लागू नहीं थे। देश में हर साल तंबाकू से 13.5 लाख लोगों की मौत होती है।

भारत पर महंगा पड़ेगा रूसी तेल का विकल्प

नई दिल्ली। एजेंसी। रूस से कच्चे तेल के आयात में कमी करने पर भारत को सालाना अरबों डॉलर का अतिरिक्त खर्च वहन करना पड़ सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह कदम न केवल वित्तीय बोझ बढ़ाएगा बल्कि ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों के लिए भी बड़ी चुनौती बन सकता है। एक रिपोर्ट बताती है कि यदि भारत प्रतिदिन लगभग 10 लाख बैरल रूसी कच्चे तेल की जगह महंगे विकल्प अपनाता है, तो उसे हर साल 1.8 से 3.7 अरब डॉलर अधिक खर्च करने पड़ सकते हैं। इन वैकल्पिक स्रोतों से मिलने वाला तेल रूसी तेल के मुकाबले करीब 5 से 10 डॉलर प्रति बैरल महंगा हो सकता है। यदि यह विकल्प 20 लाख बैरल प्रतिदिन तक बढ़ता है, तो यह अतिरिक्त खर्च दोगुना हो सकता है, जैसा कि कमोडिटी एक्सपर्ट नताल्या काटोना का अनुमान है। हालांकि, वित्तीय बोझ से भी बड़ी चुनौती इतनी बड़ी मात्रा में कच्चे तेल की वैकल्पिक आपूर्ति खोजना है। अगस्त में रूस ने भारत को लगभग 19 लाख बैरल प्रतिदिन तेल भेजा, जो देश के कुल कच्चे तेल आयात का करीब 42 फीसदी था। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए के एक अधिकारी के मुताबिक जुलाई में रूस की हिस्सेदारी 52 फीसदी तक पहुंच गई थी, जिसे किसी अन्य स्रोत से बदलना बेहद कठिन होगा। भारत सरकार अपनी ऊर्जा जरूरतों और राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देती रही है। अक्टूबर से मार्च-अप्रैल तक ईंधन की सर्वाधिक मांग और रिफाइनरियों की पूर्ण क्षमता को देखते हुए कुल आयात घटाना भी संभव नहीं होगा। यद्यपि रूसी तेल के डिस्काउंट पहले जितने गहरे नहीं रहे हैं, यह अभी भी अन्य विकल्पों की तुलना में प्रतिस्पर्धी है, और रूसी कंपनियां कीमतों को बाजार के अनुरूप समायोजित करती रहती हैं।

आज का राशिफल

मेष- आज आपके भीतर ऊर्जा और उत्साह की कोई कमी नहीं रहेगी। कुछ नया करने की इच्छा आपको आगे बढ़ाएगी और इसका सकारात्मक असर कामकाज के साथ-साथ व्यापार में भी दिखाई देगा। अटके हुए काम तेजी से पूरे हो सकते हैं और कारोबार में नई गति आएगी। नई पार्टनरशिप का विचार है तो जल्दबाजी के बजाय सोच-समझकर कदम बढ़ाएं।

वृषभ- आज मन में किसी बात को लेकर उलझन या चिंता बनी रह सकती है। किसी निर्णय को लेकर डर महसूस हो तो भी धैर्य न खोएं और दूसरों की बातों में आकर जल्दबाजी न करें। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला आपके पक्ष में जाता दिखाई दे सकता है। पानी वाली जगहों पर विशेष सावधानी बरतना बेहतर रहेगा। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को लगातार मेहनत करते रहना होगा। आपकी कोशिशें धीरे-धीरे सफलता की दिशा में बढ़ेंगी।

मिथुन- आज आर्थिक मोर्चे पर अच्छे संकेत मिलेंगे। आय बढ़ाने के नए रास्ते दिखाई दे सकते हैं और भविष्य को लेकर आपका आत्मविश्वास भी मजबूत होगा। ससुराल पक्ष से मुलाकात रिश्तों में गर्मजोशी बढ़ाएगी। परिवार से जुड़ी निजी बातों को दूसरों के साथ साझा करने से बचें, वरना छोटी बात अनावश्यक रूप से बढ़ सकती है। माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए विशेष सहारा बनेगा और पुराने अनुभव आज सही निर्णय लेने में मदद करेंगे।

कर्क- आज प्रगति के साथ सहयोग भी मिलता रहेगा। वरिष्ठ लोगों का मार्गदर्शन मिलने से काम आसानी से पूरे होंगे और आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने की कोशिशों में सफलता मिल सकती है। किसी पुराने दोस्त से अचानक मुलाकात हो सकती है, जिससे पुरानी यादें फिर ताजा हो जाएंगी। संतान से किया हुआ वादा पूरा करना आपके लिए जरूरी रहेगा। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को कोई उत्साह बढ़ाने वाली खबर मिल सकती है।

सिंह- आज भाग्य का साथ मिलने से कई रुके हुए काम दोबारा गति पकड़ सकते हैं। जिन कामों में लंबे समय से अड़चन आ रही थी, उनमें रास्ता खुलता नजर आएगा। हालांकि दूसरों के मामलों में जरूरत से ज्यादा हस्तक्षेप करने से बचें। किसी दूर के रिश्तेदार से जुड़ी खबर मन को थोड़ा उदास कर सकती है। अपनी तरक्की को लेकर आसपास के लोगों की सोच को समझकर आगे बढ़ें।

कन्या- आज आपको हर कदम पर संतुलन और सावधानी बनाए रखने की जरूरत होगी। संतान की संगति पर ध्यान दें और वाहन चलाते समय किसी भी तरह की लापरवाही न करें। पुराने लेन-देन का बोझ कम होने से मन को राहत मिलेगी। अपनी पसंद और शौक की चीजों पर खर्च करने का मन बन सकता है। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी और साथी के साथ कहीं बाहर जाने का अच्छा अवसर भी मिल सकता है।

तुला- आज का दिन रिश्तों की गर्माहट और मानसिक सुकून लेकर आएगा। जीवनसाथी का सहयोग आपको भीतर से मजबूत करेगा और आपसी प्रेम भी बढ़ेगा। संतान आपकी उम्मीदों को पूरा करने की पूरी कोशिश करेगी। छोटे बच्चों के लिए कोई खास चीज खरीदने का मन बन सकता है। माताजी की ओर से मिली जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाना आपके लिए जरूरी रहेगा। दोस्तों के साथ हंसी-मजाक और बातचीत से दिनभर का तनाव काफी कम होगा।

वृश्चिक- आज का दिन उतार-चढ़ाव के बीच प्रगति के अवसर भी लेकर आएगा। विरोधियों पर आपका प्रभाव मजबूत रहेगा और नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। व्यापार से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण काम आपको यात्रा पर भी ले जा सकता है। बस अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में प्रभावशाली लोगों से मुलाकात हो सकती है, जो आगे चलकर आपके लिए उपयोगी साबित होगी।

धनु- आज व्यापार और करियर दोनों के लिहाज से दिन उत्साह बढ़ाने वाला रहेगा। सेहत में पहले की तुलना में सुधार महसूस होगा, लेकिन जरूरत पड़ने पर भी किसी से धन उधार लेने से बचना बेहतर रहेगा। कार्यस्थल पर अपनी बात स्पष्ट और आत्मविश्वास के साथ रखें। कहीं घूमने जाने की योजना बन सकती है।

मकर- आज स्वास्थ्य को लेकर राहत महसूस होगी और माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए सौभाग्य का कारण बनेगा। लंबे समय से अटके काम पूरे होने की उम्मीद है, इसलिए जिम्मेदारियों को टालने के बजाय समय पर पूरा करें। संतान की भावनाओं को समझने की कोशिश करेंगे तो आपसी रिश्ता और मजबूत होगा।

कुंभ- आज आपकी मेहनत का परिणाम साफ दिखाई देगा और आत्मविश्वास पहले से अधिक मजबूत होगा। साहस और पराक्रम बढ़ने से आप बड़े फैसले लेने में खुद को अधिक सक्षम महसूस करेंगे। नौकरी में पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना बन सकती है। पार्टनरशिप से जुड़े कामों में कागजी कार्रवाई बहुत ध्यान से पूरी करें।

मीन- आज दिन सकारात्मक परिणामों से भरा रह सकता है। समझदारी और सोच-विचार के साथ किया गया निवेश भविष्य में अच्छा लाभ दे सकता है। व्यापार में सफलता के अवसर मिलेंगे और रुका हुआ पैसा वापस आने से आर्थिक राहत महसूस होगी। प्रेम जीवन में खुशियां बढ़ेंगी और साथी का साथ मन को सुकून देगा।

शब्दजाल- 8404

शब्दजाल में 'दुनिया की प्राचीन 10 सभ्यताएं' ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

मिस्र, मेसोपोटामिया, सुमेरियन, असीरिया, यूनान, बेबीलोनिया, रोम, चीन, सिंधु घाटी, वैदिक

अ	ज	प	रे	दा	मि	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	यू	न	आ	स्र	वै	द	इ	ह	मे
सिं	व	ना	पू	ग	खा	थ	दि	ग	क	सो
धु	ची	न	ते	वं	ज	का	म	क	त	पो
घा	त	र	दा	री	लं	ग	गो	ग	व	
वै	अ	म	सु	य	अ	पू	न	रो	र	मि
ती	जं	सी	मे	हि	प	नु	श	म	ज	या
क	ल	ग	रि	वि	व	नी	प	ल	न	ण
ने	ब	म	य	या	चि	त्या	री	म	प	क
ज	ग	त	न	ज	ज	त्र	दा	जी	र्य	त
बे	बी	लो	नि	या	ल	ज	र	वा	त	थ

शब्दजाल- 8403 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7338

बायें से दायें:-

१. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-२,२,२
६. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१०. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नतान्या की फिल्म-२
१४. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'तेरी निगाहों पें मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-४
१७. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पान की फिल्म-३
२३. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-५
३१. 'महबूब की मेहंदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-२
३२. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-३
२. 'करीब' में बॉबी की नायिका -२
३. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
४. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'अरे बाब' गीत वाली फिल्म-३
५. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-२
७. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-२,२
९. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-३
११. 'प्यार करना नही' गीत वाली फिल्म-३
१२. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१५. राजेद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'आवारा' की नायिका कौन थी-३
१८. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-३
१९. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-२
२२. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
२४. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-४
२७. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-३
२८. रेमो फर्नाडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-३
३०. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7337

घा	त		स	फ	र		आ	क्रो	श
य			फा		ह	मे	शा		
ल	व	स्टो	री		मा	ला		अं	
	ही			आ	न		आ	जा	द
अं	दा	ज		ई		सं	ग	म	
गा		या	रा	ना		सा			खु
रे	खा		ज		स	र	फ	रो	श
	मो			सु	र		रा		बू
आ	शी	र्वा	द		गा	द	र		
मी			स	न	म			यु	वा

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

28 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2026 वर्ष का 271 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण
तिथि द्वितीया 19.14 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 10.17 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 08.54 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 08.09 बजे तदनन्तर गर 19.14 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 16.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 01° 57'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872846
जूलियन दिन 2461311.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी **तारीख** 16
विशेष लता मंगेशकर जयंती।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	कन्या में	तुला	07.19 बजे से
चंद्र	मेष में	वृश्चिक	09.33 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	11.49 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.54 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	15.41 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	17.14 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.44 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.24 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.22 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.36 बजे से
7.30 से 9.00		सिंह	02.52 बजे से
बजे तक		कन्या	05.04 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: गुरु और शिष्य

एक बार एक विदेशी युवा वैज्ञानिक ने शरीर विज्ञान के माध्यम से आंतरिक रंगों का गहन अध्ययन किया। रंगों का अध्ययन करने के बाद उसने कुछ नए तथ्य खोज निकाले। महान वैज्ञानिक डॉ .सी. वी. रमन को इसका पता चला तो उनमें इसके प्रति उत्सुकता पैदा हुई। वह उस युवा वैज्ञानिक की प्रयोगशाला में जा पहुंचे। तब तक रमन को नोबेल पुरस्कार भी मिल चुका था। जब युवा वैज्ञानिक ने अंतरराष्ट्रीय ख्याति के वैज्ञानिक को अपनी प्रयोगशाला में देखा तो दंग रह गया। उसने रमन का स्वागत करते हुए संकोच के साथ उन्हें बैठने को कहा। लेकिन डॉ . रमन बैठे नहीं। उन्हें खड़ा देखकर युवा वैज्ञानिक बोला, 'सर, आप यहां तक आए हैं, यह मेरा परम सौभाग्य है। मैं तो सपने में भी नहीं सोच सकता था कि आप जैसे महान वैज्ञानिक कभी मेरी प्रयोगशाला में आ सकते हैं। कृपया आप बैठिए।' रमन बोले, 'मेरी विवशता है कि मैं आपके सामने बैठ नहीं सकता। 'युवा वैज्ञानिक ने आश्चर्य से कहा, 'सर, भला आपके साथ ऐसी क्या विवशता है जो आप मेरे सामने बैठ नहीं सकते ? आप तो हर तरह से मुझसे बड़े और सम्मानीय हैं। 'रमन मुस्करा कर बोले, 'आपने रंगों के कुछ नए प्रयोग किए हैं और उसी संबंध में मैं आपसे कुछ ज्ञान प्राप्त करने आया हूं । इसलिए मैं आपका शिष्य हूं और आप मेरे गुरु। भला मैं गुरु के सामने कैसे बैठ सकता हूं ? क्या आप मुझे रंगों के विषय में कुछ ज्ञान देंगे ?' युवा वैज्ञानिक रोमांच और प्रसन्नता से बोला, 'हां सर अवश्य। बताइए मैं कब आपके पास हाजिर हो जाऊं ?' डॉ. रमन बोले, 'ज्ञान मुझे प्राप्त करना है। गुरु शिष्य के पास कभी नहीं आता। शिष्य को गुरु के पास जाना चाहिए। आप अपनी सुविधानुसार मुझे समय बता दीजिए। 'युवा वैज्ञानिक के जीवन का वह सबसे स्वर्णिम क्षण था। उसने डॉ . रमन को समय दिया और मन ही मन उनकी विनम्रता व शालीनता का कायल हो गया।

सूडोकु नवताल- 7647

★★★☆☆ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7646 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 8862

बाएँ से दाएँ

1.लालसा,मांग-3
3.मोटरगाड़ी-4
6.दरवाजे पर दी गई थाप-3
7.मां की माता-2
8.पार्थिव देह-2
10.संजय दत्त,जैकी श्रॉफ, माधुरी की फिल्म-5
12.स्वदेश,जन्मभूमि-3
15.पाबंदी,रोक-3
17.आश्चर्यचकित होना-5
20.नासिका-2
22.आनेवाला दिन-2
23.समतल-3
24.शमशीर, कृपाण -4
25.फिजूल,व्यर्थ-3

ऊपर से नीचे

2.दुर्जन,बेइमान-5
3.जिसके सिर पर बल न हो,गंजा-3
4.साहूकार,व्यापारी-4
5.जांच,परीक्षण-3
7.मां के पिता-2
9.लाश-2
11.तरुणी,किशोरी-3
13.कार्यविधि-3
14.बेइज्जत होना-2-3
15.हाथी साधने वाला -4
16.मेहंदी-2
18.ताकत,जोर-2
19.अभिनेत्री-3
21.कमी-3

शब्द पहेली -8861 का हल

प	र	ब	र	दि	गा	र		
	ब		ह		ड़ी		अ	
आ	ना		मा	ल	वा		दा	म
रा		म	न		न	ल		न
म	ही	ना				ल	की	र
दे		न	स		ह	क		ख
ह	त्या		र	न	र		का	ना
	ग		ह		द		फि	
		ब	द	ना	म	क	र	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

मनरेगा में मजदूरी कर पढ़ाई का खर्च जुटाया, अब बने सहायक प्राध्यापक

घंसा के किसान परिवार के महेश ने MPPSC में लहराया सफलता का परचम 7 नेट में कई बार असफलता के बाद भी नहीं मानी हार, दूसरे प्रयास में गणित विषय में हासिल किया मुकाम

पद्मेश न्यूज। लांजी। गांव के सरकारी स्कूल से पढ़ाई शुरू की। कॉलेज की पढ़ाई का खर्च जुटाने जरूरत पड़ी तो रोजगार गारंटी में काम किया। नेट परीक्षा में बार-बार असफलता मिली। वर्ष 2022 में सेट परीक्षा पास करने के बाद भी भर्ती नहीं हो सकी। लेकिन इन तमाम चुनौतियों के बीच घंसा के किसान परिवार के महेश दमाहे ने हार नहीं मानी। आखिरकार लगातार मेहनत और धैर्य के दम पर मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की सहायक प्राध्यापक परीक्षा में गणित विषय से सफलता हासिल कर ली। उनकी इस उपलब्धि से परिवार के साथ गांव और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

सरकारी स्कूल से शुरू हुआ सफर, अब कॉलेज में पढ़ा रहे

किसान पैकराम दमाहे और नीराबाई दमाहे के पुत्र महेश की प्रारंभिक शिक्षा ग्राम घंसा के शासकीय स्कूल में हुई। इसके बाद उन्होंने उत्कर्ष विद्यालय बालाघाट से शिक्षा प्राप्त की। बीएससी और एमएमसी की पढ़ाई पीजी कॉलेज बालाघाट से पूरी की। वर्तमान में वे शासकीय महाविद्यालय किरनापुर में अध्यापन कर रहे हैं। इससे पहले शासकीय महाविद्यालय लांजी और मलाजखंड में भी अध्यापन का दायित्व संभाल चुके हैं।

असफलताओं को बनाया सफलता की सीढ़ी

महेश के लिए यह सफलता आसानी से नहीं मिली। नेट परीक्षा में कई बार असफल होने के बावजूद उन्होंने तैयारी जारी रखी। वर्ष 2022 में सेट परीक्षा उत्तीर्ण की, लेकिन भर्ती में सफलता नहीं मिली। इसके बाद भी उन्होंने लक्ष्य नहीं बदला। दूसरे प्रयास में MPPSC सहायक प्राध्यापक परीक्षा में सफलता हासिल कर उन्होंने साबित किया कि लगातार प्रयास का कोई विकल्प नहीं है। इस दौरान उन्होंने बीएड भी किया और वर्ग-1 परीक्षा में भी शामिल हुए, जिसका परिणाम अभी प्रतीक्षित है।

खेती के साथ पढ़ाई और अध्यापन का बनाया संतुलन

महेश का परिवार खेती-किसानी से जुड़ा है। पढ़ाई के दौरान आर्थिक परिस्थितियों से जूझते हुए उन्होंने जरूरत पड़ने पर रोजगार गारंटी में भी काम किया। इसके बावजूद पढ़ाई और लक्ष्य से समझौता नहीं किया। खेती-किसानी, अध्यापन और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के बीच संतुलन बनाते हुए उन्होंने अपनी मंजिल हासिल की।

महेश की युवाओं को सीख- असफलता से टूटें नहीं

महेश दमाहे कहते हैं कि असफलता जीवन का अंत नहीं, बल्कि सीखने का अवसर है। बार-बार असफलता मिलने पर भी प्रयास बंद नहीं करना चाहिए। यदि सफलता मिलने में समय लग रहा हो तो रोजगार के लिए पार्ट टाइम काम करते हुए भी अपने लक्ष्य पर ध्यान बनाए रखना चाहिए। अच्छे लोगों का साथ और सकारात्मक माहौल भी सफलता की राह आसान बनाता है।

सेवती में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन हुआ

पद्मेश न्यूज। लांजी/भानेगांव। विद्यार्थियों के बेहतर स्वास्थ्य, शारीरिक विकास और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय रहते पहचान के उद्देश्य से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 25 सितंबर को सरस्वती शिशु मंदिर सेवती में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर के स्वास्थ्य दल ने विद्यालय पहुंचकर विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर के दौरान विद्यार्थियों की ऊंचाई एवं वजन की जांच के साथ हीमोग्लोबिन की भी जांच की गई। स्वास्थ्य कर्मियों ने बच्चों से स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी लेते हुए उनकी सामान्य स्वास्थ्य स्थिति का परीक्षण किया। साथ ही स्वास्थ्य से जुड़ी किसी भी परेशानी को नजरअंदाज न करने और आवश्यकता होने पर समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने के लिए विद्यार्थियों को जागरूक किया। स्वास्थ्य दल ने विद्यार्थियों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने, व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने, नियमित साफ-सफाई रखने तथा स्वस्थ दिनचर्या अपनाने के महत्व के बारे में जानकारी दी। बच्चों को हाथों की स्वच्छता, खान-पान में सावधानी और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर से डॉ. विभा भंडारकर, डॉ. संदीप मेश्राम एवं एएनएम कविता वैद्य उपस्थित रहीं। स्वास्थ्य दल ने विद्यार्थियों की जांच कर उन्हें स्वास्थ्य सुरक्षा से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की। विद्यालय में आयोजित इस स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का उद्देश्य बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ उनकी स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की समय रहते पहचान करना रहा। शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

पाथरगांव आंगनवाड़ी केंद्र में जनभागीदारी का लिया संकल्प

पद्मेश न्यूज। लांजी। सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक सेवा संकल्प अभियान आयोजित किया जा रहा है। इसी अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदेशभर के आंगनवाड़ी केंद्रों में 26 सितंबर से 5 अक्टूबर तक 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों को जनभागीदारी का सशक्त केंद्र बनाते हुए शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इसी क्रम में 26 सितंबर को आंगनवाड़ी केंद्र पाथरगांव-3 में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अंजू रणदिवे एवं सहायिका मीरा मेश्राम द्वारा 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम परियोजना अधिकारी श्रीमती वर्मा एवं पर्यवेक्षक श्रीमती उइके के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। आयोजन में ग्रामीणों, माताओं, बच्चों एवं जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ समीपस्थ शाला की शिक्षिका श्रीमती नेवारे द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के सरपंच अरुण कबीरे ने ग्रामीणों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राही योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठाएं और अन्य लोगों को भी इसके लिए जागरूक करें। कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अंजू रणदिवे के नेतृत्व में जनप्रतिनिधि वार्ड पंच फुलवंता टेकाम एवं शकुनबाई धारणे द्वारा पौधरोपण किया गया। पौधरोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा बच्चों एवं माताओं सहित उपस्थित ग्रामीणों को पोषण, स्वास्थ्य, टीकाकरण, मातृ सहायता एवं महिला कल्याण से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी सरल भाषा में दी गई। साथ ही बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं नियमित देखभाल को लेकर आवश्यक जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम में जस मंडली का भी आयोजन किया गया, जिसमें लाड़ली बहनों, लाड़ली बालिकाओं, माताओं, बच्चों एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। धार्मिक एवं सांस्कृतिक माहौल के बीच ग्रामीणों ने कार्यक्रम का आनंद लिया। आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्र को केवल बच्चों की देखभाल तक सीमित न रखते हुए पोषण, स्वास्थ्य, जागरूकता और जनभागीदारी के केंद्र के रूप में विकसित करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित ग्रामीणों ने आंगनवाड़ी केंद्र की गतिविधियों में सहयोग और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने में सहभागिता का संकल्प लिया।

भानेगांव आंगनवाड़ी केंद्र में मनाया गया 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। भानेगांव। आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-3 भानेगांव में 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्र से बच्चों एवं माताओं का जुड़ाव बढ़ाने के साथ पोषण, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करना रहा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण महिलाओं की सहभागिता रही। पूर्व सरपंच शकुंतला पारधी, पंच संध्या रावते, उषा कुथे एवं पंच कुंती पालेवार की उपस्थिति में आंगनवाड़ी परिसर में आंवला एवं बेल के पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में 6 माह से 3 वर्ष तक के बच्चों की माताओं के साथ गर्भवती महिलाएं भी शामिल हुईं। उन्हें बच्चों एवं गर्भवती माताओं के लिए आवश्यक पोषण आहार, संतुलित भोजन, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। माताओं को बच्चों के नियमित पोषण एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया गया।

बच्चों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

आंगनवाड़ी केंद्र के 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने गीत एवं कविता की प्रस्तुति दी। इसके साथ ही बच्चों के बीच कुर्सी दौड़ जैसी मनोरंजक गतिविधियां भी आयोजित की गईं। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ गतिविधियों में भाग लिया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें कॉपी एवं पेंसिल प्रदान की गई। कार्यक्रम के अंत में बच्चों एवं माताओं को केला तथा मिष्ठान का प्रसाद वितरित किया गया। इससे कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। कार्यक्रम के सफल संचालन में पर्यवेक्षक सपना मेश्राम का मार्गदर्शन रहा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ममता बुराड़े एवं सहायिका दीपाली ठाकरे ने व्यवस्थाओं को संभालते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया। कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र परिसर में बच्चों, माताओं एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से उत्साहपूर्ण वातावरण बना रहा।

भाजपा महिला कार्यकर्ताओं ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का किया सम्मान

पद्मेश न्यूज। लांजी। सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्राम पंचायत बेलगांव में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के पूजन एवं वंदन से हुई। इस दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों में सेवाएं दे रहीं कार्यकर्ताओं का भाजपा महिला कार्यकर्ताओं ने सम्मान किया। बच्चों को कॉपी, पेन और बिस्किट वितरित कर उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और बच्चों की देखभाल में योगदान को सराहा गया। शैक्षणिक सामग्री मिलने पर बच्चों में उत्साह नजर आया। आयोजकों ने कहा कि बच्चों को शिक्षा के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

पौधे रोपकर संरक्षण का लिया संकल्प

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कार्यक्रम स्थल पर पौधरोपण भी किया गया। अतिथियों और कार्यकर्ताओं ने पौधे रोपकर उनके नियमित संरक्षण एवं देखभाल का संकल्प लिया। कहा गया कि पौधरोपण आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ और सुरक्षित पर्यावरण तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

हितग्राहियों से किया संवाद

कार्यक्रम में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थी भी शामिल हुए। जनप्रतिनिधियों ने हितग्राहियों से संवाद कर योजनाओं से मिले लाभ और उनके जीवन में आए बदलावों की जानकारी ली। हितग्राहियों ने योजनाओं से परिवारों को मिले सहयोग के अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा महिला कार्यकर्ता व मनोनीत पार्षद सुशीला दुग्गड़, मंडल उपाध्यक्ष सुनीता रॉय एवं महिला मोर्चा सदस्य प्रेमा राखड़े की प्रमुख उपस्थिति रही। उन्होंने बच्चों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं हितग्राहियों से संवाद करने के साथ पौधरोपण में भी सहभागिता की। आयोजकों ने बताया कि अभियान का उद्देश्य सेवा गतिविधियों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़ना, जरूरतमंदों तक सहयोग पहुंचाना, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाना है।

सेवानिवृत्त शिक्षक लखनलाल उमरे पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम पालड़ोंगरी निवासी एवं सेवानिवृत्त शिक्षक लखनलाल उमरे का 27 सितंबर को सुबह करीब 5 बजे 66 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से गांव सहित क्षेत्र में शोक की लहर छा गई। वे अपने पीछे पत्नी, तीन पुत्रों सहित नाती-पोतों से भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी अंतिम यात्रा 27 सितंबर को पालड़ोंगरी स्थित निवास से निकाली गई, जिसमें इष्ट-मित्र, नाते-रिश्तेदारों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हुए। स्थानीय मोक्षधाम पालड़ोंगरी में दोपहर 12 बजे उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी और श्रद्धांजलि अर्पित की। सेवानिवृत्त शिक्षक लखनलाल उमरे के निधन पर ग्रामीणों एवं परिचितों ने शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

मध्यप्रदेश पुलिस आरक्षक बैण्ड भर्ती-2026 का अंतिम परिणाम जारी

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस आरक्षक (बैण्ड) भर्ती-2026 का अंतिम परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया है। 560 पदों के लिए चयन सूची एमपी ऑनलाइन की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। परीक्षा के लिए कुल 9,468 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। आरक्षक (बैण्ड) की सीधी भर्ती परीक्षा 24 जून से 6 अगस्त 2026 तक भोपाल में आयोजित हुई थी। बैण्ड टेस्ट में सफल अभ्यर्थियों की सूची 12 अगस्त को जारी की गई थी, जिसमें 1,271 अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए पात्र पाए गए। इनका साक्षात्कार 20 से 2 अगस्त तक भोपाल में हुआ। बैण्ड टेस्ट और साक्षात्कार के अंकों को एकीकृत कर 87 प्रतिशत मुख्य भाग में अंतिम परिणाम तैयार किया गया है। इस हिस्से में 14 प्रतिशत ओबीसी पद भी शामिल हैं। नियमानुसार 591 पदों के लिए सूची जारी की जानी थी, लेकिन ईडब्ल्यूएस श्रेणी में विज्ञापित पदों की तुलना में पर्याप्त योग्य अभ्यर्थी नहीं मिलने के कारण 560 पदों की चयन सूची जारी की गई है। समान अंक पाने वाले अभ्यर्थियों की सह-वरिष्ठता आयु के आधार पर निर्धारित की गई है। योग्य होमगार्ड और भूतपूर्व सैनिक अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने पर उनके लिए निर्धारित पद संबंधित श्रेणी के योग्य ओपन अभ्यर्थियों से भरे गए हैं। परिणाम एमपी ऑनलाइन की वेबसाइट पर देखा जा सकता है। विस्तृत जानकारी मध्यप्रदेश पुलिस की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

अमित शाह के प्रस्तावित दौरे को लेकर पुलिस तैयारियों की समीक्षा

भोपाल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित मध्यप्रदेश दौरे और × अक्टूबर से प्रस्तावित नवीन आपराधिक कानूनों पर आधारित प्रदर्शनी की तैयारियों को लेकर डीजीपी कैलाश मकवाणा ने रविवार को पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में साइबर अपराध, आतंकवाद प्रतिरोध, नक्सल उन्मूलन, कानून-व्यवस्था, आपदा प्रबंधन, पुलिस आधुनिकीकरण और पड़ोसी रा'यों के साथ सुरक्षा समन्वय सहित विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने ई-जीरो एफआईआर, 19×0 साइबर हेल्पलाइन, साइबर कमांडो प्रशिक्षण और 'सेफ क्लिक' अभियान की प्रगति की जानकारी दी। बताया गया कि 'सेफ क्लिक' के माध्यम से 8.6 करोड़ लोगों तक जागरूकता पहुंचाई गई है। बैठक में एटीएस की क्षमताओं, विदेशियों एवं अवैध प्रवासियों से जुड़े मामलों, आधुनिक तकनीक के उपयोग तथा अंतररा'यीय समन्वय पर भी चर्चा हुई। अपराध से न्याय तक की प्रक्रिया को लेकर नवीन आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन, ई-साक्ष्य, ई-समन, न्याय श्रुति, मेडिको-लीगल परीक्षण, फॉरेंसिक सेवाओं और 57 मोबाइल फोरेंसिक वैन की जानकारी दी गई। जेल विभाग ने मॉडल जेल अधिनियम-202× और मध्यप्रदेश सुधारात्मक सेवाएं एवं बंदी अधिनियम-2024 से संबंधित व्यवस्थाएं साझा कीं। विशेष पुलिस महानिदेशक पंकज श्रीवास्तव ने प्रदर्शनी की तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि इसमें अपराध की सूचना से लेकर न्याय मिलने तक की प्रक्रिया को स्टॉल, वीडियो, डिजिटल स्क्रीन और मॉडल के जरिए सरल तरीके से प्रदर्शित किया जाएगा। पुलिस, एफएसएल, अभियोजन और जेल विभाग की भूमिका के साथ साइबर जागरूकता, नक्सल उन्मूलन और अन्य जनहितकारी अभियानों को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

सौंदड़ में एनएच-53 पर रोजाना 5 से 10 किमी महाजाम

फ्लाईओवर निर्माण की धीमी रफ्तार - रेलवे फाटक और रॉन्ग साइड ट्रैफिक बना मुसीबत

रवि ठकरानी

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। नागपुर होते हुए मुंबई को कोलकाता से जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 53 सड़क अर्जुनी तहसील के प्रमुख केंद्र सौंदड़ में इन दिनों यातायात संकट का केंद्र बन गया है. गोंदिया-बल्लारशाह रेल लाइन पर स्थित रेलवे फाटक, वर्षों से अधूरा पड़ा फ्लाईओवर, ट्रैक मरम्मत और रॉन्ग साइड से वाहनों की आवाजाही के कारण हाईवे पर रोजाना 5 से 10 किलोमीटर लंबा जाम लग रहा है. कई बार यह जाम 8 से 10 घंटे तक बना रहने से यात्रियों, स्थानीय नागरिकों और भारी वाहनों के चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

सौंदड़ में फ्लाईओवर का निर्माण कोरोना काल से पहले शुरू हुआ था. स्थानीय लोगों के अनुसार, पुरानी ठेकेदार कंपनी की धीमी कार्यप्रणाली के चलते उसे ब्लैकलिस्ट कर काम दूसरी एजेंसी को सौंपा गया. इसके बावजूद निर्माण कार्य अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ सका. जाम की समस्या दूर करने की मांग को लेकर स्थानीय सांसद डा. प्रशांत पडोले और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मौके पर आंदोलन भी किया था. इसके बाद भी फ्लाईओवर का काम लंबे समय से अधूरा है. महाजाम की एक प्रमुख वजह रेलवे फाटक बंद होने के बाद वाहन चालकों द्वारा रॉन्ग साइड से आगे निकलने का प्रयास बताया जा रहा है. कार, बस और भारी वाहन चालक अपनी लेन छोड़कर विपरीत दिशा में घुस जाते हैं. इससे फाटक खुलने के बाद दोनों दिशाओं से आने वाले वाहन आमने-सामने फंस जाते हैं और कुछ ही समय में पूरा हाईवे जाम हो जाता है. फ्लाईओवर निर्माण के दौरान यातायात व्यवस्था संभालने के लिए ठेकेदार की ओर से दोनों छोर पर ट्रैफिक मार्शल और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की व्यवस्था होने की बात कही जाती है. लेकिन, स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कई बार सुरक्षा कर्मी मौके पर मौजूद नहीं रहते. मौजूद रहने पर भी उनके पास यातायात नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों पर कानूनी कार्रवाई का अधिकार नहीं होने से वे प्रभावी नियंत्रण नहीं कर पाते. गोंदिया-बल्लारशाह रेल मार्ग पर ट्रैक मरम्मत के कारण ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित होने की बात सामने आ रही है. स्थानीय लोगों के अनुसार, सौंदड़ से गोंगले करीब 17 किमी और सौंदड़ से देवलगांव करीब 20 किमी दूर है. ट्रेनों के परिचालन के दौरान कई बार ट्रेन के सौंदड़ पहुंचने से पहले ही रेलवे फाटक बंद कर दिया जाता है. सिंगल लाइन होने के कारण एक ट्रेन के बाद दूसरी और कई बार तीसरी ट्रेन के गुजरने तक फाटक बंद रहता है. इससे कई बार फाटक 20 से 30 मिनट या उससे भी अधिक समय तक बंद रहता है. जानकारी के अनुसार, इस मार्ग से 24 घंटे में मेमू लोकल, सुपरफास्ट एक्सप्रेस और मालगाड़ियों सहित करीब 30 से 35 ट्रेनें गुजरती हैं. ऐसे में फाटक दिनभर कई बार बंद होने से हाईवे पर यातायात का दबाव लगातार बढ़ता रहता है. नागरिकों का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं. ऐसे में सौंदड़ की यातायात समस्या केवल स्थानीय परेशानी नहीं, बल्कि पूर्व-पश्चिम आवागमन से जुड़ा गंभीर मुद्दा बन चुकी है. प्रशासन, रेलवे, एनएचएआई, पुलिस और निर्माण एजेंसी के बीच समन्वित व्यवस्था के बिना इस जाम से स्थायी राहत मिलना मुश्किल है।

गांव की संकरी सड़कों पर पहुंच रहे भारी वाहन

फाटक खुलने के बाद आगे निकलने की होड़ में हाईवे पर दोनों ओर कई किलोमीटर तक वाहनों की कतार लग जाती है. जाम से बचने के लिए कार, बस, ट्रैवल्स और भारी वाहन सौंदड़ गांव की अंदरूनी तथा ग्रामीण सड़कों का इस्तेमाल करने लगते हैं. स्थानीय नागरिकों का कहना है कि गांव की सड़कें भारी वाहनों के आवागमन के लिए पर्याप्त चौड़ी और मजबूत नहीं हैं. इससे दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है. स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और पैदल चलने वाले ग्रामीणों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

2 से 10 अक्टूबर के बीच एक लेन खोलने की चर्चा

बताया जा रहा है कि 2 से 10 अक्टूबर के बीच फ्लाईओवर की एक लेन यातायात के लिए खोली जा सकती है. लेकिन, स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों का कहना है कि पुल के ऊपरी हिस्से की फिनिशिंग, सर्विस रोड तथा अन्य जरूरी काम अभी बाकी हैं. ऐसे में एक लेन शुरू होने की वास्तविक स्थिति पर भी सवाल बने हुए हैं।

स्थायी समाधान तक कड़े यातायात प्रबंधन की मांग

स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों की मांग है कि फ्लाईओवर का काम पूरा होने तक रेलवे फाटक और डायवर्जन प्वाइंट पर 24 घंटे पुलिस बंदोबस्त किया जाए, रॉन्ग साइड से वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और भारी जुर्माना लगाया जाए, साथ ही ठेकेदार की ओर से मजबूत बैरिकेड्स व डिवाइडर लगाए जाएं और प्रशिक्षित ट्रैफिक मार्शल की नियमित तैनाती सुनिश्चित की जाए।

बाढ़ से घिरे गांव से गर्भवती को समय रहते निकाला

स्वास्थ्य टीम बनी 'देवदूत' : सुरक्षित 'माहेरघर' पहुंचाकर बचाया संभावित संकट

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। देवरी तहसील में पिछले दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के चलते कई गांवों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है और कुछ गांवों का संपर्क भी टूट गया है. ऐसे कठिन समय में स्वास्थ्य विभाग की सतर्कता से सलियाटोला की एक गर्भवती महिला को बाढ़ का खतरा बढ़ने से पहले सुरक्षित रूप से मुल्ला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचाया गया। मुल्ला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत आने वाले फुक्कीमेटा उपकेंद्र के सलियाटोला गांव में बाढ़ का पानी भरने से आवागमन प्रभावित है. गांव की 25 वर्षीय गर्भवती रेखा भोलाराम मड़ावी की प्रसूति की संभावित तारीख 5 अक्टूबर निर्धारित थी. गांव के चारों ओर बाढ़ का पानी होने के कारण समय पर चिकित्सा सहायता मिलना मुश्किल हो सकता था. स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने समय रहते महिला को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का निर्णय लिया. मुल्ला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी डा. सुनील येरणे और डा. वंजारी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य टीम ने परिवार से संपर्क किया. चिकित्सा अधिकारी डा. सुजाता ताराम, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी लता आवारी, स्वास्थ्य सेविका मनीषा पड़ोले, स्वास्थ्य सेवक के.डी. फरदे, वाहन चालक विजय भेलावे व आशा सेविका लता उईके ने परिवार का समुपदेशन किया. टीम ने परिवार को समझाया कि बाढ़ की स्थिति और प्रसूति की तारीख नजदीक होने के कारण महिला को पहले ही सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना जरूरी है. स्वास्थ्य टीम के समझाने के बाद परिवार ने सहमति दी. जिसके बाद गर्भवती महिला को मुल्ला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के 'माहेरघर' में सुरक्षित रूप से भर्ती कराया गया. योजना के तहत प्रसूति तक महिला के ठहरने, भोजन और नियमित स्वास्थ्य जांच की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

दुर्घटना में युवक घायल

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। देवरी थाने के तहत संजय नगर वार्ड क्र.9 निवासी चैतन्य बहादुर धुर्वे (26) स्कूटी से घुमने के लिए जा रहा था. इसी बीच बौद्ध विहार देवरी के आगे देवरी निवासी आरोपी चालक प्रवीण शहारे (30) ने अपनी मोटरसाइकिल लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए स्कूटी को टक्कर मार दी. जिसमें चैतन्य घायल हो गया. फिर्यादी लता बहादुर धुर्वे (48) की शिकायत पर देवरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार बडोले कर रहे हैं।

मोटरसाइकिल चोरी

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। तिरोड़ा थाने के तहत संत सज्जन वार्ड निवासी फिर्यादी सचिन झामलाल पटले (32) की मोटरसाइकिल अज्ञात व्यक्ति ने ट्रेझरी ऑफिस तिरोड़ा के पीछे से चुरा ली. फिर्यादी की शिकायत पर तिरोड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार नामुर्ते कर रहे हैं।

गालीगलौज कर दी धमकी

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। डुग्गीपार थाने के तहत बडेगांव निवासी फिर्यादी राजेश विठ्ठल कठाणे (46) अपने राज कम्प्युटर इंस्टिट्यूट सड़क अर्जुनी में था. इसी बीच तिड़का निवासी आरोपी हर्षकुमार विकास सेलोकर (28) वहां आया व मैं ने किए हुए एमएससीआईटी कोर्स के पैसे मुझे लौटा, ऐसा कहते हुए गालीगलौज की. साथ ही तेरी गाड़ी की तोड़फोड़ कर तुझे जान से मार दुंगा, ऐसी धमकी दी. फिर्यादी की शिकायत पर डुग्गीपार पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार दीपक खोटेले कर रहे हैं।

तड़ीपार अपराधि पर मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। शहर थाने के तहत मालवीय वार्ड श्रीनगर निवासी आरोपी अभिषेक उर्फ अंडा मनोज पांडे (26) को उपविभागीय दंडाधिकारी तथा उपविभागीय अधिकारी के आदेश पर तीन माह के लिए तड़ीपार किया गया था. लेकिन वह इस अवधि दौरान गोंदिया में पाया गया. फिर्यादी सहायक पुलिस निरीक्षक वैभव गेडाम के शिकायत पर उसके खिलाफ शहर थाने में मामला दर्ज किया गया. जांच कमलेश शहारे कर रहे हैं।

न्यू फ्रेंड्स गणेश उत्सव मंडल गणेश प्रतिमा विसर्जन शोभायात्रा व आकर्षक आतिशबाजी 30 सितंबर को

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। न्यू फ्रेंड्स गणेश उत्सव मंडल द्वारा 35 वर्षों से भगवान गणेशजी की स्थापना कर भव्य शोभायात्रा का आयोजन व आकर्षक आतिशबाजी की जाती है. उसी के अंतर्गत इस वर्ष बुधवार, 30 सितंबर को पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल की प्रमुख उपस्थिति में शाम 6.30 बजे गुरुनानक गेट वह अन्य दो स्थानों पर शिवाकाशी की भव्य आकर्षक आतिशबाजी का आयोजन किया गया है।

न्यू फ्रेंड्स गणेश उत्सव मंडल गौशाला वार्ड द्वारा संरक्षक राकेश ठाकुर के नेतृत्व में गत 35 वर्षों से भव्य गणेश प्रतिमा गोंदिया के महाराजा की स्थापना कर 10 दिनों तक विभिन्न धार्मिक, सामाजिक व जनजागृति के कार्यक्रमों का आयोजन करने के पश्चात भव्य शोभायात्रा, शिवाकाशी की आकर्षक आतिशबाजी की जाती है. इस वर्ष न्यू फ्रेंड्स गणेश उत्सव मंडल द्वारा का शोभायात्रा व भव्य आतिशबाजी का आयोजन 30 सितंबर को आयोजन किया गया है. जिसमें शाम 5.30 बजे गौशाला वार्ड से बप्पा की विदाई, 6.30 बजे गुरुनानक गेट के सामने पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल की प्रमुख उपस्थिति में शिवाकाशी की भव्य आतिशबाजी की जाएगी. उल्लेखनीय है कि आतिशबाजी का आयोजन संपूर्ण शोभा यात्रा के दौरान तीन स्थानों पर किया गया है. जिसमें सर्व प्रथम गुरुनानक गेट, उसके पश्चात गांधी प्रतिमा पर आतिशबाजी की जाएगी व शोभायात्रा समापन 9.30 बजे नेहरू प्रतिमा पर आतिशबाजी होगी. शोभायात्रा गौशाला वार्ड से डाक्टर गुप्ता चौक, मोदी पेट्रोल पंप, गुरुनानक गेट, अग्रसेन गेट ,गांधी प्रतिमा, नगर परिषद, चांदनी चौक, गोयल चौक, इसरका मार्केट, दुर्गा चौक. गोरेलाल चौक से होते हुए स्टेडियम नेहरू चौक के समीप पहुंचेगी जहां भव्य आतिशबाजी के पश्चात बप्पा की प्रतिमा का विसर्जन रजेगांव घाट में करने के लिए प्रस्थान करेंगे. शोभायात्रा के दौरान प्रतिवर्ष अनुसार आकर्षक भव्य स्वचालित छत्तीसगढ़ की झांकियां जिसमें प्रथम पूज्य श्री गणेशजी, शंकर जी, विष्णु जी, नरसिंग भगवान के साथ भगवान श्री राम, हनुमान जी की स्वचालित झांकियां उड़ीसा के नगाड़े व डी.जे धुमाल वह बैंड बाजे आकर्षण का केंद्र रहेंगे. शोभायात्रा व भव्य आतिशबाजी में अधिक से अधिक नागरिकों के शामिल होने का आवाहन न्यू फ्रेंड्स गणेश उत्सव मंडल के संयोजक राकेश ठाकुर ने किया है।

छत्तीसगढ़ राज्य की प्रथम स्थान प्राप्त कांतारा झांकी

छत्तीसगढ़ राज्य के राजनांदगांव की कांतारा झांकी जो छत्तीसगढ़ राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर चुकी है, वह भी इस शोभायात्रा में प्रमुख रूप से शामिल होंगी जो शहर वासियों के लिए एक भव्य आकर्षक का केंद्र रहेंगी।

देवरी में गुटखा-तंबाकू के खिलाफ छापामार कार्रवाई

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत केटीएस जिला सामान्य अस्पताल, गोंदिया की टीम ने देवरी शहर में तंबाकू और तंबाकूजन्य पदार्थों की बिक्री व सेवन के खिलाफ कार्रवाई की. टीम ने विभिन्न सार्वजनिक स्थानों और 20 पानठेलों पर जांच करते हुए नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की. इस दौरान कुल 4 हजार रु. का जुर्माना वसूला गया। शासकीय कार्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू व तंबाकूजन्य पदार्थों का सेवन और उन्हें रखना प्रतिबंधित है. अभियान के दौरान टीम ने दुकानदारों को तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों की जानकारी दी. साथ ही धूम्रपान निषिद्ध क्षेत्र संबंधी पोस्टर व जागरूकता सामग्री वितरित की गई. जिला शल्य चिकित्सक डा. पुरुषोत्तम पटले, अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डा. तृप्ती कटरे और पुलिस निरीक्षक गणेश वनारे के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई. जिला सलाहकार डा. ज्योति राठौड़ ने बताया कि तंबाकू और गुटखा रखने अथवा सेवन करने वालों के खिलाफ कोटपा अधिनियम 2003 के तहत दंडात्मक कार्रवाई कर 4 हजार रु. का जुर्माना वसूला गया. कार्रवाई में मनोवैज्ञानिक सुरेखाआजाद मेश्राम, सामाजिक कार्यकर्ता संध्या शंभरकर, दंत तकनीशियन यश जयस्वाल, दंत सहायक विवेकानंद कोरे, पीएसआई विश्वनाथ मरस्कोल्हे सहित पुलिस विभाग के कर्मचारी शामिल थे।

पांच राजस्व मंडलों में बारिश की भारी कमी

बारिश अच्छी, फिर भी धान संकट में - कीट-रोग का प्रकोप

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। गोंदिया जिले में इस वर्ष मानसून मेहरबान रहा और अब तक जिले में संतोषजनक बारिश दर्ज की गई है. इसके बावजूद लगातार बादल छाए रहने से धान की फसल पर संकट गहराता जा रहा है. कीट और रोगों के प्रकोप से कई क्षेत्रों में फसल को भारी नुकसान पहुंचा है. खेतों में फसल की स्थिति देखकर उत्पादन 50 प्रश. से भी कम रहने की आशंका जताई जा रही है. ऐसे में राज्य सरकार द्वारा घोषित सूखाग्रस्त तहसीलों की पहली सूची में गोंदिया जिले से केवल तिरोड़ा तहसील को शामिल किए जाने से अन्य प्रभावित क्षेत्रों के किसानों में भी चिंता बढ़ गई है।

जिले में अब तक करीब 1,136.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है. सबसे अधिक बारिश गोरेगांव तहसील में, जबकि सबसे कम बारिश तिरोड़ा तहसील में दर्ज हुई है. बारिश के लिहाज से स्थिति संतोषजनक दिखाई देती है, लेकिन लगातार बने बादल और वातावरण में नमी के कारण धान की फसल पर कीट व रोगों का प्रकोप बढ़ा है. किसानों के अनुसार, फसल को बचाने के लिए पिछले एक महीने से लगातार कीटनाशकों का छिड़काव किया जा रहा है. इसके बावजूद कई खेतों में फसल पूरी तरह प्रभावित हो चुकी है. कीटनाशकों पर खर्च बढ़ने के बाद भी अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने से किसानों की चिंता बढ़ गई है. पर्जन्यमान के आधार पर शासन-प्रशासन के प्राथमिक आकलन में जिले की स्थिति सामान्य दिखाई देती है. लेकिन, किसानों का कहना है कि खेतों की वास्तविक स्थिति अलग है. लगातार बारिश और बादलयुक्त मौसम के कारण धान की फसल में विभिन्न रोगों का प्रकोप बढ़ा है. कई क्षेत्रों में फसल को बचाना मुश्किल हो रहा है. राज्य के कई जिलों में कम बारिश के कारण सूखे की स्थिति बनी है. इसके विपरीत गोंदिया में अधिक बारिश और लगातार नमी के कारण धान उत्पादक किसानों के सामने अलग तरह का संकट खड़ा हो गया है. जिले के पांच राजस्व मंडलों में औसत पर्जन्यमान की तुलना में बारिश काफी कम हुई है. जिसमें देवरी तहसील के मुल्ला राजस्व मंडल में 74.4 प्रश., गोंदिया के रावणवाड़ी राजस्व मंडल में 72.3 प्रश. दासगांव के राजस्व मंडल में 79.9 प्रश., आमगांव तहसील के तिगांव राजस्व मंडल में 73.6 प्रश. व ठाणा के राजस्व मंडल में 58.1 प्रश. बारिश दर्ज की गई है. इन क्षेत्रों में भी बारिश की कमी का असर खेती पर दिखाई दे रहा है. किसानों का कहना है कि ऐसे राजस्व मंडलों में फसल की स्थिति का अलग से सर्वेक्षण कर वास्तविक नुकसान का आकलन किया जाना चाहिए।

किसानों के सामने दोहरी मार

एक ओर जहां कुछ क्षेत्रों में बारिश की कमी से फसल प्रभावित हुई है, वहीं लगातार बादल और नमी के कारण अन्य क्षेत्रों में कीट व रोगों का प्रकोप बढ़ गया है. ऐसे में जिले के किसानों के सामने उत्पादन घटने के साथ ही कीटनाशक, मजदूरी और अन्य कृषि खर्च बढ़ने की दोहरी मार है।

हथियार लेकर घूम रहे युवक को पकड़ा

सालेकसा पुलिस की कार्रवाई

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। सालेकसा पुलिस ने अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई के लिए चलाए जा रहे गश्ती अभियान के दौरान एक युवक को लोहे के धारदार हथियार गुप्ति के साथ पकड़ लिया. पकड़े गए युवक का नाम गांधीटोला निवासी सोहन सुकराम भांडारकर (24) बताया गया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गांधीटोला निवासी सोहन भांडारकर अपने घर के आसपास हथियार लेकर घूम रहा है. सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची. इस दौरान युवक को हथियार के साथ घूमते हुए पकड़ लिया गया. पुलिस ने उसके पास से लोहे की गुप्ति बरामद की. इस मामले में सालेकसा थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की गई है. यह कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक रवि नागोसे, सहायक पुलिस निरीक्षक महेंद्र गवई, हवलदार गणेश सोंजाल, कृष्णा कानसकर, विकास वेदक, जयसिंग बैस व अमित लांडगे की टीम ने की।

ग्राम कृषि विकास की तैयारियां तेज 196 सरपंचों को प्रशिक्षण

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर है. किसानों की आय और कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना के दूसरे चरण को मंजूरी दी गई है. इसके तहत गोंदिया जिले के 293 गांवों का चयन किया गया है. ग्राम कृषि विकास समितियों के माध्यम से परियोजना को लागू करते हुए, जल उपयोग, मृदा व जल संरक्षण तथा फसल उत्पादन बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

परियोजना में जिले की कुल आठ तहसीलों के चयनित गांवों को शामिल किया गया है. इनमें गोंदिया तहसील के 57, आमगांव के 39, देवरी के 34, सड़क अर्जुनी के 16, सालेकसा के 36, अर्जुनी मोरगांव के 24, गोरेगांव के 42 व तिरोड़ा के 45 गांव शामिल हैं. परियोजना के तहत आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने, पानी के अधिकतम उपयोग के लिए उपाययोजना तैयार करने, फसल उत्पादन बढ़ाने, पौष्टिक अनाज की खेती को प्रोत्साहित करने तथा मृदा व जल संरक्षण से जुड़े कार्यों पर जोर दिया जा रहा है. गांवों की स्थानीय जरूरतों के अनुसार विकास आराखड़ा तैयार किया जाएगा. गांव के प्रथम नागरिक के रूप में परियोजना के क्रियान्वयन में सरपंचों को महत्वपूर्ण भूमिका दी गई है. योजना की कार्यप्रणाली और जिम्मेदारियों की जानकारी देने के लिए यशदा, पुणे की मान्यता से 196 सरपंचों को प्रशिक्षण दिया गया है. प्रत्येक चयनित गांव में परियोजना के लिए चार स्वयंसेवकों की नियुक्ति की जाएगी. इनमें दो महिला स्वयंसेवक शामिल रहेंगी. स्वयंसेवकों को पानी फाउंडेशन के प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया है।

छह गांवों का एमएलपी पूरा

अब तक छह गांवों का एमएलपी पूरा हो चुका है. हालांकि, गांवों के कोड से संबंधित समस्या के कारण कुछ स्थानों पर वाटर बजट की जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है. दो गांवों में आंतरिक राजनीतिक परिस्थितियों के कारण प्रक्रिया प्रभावित हुई है, जबकि अन्य गांवों के एमएलपी अनुमोदन के लिए रखे गए हैं।

नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना के दूसरे चरण में गोंदिया जिले के 293 गांवों का चयन किया गया है. चयनित गांवों में कृषि विकास, जल प्रबंधन और मृदा संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है. परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सरपंचों को प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि वे गांव की जरूरतों के अनुसार विकास आराखड़ा तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभा सकें।

निलेश कानवड़े, जिला कृषि अधीक्षक, गोंदिया

84.66 लाख रु. का धान-बारदाना गबन

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। तहसील के अदासी स्थित विविध कार्यकारी सेवा सहकारी संस्था मर्यादित के माध्यम से किसानों से खरीदे गए धान में हेराफेरी और पुराने-नए बारदाने के अपहार के मामले में ग्रामीण पुलिस ने संस्था के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, संचालकों सहित 15 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. जानकारी के अनुसार, इस प्रकरण में कुल 84 लाख 66 हजार 172 रु. की शासकीय संपत्ति के अपहार का आरोप लगाया गया है. जिला पणन अधिकारी मनोज व्ही. बाजपेयी की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार, संस्था ने किसानों से कुल 42,700.40 क्विंटल धान खरीदा था. इसमें से जिला पणन कार्यालय द्वारा मिलर्स को जारी डिलीवरी ऑर्डर के आधार पर 40,270.51 क्विंटल धान की ही उठाव प्रक्रिया पूरी हुई. शेष 2,429.89 क्विंटल धान को कथित रूप से आपस में मिलीभगत कर अन्यत्र बिक्री अथवा अवैध रूप से विल्हेवाट किए जाने का आरोप है. शिकायत में 2,429.89 क्विंटल शेष धान की कीमत और दंडात्मक वसूली सहित कुल 70,70,980 रु. बताई गई है. इसके अलावा 32,508 पुराने बारदाने की कीमत 11,05,272 रु. तथा 4,000 नए बारदाने की कीमत 2,89,920 रु. बताई गई है. इस प्रकार धान और बारदाने सहित कुल 84 लाख 66 हजार 172 रु. की शासकीय संपत्ति के कथित अपहार का उल्लेख शिकायत में किया गया है. इस मामले में संस्था अध्यक्ष तिलकचंद जगतराम पटले (45), उपाध्यक्ष संजय सेवकराम शहारे (40), संचालक महादेव रामाजी मेश्राम (35), शंकर निलकंठ कुरंजेकर (40), सेवकराम रूपचंद चौधरी (36), अनिल मारोती खोटेले (45), शामा मारोती खोटेले (43), जगदीश रामप्रसाद हत्तीमारे (44), गंगाराम जयपाल कवार (42), रंजु श्रीराम निखाडे (44), हिराबाई सुखदेव चौधरी (45), तालीकराम नत्थु पारधी (39), संजय चंद्रप्रकाश खंडेलवाल (45) नियंत्रक बिके बोरकर (46) व ग्रेडर ओमेश्वर सुखदेव चौधरी (45) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया. जांच सहायक पुलिस निरीक्षक भोसले कर रहे हैं।

एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में आज होगा भारत और अफगानिस्तान का मुकाबला

नगोया । भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम सोमवार को एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को यहां रैंकिंग के आधार पर सीधे ही क्वार्टर फाइनल में प्रवेश मिला है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार हालांकि जापान की धरती पर मिलने वाली अनूठी चुनौतियों के कारण वह अफगान टीम को हल्के में नहीं लेगी। भारतीय टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों का लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। जिस प्रकार यहां हाल ही में जापान की टीम के खिलाफ एक मैत्री मैच में भारतीय टीम के बल्लेबाज सानो की टर्निंग पिच पर संघर्ष करते दिखे थे।

टोक्यो से नागोया तक बुलेट ट्रेन का सफर कर पहुंचे भारतीय खिलाड़ियों ने इस यात्रा का भरपूर आनंद लिया, जो उनके लिए एक नया और सुखद अनुभव रहा। क्रिकेट नहीं खेलने वाले देश में पहली बार खेलना अधिकांश खिलाड़ियों के लिए रोमांचक अनुभव है। नागोया पहुंचने के दौरान बीसीसीआई की वेबसाइट पर श्रेयस अय्यर ने इस अनुभव को खूबसूरत बताया। भारत ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी मजबूत टीम भेजी है, जिसमें अय्यर के अलावा जसप्रीत बुमराह, ईशान किशन, अभिषेक शर्मा और अक्षर पटेल जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय क्रिकेट की मौजूदा गहराई को देखते हुए, कुछ विशेषज्ञों ने इस फैसले पर सवाल उठाए थे, उनका मानना था कि टीम का मुख्य लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप कप पर होना चाहिए। हालांकि, टीम का लक्ष्य स्पष्ट है- स्वर्ण पदक से कम कुछ भी नहीं।

दूसरी ओर हाल ही में भारत दौरे में तीन मैच हारने से अफगानिस्तान की टीम का मनोबल गिरा हुआ है। इसलिए दारविश रसूली की कप्तानी में टीम नए खिलाड़ियों के थ उतरी है। इस टीम में छह खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर खेलेंगे। अफगानिस्तान पहले ही टूर्नामेंट में दो मैच खेल चुका है; उसने जापान को हराया लेकिन नेपाल के खिलाफ उसे हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में

सभी की निगाहें 15 वर्षीय युवा प्रतिभाशाली वैभव सूर्यवंशी पर टिकी हैं, जो टीम के सबसे युवा सदस्य हैं, हालांकि अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की मौजूदा फार्म को देखते हुए उन्हें मौका मिलने की उम्मीद कम ही है। भारत को स्वर्ण पदक जीतने के लिए सिर्फ तीन जीत दर्ज करनी होंगी, और टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ इस चुनौती के लिए तैयार है।

दोनो ही टीमें इस प्राकर है :-

भारत : श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, नीतिश कुमार रेड्डी, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, ईशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, वैभव सूर्यवंशी , विपराज निगम, यश ठाकुर

अफगानिस्तान : दारविश रसूली (कप्तान), मोहम्मद इशाक, इमरान मीर, नजीबुल्लाह जदरान, इस्मत आलम, करीम जनत, नांगेयालिया खरोटी, अब्दुल्लाह अहमदजइ, खालिद तानीवाल, मोहम्मद अकरम, फरीदून दाउदजइ, फरमानुल्लाह सफी, हसन इसाखिल, फैसल शिनोजादा, अरब गुल मोमांद।

अनाहत एशियाई खेलों के फाइनल में हारी, ओलंपिक का टिकट भी हाथ से निकला

नगोया। भारत की महिला स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह को एशियाई खेलों के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। इस हार के साथ ही अनाहत के हाथों से ओलंपिक में खेलने का अवसर भी निकल गया। हांगझोऊ में आयोजित इस स्पर्धा के फाइनल में 18 साल की अनाहत को मलेशिया की अनुभवी शिवसंगरी सुब्रमण्यम ने सीधे गेमों में 3-0 से हरा दिया। इससे अनाहत को रजत पदक ही मिल पाया। इस हार से अनाहत का ओलंपिक खेलने के सपना भी टूट गया। यहां स्वर्ण जीतने पर उन्हें ओलंपिक टिकट मिलता जो अब नहीं मिलेगा। स्क्वैश को पहली बार 2028 लास एंजिल्स ओलंपिक खेलों में शामिल किया जा रहा है, और इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनने का मौका अनाहत ने खो दिया।

फाइनल मुकाबले में शिवसंगरी ने अपने अनुभव और सटीक रणनीति का शानदार प्रदर्शन करते हुए अनाहत पर शुरू से ही दबाव बना दिया और मैच के तीनों गेम 11-4, 11-4 और 11-7 के स्कोर से जीत लिए। अपनी आक्रामक शैली और कोर्ट पर ऊर्जा के लिए जानी जाने वाली अनाहत ने मलेशियाई प्रतिद्वंद्वी के सामने अपनी लय हासिल कर वापसी के प्रयास किये पर असफल रहीं। । मैच के दौरान शिवसंगरी ने अनाहत को लगातार विनर्स लगाने का कोई बड़ा मौका नहीं दिया और अपनी सधी हुई खेल शैली से उन पर लगातार आक्रमण जारी रखा। इस रणनीति ने अनाहत को अपनी स्वाभाविक खेल शैली में आने का अवसर ही नहीं दिया, जिससे वह वापसी करने में विफल रहीं।

इससे पहले अनाहत ने शनिवार को जापान की दुनिया की छठे नंबर की खिलाड़ी सातोमी वातानाबे को सेमीफाइनल में हराया था। फाइनल में वह अपनी लय में नहीं दिखीं। वहीं फाइनल में मलेशियाई खिलाड़ी शिवसंगरी ने अपनी रणनीति को पूरी तरह से अमल में लाया। शिवसंगरी ने अनाहत-सातोमी सेमीफाइनल को करीब से देखा था और उसी के आधार पर अपनी रणनीति बनाई, जिससे वह भारतीय खिलाड़ी को अपनी सहज खेल शैली में आने से रोकने में पूरी तरह सफल रहीं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय में सिराज को जगह नहीं मिलने से सभी हैरान

तिरुवनंतपुरम । भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आज से यहां शुरु हुई सीरीज के पहले ही मैच में कई बदलाव कर सभी को हैरान कर दिया। भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अवसर नहीं मिलने से सभी हैरान रह गये। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ की वापसी से उन्हें कुछ राहत मिली। कई विश्लेषकों का मानना था कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण संभालेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल दो ही मुख्य तेज गेंदबाजों प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार के साथ मैदान में उतरी है। प्रसिद्ध कृष्णा के पास 28 एकदिवसीय मैचों का अनुभव है पर युवा गुरनूर बरार ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में केवल 6 ही मुकाबले खेले हैं, जिससे उनका अनुभव काफी कम है। वहीं, 50 एकदिवसीय मैचों का अनुभव रखने वाले सिराज को जगह नहीं मिली।

पीटरसन एकदिवसीय विश्वकप के लिए इंग्लैंड के विशेष सलाहकार बने

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन को टीम का विशेष सलाहकार नियुक्त किया गया है। वह अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप की तैयारी पर नजर रखेंगे। मौजूद जानकारी के अनुसार, पीटरसन श्रीलंका के खिलाफ होने वाली छह मुकाबलों की श्रृंखला से टीम के साथ जुड़ेंगे। इंग्लैंड को श्रीलंका के खिलाफ तीन टी20 और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेलने हैं। इसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के दौरों पर भी टीम के साथ काम करेंगे। विश्व कप से पहले पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखलाओं में भी उनकी भूमिका जारी रहेगी माना जा रहा है कि ने ईसीबी ने पीटरसन को जिम्मेदारी देने के पीछे दक्षिण अफ्रीका में उनके अनुभव को भी अहम कारण बताया है। पीटरसन का जन्म और पालन-पोषण दक्षिण अफ्रीका में हुआ है और अगला 50 ओवर का विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है। ऐसे में वहां के हालातों और क्रिकेट माहौल की उनकी समझ इंग्लैंड के लिए उपयोगी मानी जा रही है।

पीटरसन इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के साथ सलाहकार के तौर पर काम कर चुके हैं। 2023 की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान वह कुछ समय के लिए इंग्लैंड के बल्लेबाजों के साथ भी काम कर चुके हैं। हालांकि, 2018 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदाई के बाद उनका ज्यादातर समय प्रसारण और क्रिकेट विश्लेषण में बीता है दिलचस्प बात यह है कि पीटरसन पिछले कुछ समय में इंग्लैंड की टीम व्यवस्था के आलोचक भी रहे हैं।

टेस्ट में सबसे तेज 13000 रन बनाने वाले 5 बल्लेबाजों में दो भारतीय भी शामिल

मुम्बई । टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 13000 रन बनने वाले विश्व के पांच बल्लेबाजों में दो भारतीय भी शामिल है। इस विशिष्ट सूची में भारत के सचिन तेंदुकर और राहुल द्रविड़ के अलावा, दक्षिण अफ्रीका के जैक कालिस और ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग व इंग्लैंड के जो रूट भी शामिल हैं। सबसे पहले ये उपलब्धि सचिन ने हासिल की थी। सचिन को इस आंकड़े तक पहुंचने में 20 साल और 63 दिन का समय लगा था। उन्होंने साल 2010 में बांग्लादेश के खिलाफ 163 वें टेस्ट मैच की 266वीं पारी के दौरान सबसे तेजी से 13,000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कर लिया। वहीं इस सूची में दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर जैक्स कैलिस हैं। कैलिस ने 2 जनवरी 2013 को न्यूजीलैंड के खिलाफ केप टाउन में यह उपलब्धि हासिल की। अपने डेब्यू के 17 साल और 19 दिन बाद, 159वें मैच की 269वीं पारी में कैलिस ने 13,000 रनों का आंकड़ा पार किया। इस प्रकार

उन्होंने 13000 तक पहुंचने के लिए सचिन से केवल 3 पारियां अधिक खेली।

इसी सूची में तीसरा नाम ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तानो रिकी पोंटिंग को है। पोंटिंग ने . 24 जनवरी 2012 को भारत के खिलाफ एडिलेड ओवल के ऐतिहासिक मैदान पर अपने 13,000 रन 162वां मैच की 275वीं पारी में पूरे किये। अपने डेब्यू से लेकर इस पड़ाव तक पहुंचने में उन्हें 16 साल और 47 दिन का समय लगा।

इसके बाद नाम आता है भारत के मिस्टर भरोसेमंद कहे जाने वाले राहुल द्रविड़ था।

द्रविड़ ने 22 नवंबर 2011 को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में वेस्ट इंडीज के खिलाफ खेलते हुए अपने करियर के 160वें मैच की 277वीं पारी में अपने 13,000 रन पूरे किए। डेब्यू से लेकर इस पड़ाव तक पहुंचने में उन्हें 15 साल और 155 दिन लगे। क्रीज पर टिककर खेलने के कारण ही वह यहां तक पहुंच पाये।

वर्तमान समय के क्रिकेटरों की बात करें तो इस सूची में एकमात्र नाम इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रुट का है। 13 दिसंबर 2012 को भारत के खिलाफ नागपुर में अपने टेस्ट करियर की शुरुआत करने वाले रूट ने 22 मई 2025 को जिम्बाब्वे के खिलाफ नॉटिंघम में खेलते हुए 13,000 रनों का कठिन आंकड़ा हासिल कर लिया। अहम बात ये रही कि पारियों के लिहाज से रूट ने 279 पारियों (153 मैचों) में ही यह कारनामा किया, लेकिन समय के मामले में उन्होंने सबको पीछे छोड़ दिया। अपने डेब्यू के सबसे सम समय 12 साल में ही वे इस आंकड़े तक पहुंचने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं।

सायना ने ट्राईसिटी मैराथन के अवसर पर फिटनेस और नशा मुक्ति का संदेश दिया

बोलीं खेल संस्कृति को हर नागरिक तक पहुंचाने की जरुरत

चंडीगढ़ । भारत की अनुभवी महिला बैडमिंटन स्टार सायना नेहवाल ने रविवार को फिटनेस और नशा मुक्ति का संदेश देने वाली 'एसके ट्राईसिटी मैराथन' को रवाना किया है। इस भव्य आयोजन में करीब 8,000 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के साथ ही डिजिटल फ्रॉड और नशे के खिलाफ अभियान चलाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी भी विशेष रूप से उपस्थित थे। इस दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सायना ने देश को एक खेल राष्ट्र बनाने की अपनी परिकल्पना साझा की। उन्होंने कहा कि यदि भारत को जापान, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों से खेल में प्रतिस्पर्धा करनी है, तो हर किसी को अपनी फिटनेस पर जोर देना होगा। सायना ने युवाओं से कहा है कि कम एक घंटा शारीरिक गतिविधियों को दें, क्योंकि भारत के भविष्य का निर्माण एक स्वस्थ और ऊर्जावान पीढ़ी ही कर सकती है। उन्होंने खेल संस्कृति को हर नागरिक तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि कि मैराथन केवल दौड़ने का एक आयोजन भर नहीं था, बल्कि यह समाज में व्याप्त कुछ गंभीर मुद्दों के प्रति लोगों को सचेत करने का एक मंच भी था। इस दौरान धावकों ने अपनी ऊर्जा और भागीदारी के माध्यम से जहां एक ओर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित किया, वहीं दूसरी ओर

डिजिटल धोखाधड़ी से सावधान रहने और नशे से दूर रहने का स्पष्ट संदेश भी दिया।

प्रतियोगिता के परिणाम भी उत्साहवर्धक रहे, जिसमें विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को सम्मानित किया गया। पुरुषों की 21 किलोमीटर हाफ मैराथन में यश राज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 घंटा 9 मिनट 5 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। उनके बाद एल/नायक शिवनेश सिंह ने 1 घंटा 24 मिनट 1 सेकंड के साथ दूसरा स्थान और प्रिंस सांगवान ने 1 घंटा 28 मिनट 39 सेकंड के समय के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

वहीं महिलाओं की 21 किलोमीटर हाफ मैराथन में मनदीप कौर ने 1 घंटा 39 मिनट 31 सेकंड में दौड़ पूरी कर शीर्ष स्थान हासिल किया। इस वर्ग में पूजा पांडे ने 1 घंटा 48 मिनट 36 सेकंड के साथ दूसरा और अमनप्रीत कौर ने 2 घंटा 8 मिनट 29 सेकंड के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

वहीं, 10 किलोमीटर महिला दौड़ में मुस्कान ने 42 मिनट 38 सेकंड का प्रभावशाली समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। सीता ने 43 मिनट 35 सेकंड के साथ दूसरा स्थान और खुशी ने 45 मिनट 53 सेकंड के साथ तीसरा स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

सीएसके को फिर से शीर्ष पर पहुंचाना है लक्ष्य - जहीर

मुम्बई । आईपीएल के 2027 सत्र के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के नये मुख्य कोच बने जहीर खान बेहद उत्साहित हैं। जहीर को हाल ही में स्टीफन फ्लेमिंग की जगह कोच बनाया गया था। कोच बनने के बाद जहीर ने कहा कि उनका लक्ष्य सीएसके को एक बार फिर शीर्ष पर पहुंचाना रहेगा। उन्होंने कहा कि मुझे बड़ी जिम्मेदारी मिली है और वह अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करेंगे। जहीर को कोच बनाने में टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की मुख्य भूमिका रही है। इसी को लेकर उन्होंने कहा, जब आप धोनी के बारे में बात करते हो, आप निरंतरता देखोगे, उनका कोच साथ सौहार्द देखोगे, ये कुछ ऐसा रहा है जो बहुत विशेष है। मैंने जब भी चेन्नई टीम का सामना किया, ये बहुत मजबूत टीम रही है। और यही वो खूबी है जिसे हमें आगे ले जाना है। इसलिए जिम्मेदारी बड़ी है क्योंकि हमें उस स्तर को बनाये रखना है। बहुत सारी उम्मीदें हैं, जो बहुत सारा दबाव भी लेकर आती है। ये कठिन चुनौती है जिसका मैं भी इंतजार कर रहा हूं.

सीएसके के कोच बनने की प्रक्रिया को लेकर जहीर ने कहा, धोनी सीएसके के लिए एक बहुत बड़ी ताकत रहे हैं। टीम की दिशा कैसी होनी चाहिए, इसे समझने में उनकी भूमिका बहुत अहम रही है। टीम के मालिक और सीईओ ने मुझसे बात की और सामान्य तरीके से कहा कि हम तुम्हे कोच बनाना चाहते हैं, क्या तुम उपलब्ध हो? मैंने कहा हां, मुझे सीएसके का पार्ट बनकर बहुत खुशी होगी। . फिर चीजें आगे बढ़ी और औपचारिकता पूरी कि गई। उन्होंने साथ ही कहा कि जिम्मेदारी मिलने पर मुझे बहुत आत्मविश्वास मिला है। जो विश्वास उन्होंने मुझमें व्यक्त किया है उसे पूरा करना अब मेरा काम है। जहीर के लिए ये हालांकि आसान नहीं होगा क्योंकि सीएसके का पिछले दो सत्र से प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उन्हें टीम के युवा खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन निकालने काफी प्रयास करने होंगे।

स्मिथ सहित ये दिग्गज बल्लेबाज शुरुआत में करते थे गेंदबाजी

सिडनी । विश्व क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ सहित कुछ क्रिकेटर ऐसे भी है जो अपने करियर की शुरुआत में गेंदबाजी करते थे पर संयोग से बल्लेबाज बन गये। किस्मत से बल्लेबाज बने ये खिलाड़ी बेहद सफल रहे और आज इनकी गिनती दिग्गज बल्लेबाजों में होती है। स्मिथ की बात करें तो वह अपने करियर की शुरुआत में मुख्य रूप से एक लेग-स्पिनर थे। वह निचले क्रम में थोड़ी-बहुत बल्लेबाजी कर लेते थे। साल 2010 में जब उनका अंतरराष्ट्रीय डेब्यू हुआ, तब वह आठवें या नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करते थे. बाद में उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अपनी बल्लेबाजी तकनीक पर कड़ी मेहनत की और आज स्मिथ दुनिया के शीर्ष बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। श्रीलंका के दिग्गज सनथ जयसूर्या ने भी अपने करियर की शुरुआत एक स्पिन गेंदबाज के रूप में की थी और निचले क्रम में वह केवल तेजी से रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। सन 1989 में डेब्यू के बाद कई सालों तक वह सातवें या आठवें नंबर पर आते थे और टीम में उनका मुख्य काम कसी हुई गेंदबाजी कर रन रोकना और विकेट लेना था पर साल 1995-96 के दौरान श्रीलंकाई टीम प्रबंधन और कप्तान अर्जुन रणतुंगा ने उन्हें वनडे में ओपनिंग करने भेजा। यहीं से जयसूर्या एक आक्रमक सलामी बल्लेबाज के रूप में उभरकर सामने आए।

इंग्लैंड के सबसे सफल बल्लेबाजों में गिने जाने वाले केविन पीटरसन ने अपने करियर की शुरुआत एक ऑफ-स्पिनर के तौर पर की थी, जो निचले क्रम के बल्लेबाज के रूप में क्रीज पर उतरते थे। बाद में काउंटी क्रिकेट में रनों का अंबार लगाने के बाद 2004-05 में उन्हें इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम में मध्यक्रम के प्रमुख बल्लेबाज के रूप में चुना गया। उसके बाद पीटरसन ने कई रिकार्ड बनाये।

वहीं इस सूची में भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा भी हैं। रोहित अपने स्कूल के दिनों में एक ऑफ-स्पिनर के तौर पर खेलते थे। उनके कोच दिनेश लाड ने उनके अंदर बल्लेबाजी की ऐसी प्रतिभा देखी कि उन्होंने रोहित को गेंदबाजी छोड़कर पूरी तरह बल्लेबाजी पर ध्यान लगाने की सलाह दी हालांकि, उनके अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत एक मध्य क्रम बल्लेबाज के रूप में हुई थी, लेकिन उनके करियर का सबसे बड़ा मोड़ 2013 की आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी रहा। जब उस समय कप्तान रहे महेन्द्र सिंह धोनी ने उनसे ओपनिंग कराई. उसके बाद तो रोहित सफलता की सीढ़ियां चढ़ते गये।

इसके अलावा पाकिस्तान के नासिर जमशेद का नाम भी इस सूची में शामिल है। नासिर जमशेद शुरुआत में वसीम अकरम और शोएब अख्तर जैसे तेज गेंदाज बनाना चाहते थे। हालांकि, जूनियर स्तर पर ट्रायल्स और क्लब मैचों के दौरान पता गया कि वह बेहतर बल्लेबाज बन सकते हैं। ऐसे में उन्हें बल्लेबाजी का अवसर दिया था बाद में वह पाक टीम के सलामी बल्लेबाज बने।

जापान के कोच बोले, देश में कबड्डी की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही

बैंकाक। थाईलैंड की पुरुष कबड्डी टीम के कोच रवींद्र शेट्टी ने एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने पर खुशी जताते हुए कहा है कि अब देश में कबड्डी की लोकप्रियता बढ़ रही है। यह महाद्वीपीय प्रतियोगिता में थाईलैंड का कबड्डी में पहला पदक है। थाई कोच शेट्टी भारत के हैं और उनका मानना है कि इस पदक से साफ है थाईलैंड में कबड्डी की लोकप्रियता बढ़ रही है। थाई टीम को जापान के नगोया में हुए सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम के हाथों से 28-66 से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद थाई टीम को कांस्य मिला है। भारतीय टीम ने इस मैच में अपना प्रभाव बनाये रखा, हाफ-टाइम तक टीम ने 37-18 की मजबूत बढ़त ली और अंत में 66-28 के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। भारतीय टीम ग्रुप-ए में अपने सभी चार मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंची थी। पिछले तीन साल से थाईलैंड में कबड्डी की कोचिंग दे रहे शेट्टी ने कहा कि उन्होंने 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद वहाँ बिल्कुल शून्य से काम शुरू किया था। उन्होंने कहा, मैं पिछले तीन वर्षों से वहां कबड्डी की कोचिंग दे रहा हूं। मैंने तीन साल पहले वहां शून्य से शुरुआत की थी। मैंने हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद काम शुरू किया। अब, कबड्डी सीखने के बाद वे आगे बढ़ रहे हैं और थाईलैंड में भी कबड्डी लोकप्रिय हो रही है। रवींद्र ने बताया कि थाईलैंड में जमीनी स्तर पर कबड्डी के विकास ने गति पकड़ी है, खासकर स्कूली प्रतियोगिताओं और युवा कार्यक्रमों के माध्यम से।

एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय तीरंदाजी टीमें

नगोया। भारतीय तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई खेलों की तीरंदाजी स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। इन खेलों में शामिल भारतीय कंपाउंड और रिकर्व मिक्स्ड टीमों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए अंतिम चार में जगह बनायी। इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन के आधार पर लास एंजिल्स ओलंपिक के लिए टीम को प्रवेश मिलेगा। इससे ये और भी अहम हो जाता है।

कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में चिकिथा तानिपार्थी और साहिल जाधव की जोड़ी ने सटीक निशाने लगाते हुए राउंड ऑफ 16 में मंगोलियाई टीम को 160-146 से हराया। इसके बाद, क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के खिलाफ मिली 159-154 की जीत के साथ ही सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

वहीं रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा में धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम अनिल मोहोद की जोड़ी ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए राउंड ऑफ 16 में यूएई को 6-0 से हराया। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में वियतनाम के खिलाफ भी 6-0 से जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनायी।

इससे पहले, कंपाउंड महिला और पुरुष टीमों ने भी जीत के साथ सही सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ज्योति सुरेखा वेन्नम, चिकिथा तनिपार्थी और पृथिका प्रदीप की महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की रोक्साना यूनुसोवा, विक्टोरिया ल्यान और एडेल जेक्सेनबिनोवा की टीम को 233-230 से हराया जबकि कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिरत्नम की पुरुष टीम ने भूटान के कंजांग नोरबू, त्सेतुम गेल्शो और टंडिन दोरजी को क्वार्टर फाइनल में 235-232 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया।

नमन धीर एकदिवसीय डेब्यू करने वाले 264वें भारतीय खिलाड़ी बने

तिरुवनंतपुरम। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज रविवार से यहां तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में शुरू हुई। इसमें पहले ही मुकाबले में युवा ऑलराउंडर नमन धीर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया है। कप्तान शुभमन गिल ने उन्हें भारतीय कैप सौंपी, जिसके साथ वह भारत के लिए एकदिवसीय खेलने वाले 264वें और अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले 422वें खिलाड़ी बन गए हैं। नमन को घरेलू क्रिकेट में पंजाब के लिए और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए किए गए अच्छे प्रदर्शन के कारण टीम में अवसर मिला है। अपनी बल्लेबाजी और ऑफ-स्पिन गेंदबाजी से उन्होंने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। उन्होंने अब तक 14 लिस्ट-ए मैच खेले हैं, जिनमें 39 के औसत और 106 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 357 रन बनाए हैं। इन मैचों में उनके नाम चार अर्धशतक हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 97 रन रहा है। वहीं गेंदबाजी में भी उन्होंने सात विकेट लिए हैं। इससे उनकी ऑलराउंड क्षमता दिखती है। भारतीय टीम चार तेज गेंदबाजों और दो ऑलराउंडरों के साथ मैदान में उतरी। कप्तान शुभमन गिल ने आगे कहा कि आगामी विश्व कप से पहले भारत के पास लगभग 20 एकदिवसीय मैच हैं, और यह समय विभिन्न संयोजनों को आज़माने और खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर देने का है ताकि विश्व कप के लिए सबसे प्रभावी टीम तैयार की जा सके।

एशियाई खेलों की स्क्वैश स्पर्धा में भारत के अभय सिंह को रजत

नगोया। भारत के अभय सिंह को एशियाई खेलों की स्क्वैश स्पर्धा में रजत पदक मिला है। स्क्वैश के पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में अभय को मलेशिया के एनग ईन यो के हाथों 9-11, 5-11, 5-11 से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही एनग ईन यो ने अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा। इन खेलों में भारत को अब मुक्केबाज में एक कांस्य मिलना तय है जबकि तीरंदाजी और एथलेटिक्स में कई खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे हैं और इससे भारत को अभी और पदक मिलेंगे। मुक्केबाजी में अंकुश पंघाल को पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में कांस्य पदक मिलना तय है। वहीं तीरंदाजी में पुरुष और महिला दोनों टीमों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई।

चुनाव आयोग पर कांग्रेस को जवाब देने के लिए भाजपा ने उतारी मुख्यमंत्रियों की फौज

राहुल पर जमकर बरसे हिमंता-योगी-धामी-फडणवीस और मोहन, मप्र के सीएम बोले - राहुल गांधी से नहीं संभल रहा कुनबा

नई दिल्ली/भोपाल। चुनाव आयोग पर कांग्रेस को जवाब देने के लिए भाजपा ने मुख्यमंत्रियों की फौज उतार दी है। इन मुख्यमंत्रियों (मोहन यादव, योगी आदित्यनाथ, हिमंता बिस्वा सरमा, पुष्कर सिंह धामी और देवेंद्र फडणवीस) ने सीधे तौर पर राहुल गांधी के बयानों और कांग्रेस की राजनीति को आड़े हाथों लिया। भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से अपना कुनबा नहीं संभल रहा है। वे अपने साथियों की गिरेबान में हाथ डालते-डालते उनकी गर्दन दबाने में लगे हैं। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और अखिलेश यादव के बीच बढ़ती राजनीतिक दूरी का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस को पहले अपना गठबंधन और संगठन संभालना चाहिए। वहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने एसआईआर को लेकर कांग्रेस पर चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर बार-बार आरोप लगाने और जनता में भ्रम फैलाने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अखिलेश रायबरेली जा रहे हैं तो आप कह रहे हो कि मैं सैफई में भी आ सकता हूं। मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस का अपना कुनबा ही नहीं संभल रहा। वह अपने साथ खड़े लोगों की गिरेबान में हाथ डालते-डालते उनकी गर्दन दबाने का काम कर रही है। उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर दूसरे राजनीतिक दलों में गए नेताओं का भी जिक्र किया।

नाच न जाने, आंगन टेढ़ा

एसआईआर को लेकर कांग्रेस के आरोपों पर मोहन यादव ने कहा कि नाच न जाने, आंगन टेढ़ा वाली स्थिति कांग्रेस की है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और दुनिया का सबसे युवा देश है। ऐसे में विपक्ष के नेता की जिम्मेदारी है कि वे लोकतांत्रिक संस्थाओं और संसद की मर्यादा का ध्यान रखें। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी के पुराने राजनीतिक बयानों का जिक्र करते हुए सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट और चौकीदार चोर जैसे मामलों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अपने बयानों के लिए पहले भी माफी मांगनी पड़ी है।

राहुल गांधी से माफी की मांग

मोहन यादव ने कहा कि चुनाव आयोग स्क्रूक को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट कर चुका है। फॉर्म-6 के डिक्लेरेशन और स्क्रूक के निर्णय को लेकर भी आयोग ने स्पष्टीकरण दिया है। इसके बावजूद कांग्रेस लगातार सवाल उठा रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को इस मामले में माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं के आधिकारिक निर्णय पर बार-बार सवाल उठाना उचित नहीं है।

कोर्ट, कैग, ईवीएम सब पर सवाल खड़े करना कहां की देशभक्ति- योगी

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस जैसी पार्टी, जिसने देश में सबसे लंबे समय तक शासन किया, वह लगातार चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा कर रही है। कांग्रेस भारत की हर संस्था को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास करती है। राहुल गांधी ने कैंब्रिज में भारत के न्यायलय पर सवाल खड़े किए। इसके अलावा उन्होंने कैग और ईवीएम पर भी सवाल उठाए। 2019 में राफेल के मुद्दे पर भी उन्होंने सवाल खड़े किए थे। बालाकोट एयर स्ट्राइक पर प्रश्न खड़ा करना, ऑपरेशन सिंदूर पर प्रश्न खड़ा करना, यह कहां की देशभक्ति है?

राहुल गांधी को भारत की जनता से माफी मांगनी चाहिए- सरमा

वहीं, इस मुद्दे पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को भारत की जनता से माफी मांगनी चाहिए। आपने बार-बार चुनाव आयोग पर हमला किया और आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने अकेले फैसले लिए लेकिन कल चुनाव आयोग ने साफ बता दिया कि सभी फैसले सबकी सहमति से लिए गए थे फिर आपने लोगों के दिमाग में गलत बातें क्यों डालीं? आपका आधार क्या था? चुनाव आयोग पर हमला क्यों किया? सीएम सरमा ने आगे कहा कि राहुल गांधी एक के बाद एक संस्थाओं पर हमला कर रहे हैं। ज्ञानेश कुमार से पहले भी वे 90 चुनाव हार चुके हैं। उनकी क्या साख बची है? उनका सिर्फ एक मकसद है-भारत के लोकतंत्र को कमजोर करना। जब भी वे कोई चुनाव हारते हैं, चाहे बंगाल हो, असम हो या कहीं औरज् वे तुरंत यही नाटक शुरू कर देते हैं। लोग उन्हें देख रहे हैं और जनता उन्हें बार-बार सजा देती रहेगी।

वोट चोरी नहीं हुई, राहुल गांधी का दिमाग चोरी हुआ- फडणवीस

उधर, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी राहुल गांधी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि राहुल गांधी लगातार झूठ बोल रहे हैं। कोई वोट चोरी नहीं हुई, राहुल गांधी का दिमाग चोरी हुआ है। मैं प्रधानमंत्री जी से विनती करता हूं कि कोई कमेटी बनाएं, जो राहुल गांधी का दिमाग ढूंढ के दे दे। अगर कोई रोज उठकर इलेक्शन कमिशन पर आरोप लगाता है तो इलेक्शन कमिशन प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा? उनकी जवाबदेही जनता से है। राजकीय पक्षों से नहीं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सीईसी विवाद पर कहा कि लोकतंत्र में सवाल तो पूछे ही जाने चाहिए लेकिन किसी अंदरूनी नोट को अंतिम फैसला या किसी आपत्ति को संस्थागत विफलता बताने से पहले पूरा रिकॉर्ड सामने रखा जाना चाहिए। लोकतांत्रिक फैसले लेने की प्रक्रिया में अंदरूनी विचार-विमर्श एक अहम हिस्सा होता है। सामने आए तथ्यों और रिकॉर्ड को देखते हुए, आप भी मानेंगे कि असल ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि आयोग का अंतिम फैसला क्या था, आखिरकार क्या घोषणा की गई और क्या वह फैसला कानून की कसौटी पर खरा उतरता है और कानूनी रूप से सही है।

कांग्रेस पार्टी पूरी तरह बिखर चुकी है- धामी

सीएम धामी ने आगे कहा कि सवाल उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उन सवालों के जवाब संबंधित दस्तावेजों और संवैधानिक प्रक्रियाओं से मिलने चाहिए। इसका मकसद सिर्फ कोई एजेंडा आगे बढ़ाना या संस्थाओं को बदनाम करना नहीं होना चाहिए, जैसे कि सुप्रीम कोर्ट, प्रशासनिक व्यवस्था या ईवीएम पर उंगली उठाना। मेरी नजर में, संस्थाओं को बदनाम करने की ऐसी कोशिशें स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ हैं, जहां तक कांग्रेस पार्टी की बात है, तो उसका संगठन पहले ही पूरी तरह बिखर चुका है और उसके नेता आजकल कॉमेडियन की तरह व्यवहार कर रहे हैं।

आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश से बातचीत की गुंजाइश नहीं- राजनाथ सिंह

नई दिल्ली । केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ किया कि भारत के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले किसी भी देश से बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत शांति का पक्षधर है और बातचीत में विश्वास रखता है, लेकिन अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। यदि कोई देश भारत के खिलाफ आतंकवाद को हवा देता है, तब उस देश से संवाद असंभव है। केंद्रीय मंत्री का सीधा-सीधा इशारा पाकिस्तान की तरफ था।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने याद दिलाया कि शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने भी इसतरह देशों को कड़ा संदेश दिया था जो आतंकवाद को अपनी नीति का साधन बनाते हैं या आतंकियों को पनाह देते हैं। उन्होंने जोर दिया कि जब तक पड़ोसी देश आतंकवाद की राज्य नीति पर कायम रहेगा, भारत भी आतंकवाद के खिलाफ हर तरह की कार्रवाई के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है।

रक्षा मंत्री ने देश की रक्षा क्षमताओं में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को केवल आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य नहीं दिया, बल्कि अपने सामर्थ्य पर विश्वास करना सिखाया है। आज डीआरडीओ केवल अनुसंधान संस्थान नहीं, बल्कि उद्योगों, विश्वविद्यालयों और नए उद्यमों को जोड़ने वाला राष्ट्रीय नवाचार मंच बन चुका है। रक्षा मंत्रालय ने नए उद्यमों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमईएस) से 2400 करोड़ रुपए से अधिक की खरीदारी को मंजूरी दी है, साथ ही नई तकनीक के विकास के लिए 1500 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं स्वीकृत की हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय युवा एआई, मानव रहित विमान, रोबोटिकी, क्वांटम तकनीक और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भविष्य के युद्धों के लिए तकनीक तैयार कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु के रक्षा औद्योगिक गलियारों में लगभग 70,000 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आए हैं, जिसमें से 10,000 करोड़ रुपए का निवेश हो चुका है। भारतीय रक्षा उत्पाद अब 100 से अधिक देशों तक पहुंच रहे हैं, जिनमें एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप शामिल हैं।

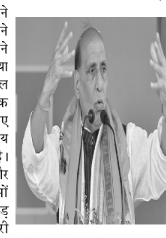

केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत वैश्विक स्थिरता और सम्मानजनक संबंध चाहता है। हमारा उदय किसी को पीछे छोड़ने या मौजूदा व्यवस्था को तोड़ने के लिए नहीं, बल्कि सामूहिक और समावेशी विकास के लिए है, बिना किसी संघर्ष के सकारात्मक बदलाव। उन्होंने जोर दिया कि सुरक्षा केवल सीमा पर तैनात सैनिकों की नहीं, बल्कि हम सभी का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने समाज में एकता और राष्ट्रहित को व्यक्तिगत हितों से ऊपर रखने का आह्वान किया। भारत ग्लोबल साउथ के हितों को भी सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रहा है, आवश्यकता पड़ने पर उन्हें हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है।

गडकरी ने आरटीओ में जारी भ्रष्टाचार पर दी चेतावनी...तब आपकी नौकरी जाएगी

भोपाल। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री परिवहन सेवा योजना के शुभारंभ के मौके पर भ्रष्टाचार और वैकल्पिक ईंधन पर महत्वपूर्ण बातें कहीं। उन्होंने आरटीओ अधिकारियों को भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी चेतावनी देकर कहा, बहुत से ऑफिसर गांधीवादी हैं। गांधी जी की नोट दिखाई देती है, तब फटाफट ठप्पा लगा देते हैं। जरा याद रखना। गलत बस सेंशन किया, तब आपकी नौकरी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने 17 सेवाओं को डिजिटल कर दिया है ताकि जनता को आरटीओ कार्यालय आने की आवश्यकता न पड़े और उनका जीवन सुगम हो सके।

सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताकर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने नई सुरक्षा व्यवस्था का जिक्र किया। इसके तहत, हर बस के लिए एक अलग चेकलिस्ट तैयार होगी और उस सूची को वाहन पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। किसी भी बस का पंजीकरण फिजिकल और वीडियो निरीक्षण के बिना नहीं किया जाएगा, जिससे सुरक्षा मानकों में वृद्धि होगी।

इथेनॉल को भविष्य का ईंधन बताकर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने मध्य प्रदेश सरकार को मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने समझाया कि ई-20 का अर्थ है पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल का मिश्रण, इस किसान मक्का, धान और कपास के पुआल जैसे कृषि उत्पादों से बनाते हैं। यह व्यवस्था अमेरिका, जर्मनी और जापान सहित 19 देशों में पहले से ही प्रचलित है। केंद्रीय गडकरी ने अपने इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर, स्कूटर और हाइड्रोजन कार के उपयोग का उल्लेख कर बताया कि जल्द ही 100 प्रतिशत इथेनॉल से चलने वाली गाड़ियां उपलब्ध होंगी, जिससे देश की पेट्रोल-डीजल आयात पर निर्भरता काफी कम होगी।

रतन टाटा के करीबी मेहली मिस्त्री का इस्तीफा

कोलकाता। रतन टाटा के करीबी रहे मेहली मिस्त्री ने कोलकाता स्थित टाटा मेडिकल सेंटर ट्रस्ट से अलग होने का फैसला किया है। उनका कार्यकाल 30 सितंबर को खत्म होगा और उन्होंने कहा है कि वे दोबारा इस पद की जिम्मेदारी नहीं संभालेंगे। मेहली मिस्त्री ने इस फैसले की जानकारी 15 सितंबर को एक ईमेल के जरिए दी। उन्होंने टाटा मेडिकल सेंटर के सीईओ से कहा कि उनके हटने के फैसले को आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज कर लिया जाए। मिस्त्री ने यह ईमेल टाटा ट्रस्ट्स के नए चेयरमैन नोएल टाटा समेत परिवार के अन्य ट्रस्टियों को भी भेजा है। कोलकाता का टाटा मेडिकल सेंटर बिना किसी मुनाफे के चलाया जाने वाला अस्पताल है, जिसमें 436 बेड हैं। यहां बेहद कम और किफायती खर्च पर कैंसर का इलाज किया जाता है। इलाज के साथ-साथ यह सेंटर कैंसर की शुरुआती पहचान, बीमारी को फैलने से रोकने, मरीजों की देखरेख और इलाज के बाद उनकी देखभाल संभालने का काम भी करता है।

ट्राई के बदलाव पर राघव चड्ढा, अब लोगों को अतिरिक्त पैसा नहीं देना होगा

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा टेलीकॉम सेक्टर में किए बड़े बदलावों के बाद देश के करोड़ों प्रीपैड मोबाइल यूजर्स को बड़ी राहत मिली है। अब टेलीकॉम कंपनियों को 28 दिन के बजाय पूरे 30 दिन की वैलेडिटी वाले रिचार्ज प्लान पेश करना होगा। इसके साथ ही केवल इनकमिंग और मैसेज की सुविधा चाहने वाले ग्राहकों के लिए बिना डेटा वाले विशेष पैक भी उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उपभोक्ताओं को उतनी ही कीमत चुकानी होगी जितनी वे सुविधा ले रहे है।

इस महत्वपूर्ण बदलाव पर प्रतिक्रिया देकर भाजपा सांसद राघव चड्ढा ने देश के प्रीपैड मोबाइल यूजर्स को बधाई दी है। सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर उन्होंने बताया कि उन्होंने मुद्दे को संसद में जोर-शोर से उठाया था। उन्होंने कहा कि यह इस बात का एक बेहतरीन उदाहरण है कि कैसे एक जनप्रतिनिधि द्वारा संसद में उठाई गई जनता की आवाज पर सरकार ने सकारात्मक कदम उठाया।

सांसद चड्ढा ने कहा कि देश में एक बड़ा वर्ग ऐसा था जो इंटरनेट या डेटा का इस्तेमाल नहीं करता था, बल्कि केवल इनकमिंग कॉल्स और मैसेज के लिए फोन का उपयोग करता था, लेकिन उन्हें मजबूरन महंगे रीचार्ज करने पड़ते थे। अब नए नियमों के तहत उपभोक्ताओं को केवल उनकी जरूरत के अनुसार ही भुगतान करना होगा।

ट्राई द्वारा लागू किए गए टेलीकॉम उपभोक्ता संरक्षण (13वां संशोधन) रेग्यूलेशन 2026 के तहत यह व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। लंबे समय से मोबाइल यूजर्स द्वारा वैधता और महंगे रीचार्ज प्लान को लेकर सुधार की मांग की जा रही थी, जिसे अब अमलीजामा पहनाया गया है। इस फैसले से आम आदमी के मासिक टेलीकॉम खर्च में कमी आने की उम्मीद है।

चार साल में 111 सांसद-विधायकों ने पार्टी बदली

नई दिल्ली। साल 2022 से 2026 के बीच चुनाव जीतने के बाद 111 सांसदों और विधायकों ने पार्टी बदली। इनमें 26 लोकसभा सांसद, 7 राज्यसभा सांसद और 78 विधायक शामिल हैं। दूसरी पार्टियों में शामिल होने वालों में सबसे ज्यादा 29 यानी 26 प्रतिशत भाजपा में गए। इसके बाद 32 यानी 29 प्रतिशत एनपीएफ, 20 यानी 18 प्रतिशत एनसीपीआई और 9 यानी 8 प्रतिशत कांग्रेस में शामिल हुए। ये खुलासे एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और नेशनल इलेक्शन वॉच की रिपोर्ट में हुए हैं।

इसके मुताबिक, नगालैंड में सबसे ज्यादा 32 और पश्चिम बंगाल में 20 मामले सामने आए। विश्लेषण में चुनाव और उपचुनाव के दौरान हुए पार्टी बदलावों को शामिल किया गया है। इसमें दलबदल, पार्टी विलय और इस्तीफे के बाद उपचुनाव जीतने जैसे मामले भी शामिल हैं।

नगालैंड में 32 विधायकों ने दल बदला

नगालैंड में पार्टी बदलने के सभी 32 मामले विधायकों के हैं। इनमें से 25 विधायक पहले एनडीपीपी के टिकट पर चुने गए थे। वहीं, 32 नेता एनपीएफ में शामिल हुए। एडीआर के मुताबिक, इनमें ज्यादातर मामले ौर एनपीएफ के बीच राजनीतिक बदलाव से जुड़े थे।

बंगाल में 20 लोकसभा सांसदों ने पार्टी बदली

पश्चिम बंगाल में पार्टी बदलने के 20 मामले सभी लोकसभा सांसदों के हैं। ये सभी एआईटीसी के टिकट पर चुनाव जीते थे और बाद में एनसीपीआई में चले गए। इन सांसदों ने पार्टी में विलय का दावा किया है। इस मामले पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के सामने फैसला होना बाकी है।

तेलंगाना में 9 विधायक कांग्रेस में गए

तेलंगाना में 9 विधायक पार्टी बदलने वालों में शामिल हैं। ये सभी बीआरएस से चुने गए थे और कांग्रेस में गए। गोवा में 8 कांग्रेस विधायकों के भाजपामें जाने के मामले सामने आए। महाराष्ट्र में 6 लोकसभा सांसदों ने उद्धव ठाकरे की शिवसेना से एकनाथ शिंदे की शिवसेना का रुख किया।

एनडीपीपीसे सबसे ज्यादा नेता बाहर गए

जिन पार्टियों के नेताओं ने पार्टी बदली, उनमें एनडीपीपी के 25, एआईटीसी के 20 और कांग्रेस के 19 नेता शामिल हैं। इसके बाद बीआरएस के 9, आप और एनसीपी के 7-7, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के 6, जद(यू) के 5 और एनपीपी के 4 नेता रहे। एनडीपीपी, एआईटीसी और कांग्रेस से पार्टी बदलने वाले नेताओं की संख्या 64 यानी कुल मामलों की 58 प्रतिशत रही।

एनपीएफ में 32 और भाजपा में 29 नेता शामिल हुए

दूसरी पार्टियों से सबसे ज्यादा नेता एनपीएफ में 32 शामिल हुए। इसके बाद भाजपामें 29 और एनसीपीआई में 20 नेता गए। कांग्रेस में 9, शिवसेना में 8, एनपीपीमें 6 और पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल में 4 नेता शामिल हुए। एनपीएफ, भाजपा और एनसीपीआई में शामिल होने वाले नेताओं की संख्या 81 यानी कुल मामलों की 73 प्रतिशत रही।

बंगाल की खाड़ी में बने गहरा अवदाब को 'अर्नब' चक्रवात दे दिया नाम, फैला भ्रम

-डब्ल्यूएमओ की तैयार सूची में यह अगला नाम था, जिसे बांग्लादेश ने सुझाया

नई दिल्ली। चक्रवात अर्नब को लेकर भ्रम फैला कि नया तूफान आ रहा है। हालांकि, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने इसे तकनीकी रूप से चक्रवात घोषित ही नहीं किया था। यह बंगाल की खाड़ी में बना एक गहरा अवदाब था, जो नमी लेकर उत्तर भारत की ओर बढ़ा, जिसके परिणामस्वरूप ओडिशा, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, यूपी और बिहार में पिछले 72 घंटों में भारी बारिश हुई। सबसे पहले 23-24 सितंबर की रात को यह गहरा अवदाब आंध्र के कलिंगापटनम के पास लैंडफॉल किया था।

आईएमडी के मुताबिक कोई मौसम प्रणाली चक्रवात तभी कहलाती है जब उसकी औसत हवा की गति 63 किलोमीटर प्रति घंटा या 34 नॉट से ज्यादा होती है, लेकिन, यह गहरा अवदाब प्रणाली 55-65 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पर ही अटक गई, इसलिए आधिकारिक तौर पर यह चक्रवात अर्नब नहीं बना। फिर भी, इस भारी दबाव के कारण मौसम में परिवर्तन को सोशल मीडिया पर अर्नब कह दिया गया। अब सवाल यह कि जब यह चक्रवात नहीं था, तो इसे अर्नब क्यों कहा गया? दरअसल, यह नाम विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) द्वारा तैयार की गई सूची में अगला नाम था, जिसे बांग्लादेश ने सुझाया था। बंगाली भाषा में अर्नब का अर्थ समुद्र या महासागर होता है। इसका कोई फुल फॉर्म नहीं है और डब्ल्यूएमओ सूची में इसका उच्चारण ओरनाब बताया है।

चक्रवातों के नामकरण के लिए उत्तरी हिंद महासागर क्षेत्र के 13 देश मिलकर सूची बनाते हैं। अपनी ओर से हर देश 13-13 नाम भेजता है, जिससे कुल 169 नामों की सूची तैयार होती है, जो क्रमवार उपयोग की जाती है। भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका, मालदीव, म्यांमार, थाईलैंड, ओमान, ईरान, सऊदी अरब, यूएई, कतर और यमन इस पैनल के सदस्य हैं। इस बार लिस्ट में अगला नाम बांग्लादेश का भेजा हुआ अर्नब था। यह उल्लेखनीय है कि जो नाम अत्यधिक तबाही मचाते हैं, उन्हें भविष्य में उपयोग के लिए सूची से हटा दिया जाता है, जैसे तितली, फानी और अम्फान।

भले ही इसे चक्रवात का नाम न मिला हो, पर एक गहरा अवदाब भी भारी बारिश, जलभराव, नदियों में उफान और भूस्खलन जैसी स्थितियां पैदा कर सकता है। स्पष्ट है कि चक्रवात अर्नब नाम जनमानस में भले ही प्रचलित हो गया हो, लेकिन मौसम विभाग की तकनीकी परिभाषा के मुताबिक यह केवल एक गहरा अवदाब था, जिसने बिना चक्रवात बने भी कई राज्यों में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित किया।

विधायक कुणाल पर लगातार दूसरे दिन हमला

कोलकाता। टीएमसी विधायक कुणाल घोष ने रविवार को दावा किया कि कोलकाता में दिनदहाड़े उनकी कार पर फिर हमला किया गया। उन्होंने कहा कि बाइक सवार हथियारबंद लोगों ने कार को घेरा, शीशा तोड़ा और उन्हें बाहर खींचने की कोशिश की। घोष के मुताबिक, हमलावरों के पास रिवॉल्वर थे। विधायक की सुरक्षा में तैनात जवानों को भी हथियार निकालने पड़े। घटना के बाद कुणाल घोष सीधे नारकेलडांगा पुलिस स्टेशन पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। उनकी क्षतिग्रस्त कार भी थाने के बाहर खड़ी दिखी। घोष ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी हत्या की कोशिश की जा रही है। पिछले 4 महीने के दौरान घोष पर हमले का यह चौथा मामला है। एक दिन पहले हुगली के श्रीरामपुर में ममता बनर्जी की रैली में जाते समय भीड़ ने उनकी कार पर अंडे और पत्थर फेंके थे। पीछे का शीशा भी तोड़ दिया था।

सर्जिकल स्ट्राइक ने दुनिया के सामने आतंकवाद विरोधी नीति का उदाहरण पेश किया था

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 138वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया। इस बार का एपिसोड बेहद खास रहा क्योंकि पीएम मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक की 10वीं वर्षगांठ से एक दिन पहले देश की आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक नीति पर विस्तार से बात की। कार्यक्रम की शुरुआत में पीएम मोदी ने कहा कि मैं देश के सभी लोगों का स्वागत करता हूं। 'मन की बात' में हम देशवासियों के सकारात्मक प्रयासों को मंच देते हैं। देश की उपलब्धियों की बात करते हैं। भारत की ऐसी ही एक बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि को एक दिन बाद 10 साल होने जा रहे हैं। ये उपलब्धि है 'सर्जिकल स्ट्राइक' की।

पीएम मोदी ने 28-29 सितंबर 2016 की रात को याद करते हुए कहा कि दस वर्ष पहले 28-29 सितंबर 2016 को भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी। एलओसी के उस पार जाकर हमारे वीर जवानों ने जिस तरह आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की थी, वो देख दुनिया हैरान थी। सर्जिकल स्ट्राइक ने डंके की चोट पर पूरी दुनिया के सामने भारत की आतंकवाद विरोधी नीति का एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया था।

उन्होंने कहा कि आतंकवादी हमलों के कारण भारत ने लंबे समय तक जो दर्द झेला था, सर्जिकल स्ट्राइक उस कष्ट के खिलाफ एक निर्णायक प्रतिक्रिया थी। पीएम ने बीते एक दशक में भारत की बदली रणनीति का जिक्र करते हुए कहा कि बालाकोट की एयर स्ट्राइक से लेकर 'ऑपरेशन सिंदूर' तक भारत ने बार-बार स्पष्ट संदेश दिया है कि अगर आतंकवादी भारत पर आंख उठाएंगे तो उसका करारा जवाब दिया जाएगा। पीएम मोदी ने देश के पुराने दौर को याद करते हुए कहा कि एक समय था जब भारत में सीरियल ब्लास्ट होना बहुत सामान्य बात हो गई थी। सितंबर के इस महीने में 13 सितंबर 2008 को दिल्ली में हुए सीरियल ब्लास्ट में अनेक निर्दोष लोग मारे गए थे। इसके कुछ सप्ताह बाद ही मुंबई में 26/11 का इतना बड़ा हमला हुआ था।

उन्होंने कहा कि पहले हर आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान पर कार्रवाई की मांग होती थी लेकिन उस पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता था और समय बीतने का इंतजार किया जाता था। पीएम मोदी ने कहा कि अब आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस पॉलिसी लेकर चल रहा है और हम इसके नतीजे भी देख रहे हैं। 'मन की बात' में पीएम मोदी ने अमेरिका में हुए 9/11 आतंकी हमले की 25वीं बरसी का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि इस साल 9/11 के आतंकी हमले को भी 25 साल हुए हैं। अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में जिन निर्दोष लोगों ने अपना जीवन खोया था, उनमें अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा लोग भारत के थे। अपनी अमेरिका यात्रा को याद करते हुए पीएम ने कहा कि मुझे याद है, 2014 में पीएम बनने के बाद जब मैं अमेरिका गया था, तो न्यूयॉर्क में मैं इन निर्दोष नागरिकों को अपनी श्रद्धांजलि देने पहुंचा था। आज फिर एक बार मैं भारत के करोड़ों नागरिकों की ओर से पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

पदमेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

रट्टा में अवैध खनन के विवाद में दो गुटों में हिंसक वारदात

एक दर्जन से अधिक ग्रामीण घायल, नौ जिला अस्पताल में भर्ती, दमाहे परिवार के घर और वाहनों में तोड़फोड़, आग लगाने की कोशिश नाकाम, 300 से ज्यादा पुलिस बल ने संभाला मोर्चा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र के ग्राम रट्टा में रविवार को रेत-गिट्टी के कथित अवैध खनन, जंगल में पेड़ों की कटाई और निजी व शासकीय भूमि पर कब्जे के आरोपों को लेकर लंबे समय से पनप रहे ग्रामीणों के आक्रोश ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। देखते ही देखते दो गुट आमने-सामने आ गए और लाठी-डंडों से हुई मारपीट में एक दर्जन से अधिक ग्रामीण घायल हो गए। इनमें नौ घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद रट्टा गांव को पुलिस छावनी में तब्दील करना पड़ा और 300 से अधिक पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली।

बताया जा रहा है कि विवाद एक ओर पूरे गांव के ग्रामीणों और दूसरी ओर गांव में रहने वाले दमाहे परिवार के बीच हुआ। ग्रामीणों ने परिवार पर लंबे समय से रेत और गिट्टी का कथित अवैध खनन करने, जंगल में पेड़ों की अवैध कटाई तथा निजी एवं शासकीय भूमि पर कब्जा करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कथित खनन के कारण किसानों को सिंचाई के लिए पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। विवाद उस समय भड़का जब पेंदीटोला निवासी मुकेश मर्सकोले अपनी पत्नी कमलाबाई के साथ दूध बांटने निकला था। ग्रामीणों के अनुसार रविवार सुबह करीब 9 बजे वह रोमन दमाहे, जियालाल दमाहे, रामचरण दमाहे और ओमकार दमाहे के घर के पास पहुंचा। आरोप है कि यहां अवैध खनन की शिकायत करने को लेकर दमाहे परिवार के लोगों ने मुकेश और उसकी पत्नी को घेर लिया और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में मुकेश गंभीर रूप से घायल हुआ। मुकेश की पिटाई की जानकारी मिलने के बाद सरपंच रवि कुमरे सहित कुछ ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों का आरोप है कि वहां उनके साथ भी लाठी-डंडों से मारपीट की गई। सरपंच के घायल होने और घटना की जानकारी गांव में फैलने के बाद माहौल अचानक बिगड़ गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण दमाहे परिवार के घर की ओर पहुंच गए और दोनों पक्षों के बीच फिर जमकर मारपीट हुई। इसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने दमाहे परिवार के घर के बाहर खड़े वाहनों में जमकर तोड़फोड़ की। ग्रामीणों के अनुसार छह मोटरसाइकिल, एक बोलेरो, चार ट्रैक्टर, जेसीबी मशीन और क्रशर मशीन को नुकसान पहुंचाया गया। इतना ही नहीं, ग्रामीणों द्वारा घर में आग लगाने की कोशिश किए जाने की बात भी सामने आई, लेकिन मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति संभालते हुए आगजनी की कोशिश को रोक दिया। इस दौरान दमाहे परिवार के घर श्राद्ध कार्यक्रम में पहुंचे कुछ रिश्तेदार भी कथित तौर पर हमले की चपेट में आ गए। परिवार के कुछ सदस्य किसी तरह मौके से निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। हालात को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल रट्टा पहुंचा। 300 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ विशेष सशस्त्र बल के जवानों ने भी मोर्चा संभाला। एएसपी निहित उपाध्याय, सीएसपी मयंक तिवारी, भरवेली थाना प्रभारी भूपेंद्र सिंह पंद्रो और कोतवाली थाना प्रभारी अजय गुर्जर सहित पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में लिया। ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए पुलिस ने उन्हें पंचायत भवन की ओर भेजकर स्थिति को शांत कराने का प्रयास किया। दूसरी ओर दमाहे परिवार के घर में मौजूद महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को पुलिस ने सुरक्षा के लिए कमरे के भीतर रखा। घर के बाहर पुलिस का पहरा लगाया गया। घटना के बाद भयभीत बच्चे रोते-बिलखते नजर आए। स्थिति नियंत्रित होने के बाद पुलिस अधिकारियों ने परिवार को सुरक्षा का भरोसा दिलाया और उन्हें पुलिस वाहन से सुरक्षित भरवेली थाना पहुंचाया।

नौ घायल जिला अस्पताल में भर्ती

घटना में घायल मुकेश पिता कपूरचंद मर्सकोले (36), जानू सिंह पिता सुमेरी टेकाम (55), लक्ष्मण पिता कन्हैया मरावी (45), महेश पिता ज्ञानीराम राणा (50), सगुवा पिता लक्ष्मण (40), तुलेसा बाई पति रूपलाल (40), अशोक पिता सोहन चिचाम (30), दिनेश पिता महिपाल ठाकरे (52) और कमलाबाई पति मुकेश मर्सकोले (32) को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी का उपचार जारी है। फिलहाल रट्टा में भारी पुलिस बल तैनात है और पूरे घटनाक्रम पर नजर रखी जा रही है। एक ओर ग्रामीण कथित अवैध खनन और अन्य गतिविधियों को लेकर लंबे समय से शिकायतों का हवाला दे रहे हैं, तो दूसरी ओर विवाद के बाद हुई हिंसा, तोड़फोड़ और आगजनी के प्रयास ने गांव की स्थिति को बेहद संवेदनशील बना दिया है। अब पुलिस जांच में यह सामने आना बाकी है कि विवाद की वास्तविक शुरुआत कैसे हुई, दोनों पक्षों की हिंसा में किसकी क्या भूमिका रही और अवैध खनन सहित ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है।

पुलिस ने कहा स्थिति नियंत्रण में

बालाघाट सीएसपी मयंक तिवारी ने बताया कि पुलिस को ग्राम रट्टा में कुछ लोगों के साथ मारपीट की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में लिया। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों द्वारा एकत्र होकर एक घर में तोड़फोड़ की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि खनन को लेकर पूर्व में मिली शिकायत पर थाना प्रभारी द्वारा दबिश देकर कार्रवाई की गई थी। घटना में घायल लोगों का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है।

फोर व्हीलर ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर-दो घायल

गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए जा रहे थे दोनों व्यक्ति
एक जिला अस्पताल तो दूसरा निजी अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी थाना क्षेत्र के तुमसर रोड पर खजरी नाला के समीप रविवार को तेज रफ्तार फोर व्हीलर ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो लोग घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार के लिए कटंगी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती किया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बालाघाट रेफर किया गया।घायलों में हंसराज पिता किशनलाल पंचेश्वर 50 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया वहीं त्रिभुवन परिहार 32 वर्ष को नगर की निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हंसराज पंचेश्वर खेती किसानी का कार्य करते हैं। 27 सितंबर को करीब सुबह 10 बजे हंसराज अपने गांव की गणेश प्रतिमा के विसर्जन के लिए घर से पैदल निकले थे। इसी दौरान त्रिभुवन परिहार भी उनके साथ हो गए। दोनों गणेश प्रतिमा विसर्जन करने खजरी नाला जा रहे थे। दोनो मोटरसाइकिल में अर्जुननाला से खजरी नाला की ओर जा रहे थे। अन्य ग्रामीण भी गणेश प्रतिमा विसर्जन करने खजरी नाला की ओर पहुंच रहे थे।बताया गया है कि जब दोनों खजरी नाला और अर्जुननाला के बीच तुमसर रोड पर पहुंचे तभी तुमसर की ओर से तेज रफ्तार में आ रही फोर व्हीलर ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल सवार हंसराज पंचेश्वर और त्रिभुवन परिहार मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए।हादसे के बाद दोनों घायलों को तत्काल कटंगी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों को बेहतर उपचार के लिए बालाघाट रेफर कर दिया। इसके बाद हंसराज पंचेश्वर को जिला अस्पताल बालाघाट तथा त्रिभुवन परिहार को बालाघाट नगर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।घटना की सूचना मिलने के बाद कटंगी पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा दुर्घटना के कारणों और फोर व्हीलर चालक के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

खैरी में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम खैरी में एक 33 वर्षीय युवक ने अपने घर में आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव मृतक रमेश पिता रामलाल मसकरे 33 वर्ष का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। इस युवक के द्वारा प्रारंभिक तौर पर शराब के नशे में फांसी लगाकर आत्महत्या की जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रमेश दो भाइयों में बड़ा था। छोटा भाई हंसराज मस्करे 28 वर्ष है। दोनों भाई अपने परिवार सहित अलगअलग रहते है। रमेश वाहन चालक था। जिसके परिवार पत्नी और दो बच्चे हैं। बताया गया है कि रमेश शराब पीने का आदी था और पेट में अल्सर की बीमारी से भी पीड़ित था।दो दिन पहले उसकी पत्नी बच्चों के साथ मायके में गणेश विसर्जन कार्यक्रम में गई हुई थी। जिससे रमेश घर में अकेला था। 26 सितंबर की रात करीब 10 बजे वह घर में ही था। 27 सितंबर की सुबह करीब 6:30 बजे उसके कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। छोटे भाई हंसराज ने दरवाजा खटखटाया आवाज लगाई।लेकिन कोई जवाब नहीं मिलने पर दरवाजा तोड़कर अंदर देखा तो रमेश फांसी पर लटका मिला। रमेश ने म्याल में साड़ी बांधकर फांसी लगा दी थी घटना की सूचना तत्काल खैरलांजी पुलिस को दी गई।सूचना पर खैरलांजी पुलिस ग्राम खैरी पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।प्रारंभिक तौर पर शराब के नशे में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

गिट्टी चोरी रोकने गए मिस्त्री से चार युवकों ने की मारपीट

ईंट के टुकड़े से सिर पर हमला कर किया घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नंबर 32 नर्मदा नगर में निर्माण स्थल से गिट्टी चोरी करने आए चार युवकों को रोकना एक मिस्त्री को भारी पड़ गया। आरोप है कि युवकों ने मिस्त्री के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और ईंट के टुकड़े से हमला कर उसे घायल कर दिया। घायल राजेंद्र पिता मदनलाल गेडाम50 वर्ष वार्ड नंबर 32 नर्मदा नगर निवासी है। जिसका जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार कराया गया। मामले में पुलिस ने घायल के बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेंद्र गेडाम मकान निर्माण में मिस्त्री का काम करते हैं। वर्तमान में वह ठेकेदार दिनेश चौधरी के निर्माण कार्य में कार्यरत हैं।बताया गया कि 26 सितंबर की रात करीब 9:30 बजे राजेंद्र अपने घर पर आराम कर रहे थे। इसी दौरान उनकी बेटी के मोबाइल पर ठेकेदार दिनेश चौधरी का फोन आया। ठेकेदार ने बताया कि निर्माण स्थल पर कुछ लोग गिट्टी चोरी कर रहे हैं और राजेंद्र को मौके पर जाकर देखने के लिए कहा।राजेंद्र का घर निर्माण स्थल के पास ही होने के कारण वह तत्काल मौके पर पहुंचे। वहां उन्होंने पड़ोस में रहने वाले माहुले टेलर के दो लड़कों को देखा जिन्हें वह चेहरे से पहचानते हैं। दोनों युवक गिट्टी को बोरियों में भरकर ले जाने की तैयारी में थे। राजेंद्र ने उन्हें रोकते हुए ठेकेदार को इसकी सूचना दी।इसी दौरान माहुले टेलर के दोनों लड़कों के साथ मौजूद दो अन्य युवक भी मौके पर पहुंच गए। चारों युवकों ने राजेंद्र के साथ गाली-गलौज करते हुए कहा कि उन्हें रोकने वाले वह कौन होते हैं। इसके बाद चारों ने राजेंद्र को जमीन पर पटक दिया और हाथ-मुक्कों से मारपीट करने लगे। इसी दौरान एक युवक ने ईंट का टुकड़ा उठाकर राजेंद्र पर हमला कर दिया। ईंट का टुकड़ा उनकी आंख के ऊपर मस्तक में लगा जिससे उन्हें चोट आई। मारपीट में उनकी कमर में भी चोट लगने की बात सामने आई है।किसी तरह आरोपियों से बचकर राजेंद्र वहां से भागकर अपने घर की ओर पहुंचे। रास्ते में उनका बेटा सिद्धार्थ मिल गया। बेटे ने घटना की जानकारी तत्काल डायल-112 को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल राजेंद्र को जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया।जहां उनका उपचार किया गया।जिला अस्पताल में पुलिस ने घायल राजेंद्र के बयान दर्ज किए। इसके बाद मामले को आगे की कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट